THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 243 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.10 2081 सोमवार, 25 नवंबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कॉमेडियन अली को नोटिस

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मशहूर कॉमेडियन अली को बड़ा झटका लगा है। ग्राम सचिव शोभारानी ने उन्हें नोटिस जारी कर कहा है कि विकाराबाद जिले के नवाबपेट मंडल के एकमामिडी में उनके द्वारा एक फार्महाउस में अवैध निर्माण किया जा रहा है। नोटिस में कहा गया है कि अवैध निर्माण तुरंत रोका जाए। अली अपने वकील के जरिए इन नोटिसों का जवाब देने की तैयारी में हैं। अली का आरोप है कि कुछ लोग उनके खिलाफ साजिश के तहत ऐसा कर रहे हैं। अभिनेता अली के पास एकमामिडी गांव में कृषि भूमि है। जब भी संभव होता है, अली अपने परिवार के साथ वहां जाते हैं। इस क्रम में, अली ने एकमामिडी ग्राम पंचायत के तहत अपनी जमीन पर बिना किसी अनुमति के निर्माण कर लिया।

मस्जिद बवाल में तीन की मौत

कमिश्नर ने कहा- छतों से फायरिंग हुई, परिजन बोले- पुलिस की गोली से मौत

संभल, 24 नवंबर (एजेंसियां)। संभल की जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान भड़की हिंसा में तीन युवकों की मौत हो गई। एसपी संभल ने इसकी पुष्टि की है। एक युवक के परिजन का दावा है कि पुलिस की गोली से मौत हुई है। इधर, दो लोगों की मौत की खबर फैलते ही शहर में फिर तनाव हो गया। सपा सांसद बर्क के इलाके में पथराव की घटना हुई है। हिंसा के बाद डीआईजी, आईजी मौके पर पहुंच चुके हैं।

दरअसल, रविवार सुबह मस्जिद के सर्वे के लिए टीम पहुंची थी। इस दौरान करीब दो हजार की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग पहुंच गए। उन्होंने सर्वे का विरोध किया। भीड़ मस्जिद के अंदर जाने पर अड़ गई। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। इसके बाद भगदड़ जैसे हालात हो गए। अचानक पथराव शुरू हो गया, पुलिस को भागना पड़ा। बवाल इतना बढ़ गया कि पुलिस ने पहले आंसू गैस के गोले दागे फिर लाठीचार्ज करके भीड़ को खदेड़ा। हालात कई घंटे से बेकाबू है। कई घंटों तक गलियों में जगह-जगह पथराव होता रहा।

उग्र भीड़ ने कई गाड़ियों में आग लगा दी। पथराव में एसपी समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। डिप्टी कलेक्टर भी चोटिल हुए हैं। एक पुलिसवाले को भी गोली लगी है। इधर, अखिलेश यादव ने लखनऊ में दावा किया कि संभल में भाजपा ने बवाल कराया है। ताकि चुनाव में की गई धांधली की चर्चा न हो।

दरअसल, सुबह 6.30 बजे डीएम-एसपी के साथ एक टीम जामा मस्जिद का सर्वे करने पहुंची थी। टीम देखकर मुस्लिम समुदाय के लोग भड़क गए। कुछ ही देर में करीब दो हजार से ज्यादा लोग जामा मस्जिद के बाहर पहुंच गए। भीड़ मस्जिद के अंदर जाने पर अड़ गई।

पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। इसके बाद भगदड़ जैसे हालात हो गए। अचानक पथराव शुरू हो गया, पुलिस को भागना पड़ा।

कोर्ट ने सर्वे कराकर एक हफ्ते में रिपोर्ट देने को कहा था :

जामा मस्जिद का 5 दिन में दूसरी बार सर्वे करने के लिए टीम पहुंची थी। इससे पहले 19 नवंबर को सर्वे हुआ था। उसी दिन यानी 19 नवंबर को हिंदू पक्ष की संभल शाही जामा मस्जिद के श्री हरिहर मंदिर होने की याचिका पर कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने मस्जिद का सर्वे करवाकर एक हफ्ते के अंदर रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए। 26 नवंबर को रिपोर्ट पेश करनी है। 29 नवंबर को इस पर सुनवाई होगी।

संभल में हालात काबू करने को सड़क पर उतरे एसपी कृष्ण बिश्नोई : उपद्रवियों से कहा- भविष्य बर्बाद न करो बेटा

संभल, 24 नवंबर (एजेंसियां)। संभल की जामा मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद को लेकर रविवार को अचानक बवाल शुरू हो गया। मस्जिद का दोबारा सर्वेक्षण करने के दौरान हंगामा और जमकर पथराव किया गया। पुलिस के कई वाहन फूंक डाले गए। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। इस बीच हालात पर काबू पाने के लिए एसपी संभल, कृष्ण बिश्नोई सड़क पर उतर आए। एक वीडियो में वह भीड़ में शामिल उपद्रवियों को समझाते हुए नजर आए। वह उनसे कह रहे हैं कि बेटा आपका भविष्य बहुत अच्छा है, नेताओं के चक्कर में अपना भविष्य बर्बाद मत करो।

वीडियो में दिख रहा है कि एसपी उपद्रवियों को समझा रहे हैं और पास में सड़क पर कई हजार ईंट-पत्थर पड़े हैं। उसी से उठाकर भीड़ ईंट फेंकती रही। बाद में कप्तान खुद भीड़ की तरफ बढ़े। बता दें कि रविवार सुबह करीब छह बजे संभल के डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई के साथ एक सर्वे टीम जामा मस्जिद पहुंची।

इस दौरान कोर्ट कमिश्नर रमेश राधव की अगुवाई में मस्जिद का सर्वे शुरू हुआ। जैसे ही मस्जिद पर सर्वे की जानकारी स्थानीय लोगों को मिली, मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में मस्जिद के बाहर जमा हो गए। मुस्लिम समाज के लोगों ने सुबह-सुबह छुट्टी के दिन सर्वे पर आपत्ति जताई। जल्द ही मस्जिद के बाहर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और नाराज भीड़ ने पुलिस को रोकने का प्रयास किया। पुलिस के समझाने के बावजूद भीड़ ने हंगामा शुरू कर दिया।

सीएम योगी ने सख्त एक्शन लेने के निर्देश दिए

पथराव के दौरान पुलिस समझाती रही, लेकिन पत्थरबाज नहीं माने। सीएम योगी ने पत्थरबाजी करने वालों पर कड़ा एक्शन लेने के निर्देश दिए हैं। वहीं डीजीपी ने कहा- पत्थर बाजी करने वालों की पहचान जा रही है। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

दो घंटे चला सर्वे, रिपोर्ट 29 नवंबर को पेश होगी

मस्जिद के अंदर सुबह 7:30 बजे से लगभग दो घंटे तक सर्वे चला। कोर्ट कमिश्नर रमेश राधव की अगुवाई में टीम ने मस्जिद के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया। सर्वे पूरा होने के बाद टीम वहां से निकल गई। इस मामले की अगली सुनवाई 29 नवंबर को होनी है, जिसमें सर्वेक्षण की प्रारंभिक रिपोर्ट कोर्ट में पेश की जाएगी।

महाराष्ट्र में महायुति सरकार

सीएम, 2 डिप्टी सीएम का फॉर्मूला तय, फडणवीस-अजित और शिंदे दिल्ली पहुंचे, आज शपथ संभव

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के रिजल्ट आने के बाद अब साफ हो गया है कि राज्य में महायुति की सरकार बनेगी। महायुति से सीएम पद के उम्मीदवार की अभी तक घोषणा नहीं हुई है।

विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो रहा है, इसलिए इससे पहले सरकार गठित होनी है। ऐसा न होने पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ेगा। सरकार का चेहरा यानी मुख्यमंत्री का नाम तय करने के लिए देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार रविवार शाम को दिल्ली रवाना होंगे। भाजपा आलाकमान के साथ मीटिंग के बाद सीएम के नाम का ऐलान हो सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, 1 मुख्यमंत्री और 2 डिप्टी सीएम का फॉर्मूला तय हुआ है। महायुति की पार्टियों में हर 6-7 विधायक पर एक मंत्री पद का फॉर्मूला भी फाइनल हुआ है। इस हिसाब से भाजपा के 22-24, शिंदे गुट के10-12 और अजित गुट के 8-10 विधायक मंत्री बन सकते हैं।

सीएम के नाम के ऐलान के बाद कल मुंबई, राजभवन में शपथग्रहण समारोह हो सकता है। सीएम शिंदे ने जीत के बाद कहा था कि चुनाव के पहले तय नहीं था कि जिसकी ज्यादा सीटें होंगी, उसका ही सीएम बनेगा। इस चुनाव में मुकाबला 6 बड़ी पार्टियों के दो गठबंधन में था। महायुति में भाजपा, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) शामिल हैं, जबकि महा विकास अघाड़ी में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और एनसीपी (शरद पवार)। 149 सीटों पर लड़ने वाली भाजपा ने सबसे ज्यादा 132 सीटें जीती हैं। गठबंधन ने 288 सीटों में से रिकॉर्ड 230 सीटें जीतीं। भाजपा का स्ट्राइक रेट 88 प्रतिशत रहा। कांग्रेस नेतृत्व वाले महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को 46 सीटें मिलीं।

केंद्रीय मंत्री का दावा- बिहार में मिली जीत से आतंक का राज खत्म

मुजफ्फरपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और जदयू के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने मुजफ्फरपुर में बड़ा राजनीतिक बयान दिया। उन्होंने बिहार में एनडीए की हालिया चुनावी जीत को आतंक के युग का अंत बताया। मंत्री ने कहा कि गया के बेलागंज जैसी सीटें (जो वर्षों से आतंक के साए में थीं) अब एनडीए की जीत से मुक्त हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए ने चार सीटों पर जीत दर्ज करके यह साबित कर दिया है कि बिहार की जनता ने पीएम नरेंद्र मोदी और एनडीए में अटूट विश्वास जताया है।

प्रशांत किशोर पर तीखा हमला :

ललन सिंह ने चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) पर कटाक्ष करते हुए उन्हें 'बाजार में दुकान लगाने वाला' बताया। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर जैसे लोग आते हैं, बाजार में अपनी दुकान लगाते हैं, थोड़ी देर जनता को भ्रमित करते हैं और फिर दुकान समेट कर चले जाते हैं। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में पीके की संभावित भूमिका पर भी तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि उनकी राजनीति टिकाऊ नहीं है।

हेमंत सोरेन 28 नवंबर को सीएम पद की शपथ लेंगे

विधायक दल के नेता चुने गए, झारखंड में लगातार दूसरी बार सीएम बनने वाले पहले नेता

रांची, 23 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में इंडिया ब्लॉक की दोबारा सरकार बनेगी। रविवार को इंडिया गठबंधन के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक सीएम आवास में हुई। इसमें हेमंत सोरेन विधायक दल के नेता चुन लिए गए। इसके बाद उन्होंने राजभवन जाकर सीएम पद से इस्तीफा दिया और नई सरकार बनाने का दावा पेश किया।

राज्य गठन के बाद पहली बार है जब सरकार रिपीट हुई है। अब तक हर चुनाव में सरकार बदल जाती थी। राजभवन के बाहर पत्रकारों के साथ बातचीत में हेमंत सोरेन ने कहा- राज्यपाल संतोष गंगवार ने कार्यवाहक सीएम नियुक्त किया है। शपथ ग्रहण समारोह 28 नवंबर को होगा। समारोह सुबह 11.30 बजे होगा।

सूत्रों के अनुसार, गठबंधन 5 विधायक पर एक मंत्री पद का फॉर्मूला तय कर सकता है। इसमें जेएमएम को 6, कांग्रेस को 1 और राजद को 1 मंत्री पद मिल सकता है। शपथ ग्रहण समारोह में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव शामिल हो सकते हैं।

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक

सरकार की अपील- विपक्ष सदन चलने दे, कांग्रेस की मांग- अदाणी मुद्दे पर चर्चा हो

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। 18वीं लोकसभा का तीसरा सत्र (शीतकालीन सत्र) 25 नवंबर से शुरू होने वाला है। इससे पहले रविवार को गृहमंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। इस दौरान कांग्रेस समेत विपक्षी नेताओं ने लोकसभा में पहले दिन अदाणी मामले पर बहस की मांग की है।

अमेरिका की न्यूयॉर्क फेडरल कोर्ट ने गौतम अदाणी सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को लगभग 2,200 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की पेशकश का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने इस मामले पर जेपीसी की मांग की है।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि उनकी पार्टी ने मणिपुर मुद्दे, प्रदूषण, रेल दुर्घटनाओं पर भी संसद में चर्चा करने का प्रस्ताव रखा है। हालांकि संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि चर्चा के मुद्दों पर फैसला कार्य मंत्रणा समिति करेगी। विपक्ष सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने दे।

संसद का शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी। सरकार ने सत्र में विचार के लिए वक्फ संशोधन विधेयक सहित 16 विधेयक की लिस्ट तैयार की है। लोकसभा बुलेटिन के मुताबिक लोकसभा में 8 और राज्यसभा में 2 विधेयक लंबित हैं। इस सत्र में कार्यवाही शुरू होने से पहले केरल और नांदेड़ सीट से उपचुनाव जीतकर आए 2 नए सांसदों को लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला शपथ दिलाएंगे।

वन नेशन वन इलेक्शन लिस्ट में शामिल नहीं :

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान 5 विधेयक जहां पेश किए जाने और पारित किए जाने के लिए लिस्ट किए गए हैं, वहीं 11 विधेयक विचार और पारित किए जाने के लिए हैं। वन नेशन वन इलेक्शन कराने के लिए प्रस्तावित विधेयकों का सेट अभी सूची का हिस्सा नहीं है, हालांकि कुछ रिपोर्टों से पता चलता है कि सरकार आगामी सत्र में प्रस्तावित कानून ला सकती है। राज्यसभा बुलेटिन में कहा गया है कि लोकसभा द्वारा पारित एक अतिरिक्त विधेयक भारतीय वायुयान विधेयक राज्यसभा में लंबित है।

संविधान दिवस पर पुरानी संसद में होगा आयोजन :

सत्र के दूसरे दिन यानी 26 नवंबर (संविधान दिवस) को संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर संविधान सदन के सेंट्रल हॉल (पुरानी संसद) में विशेष कार्यक्रम मनाया जाएगा।

राज्यपाल ने राजभवन में अपनी प्रतिमा का अनावरण किया

टीएमसी बोली- वे आत्ममुग्ध हैं

कोलकाता, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने अपने कार्यकाल के दो साल पूरे कर लिए हैं।

इस मौके पर राजभवन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें उन्होंने अपनी ही प्रतिमा का अनावरण किया, जिसके बाद बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।

कांग्रेस, सीपीआई(एम) और तृणमूल कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि जीवित व्यक्ति का अपनी ही मूर्ति का अनावरण करना कितना सही है। टीएमसी प्रवक्ता जयप्रकाश मजूमदार ने कहा, हमारे राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने अपनी खुद की प्रतिमा का अनावरण किया, यह एक अभूतपूर्व घटना है। उन्होंने यह केवल प्रचार पाने के लिए किया। लेकिन सवाल यह है कि अगला कदम क्या होगा? क्या वह अपनी ही प्रतिमा को माला पहनाएंगे? यह एक आत्ममुग्ध व्यक्ति का संकेत है।

सूत्रों के अनुसार, यह प्रतिमा राज्यपाल को कोलकाता के इंडियन म्यूजियम से जुड़े कलाकार पार्थ साहा ने उपहार में दी थी। साहा ने राज्यपाल की तस्वीर के आधार पर यह फाइबर प्रतिमा बनाई, हालांकि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से राज्यपाल से मुलाकात नहीं की थी।

वक्फ विधेयक पर आगे बढ़ेगी मोदी सरकार

सड़क से संसद तक घमासान के आसार

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों के बाद जबरदस्त जोश में आई बीजेपी अब आने वाले दिनों में वक्फ बोर्ड के मामले में तेजी से आगे बढ़ सकती है। इसका सीधा और ठोस संकेत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र की जीत के जश्न में मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि भारत के संविधान में वक्फ कानून के लिए कोई जगह नहीं है लेकिन कांग्रेस ने तुष्टिकरण के लिए कानून बनाए और सुप्रीम कोर्ट की भी परवाह नहीं की। उन्होंने कहा कि इसका उदाहरण वक्फ बोर्ड है। आने वाले सोमवार से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रहा है और इसमें वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर जबरदस्त हंगामा होने के आसार हैं क्योंकि सरकार इस सत्र में वक्फ संशोधन विधेयक को पेश करेगी। याद दिलाना होगा कि पिछले कुछ महीनों में हिंदुस्तान की सियासत में वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर अच्छा-खासा हंगामा हो चुका है। संसद से लेकर सड़क तक यह मुद्दा काफी गर्म रहा है। इस विधेयक को केंद्र सरकार की ओर से अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था लेकिन तब विपक्षी दलों के द्वारा जोरदार विरोध किए जाने के बाद इसे ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) के पास भेज दिया गया था। विपक्षी दलों के साथ ही देश भर में कई मुस्लिम संगठनों ने इस विधेयक का खुलकर विरोध किया है। मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि इस विधेयक के जरिए केंद्र सरकार वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करना चाहती है। न सिर्फ विपक्षी दलों बल्कि एनडीए में शामिल बीजेपी के सहयोगी दलों जैसे टीडीपी और जेडीयू ने भी इस विधेयक को लेकर असहमति दर्ज कराई है और कहा है कि इस मामले में सभी पक्षों के साथ चर्चा की जानी चाहिए।

3 राज्यों में बर्फबारी, 9 में घना कोहरा

एमपी-राजस्थान और छत्तीसगढ़ के 15 शहरों में तापमान लगातार दूसरे दिन 10 डिग्री से नीचे

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ अब हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में भी बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। हिमाचल के कुल्लू जिले के रोहतांग पास और अटल टनल के पास रविवार को बर्फबारी हुई।

वहीं, जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, गुलमर्ग, बांदीपोरा और लद्दाख के लेह में भी रविवार को बर्फबारी हुई। तीनों राज्यों में सोमवार को भी बर्फ गिरने का अनुमान जताया गया है। मौसम विभाग ने देश के 8 राज्यों में घना कोहरा छाने का भी अनुमान जताया है। इनमें पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली शामिल है। उत्तरी राज्यों के साथ-साथ अब मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी ठंड लगातार बढ़ रही है। एमपी और राजस्थान 7-7 स्थानों और छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में तापमान लगातार दूसरे दिन 10 डिग्री से नीचे रहा।

बर्फीली हवाओं के कारण एमपी-राजस्थान में बढ़ी सर्दी :

मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि पहाड़ों पर बर्फ पिघलने के बाद वहां से आई बर्फीली हवा और सतह से 12 किमी ऊपर चल रही सर्द हवा के कारण मध्य प्रदेश और राजस्थान में ठंड पड़ रही है। अगले दो-तीन दिन और ऐसी ठंड से राहत के आसार नहीं है। जिन इलाकों में तापमान 10 डिग्री से नीचे है, वहां ठंड का दौर जारी रहेगा।

नॉर्थ ईस्ट में तेज बारिश, दक्षिण में सर्दी कम :

मौसम विभाग ने कहा है कि नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में तेज बारिश का दौर अभी जारी रहेगा।

शुक्रवार को असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बिजली गिरने के साथ तेज हवा और तेज बारिश का अनुमान है।

नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

इजरायल में भी भ्रष्टाचार का मुकदमा, बुरे फंसे प्रधानमंत्री, भविष्य पर खड़े हुए सवाल

तेल अवीव, 24 नवंबर (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू फिलहाल एक मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। उन पर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय, दोनों स्तर पर कानूनी मामले चल रहे हैं। एक तरफ अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने गुरुवार को नेतन्याहू के खिलाफ गाजा में युद्ध अपराध के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। वहीं दूसरी ओर नेतन्याहू को इजरायल में भी भ्रष्टाचार के एक मुकदमे में गवाही देनी है। दोनों ही मामले उनके लिए मुश्किल खड़ी कर रहे हैं।

ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू के खिलाफ इजरायल में लंबे समय से भ्रष्टाचार का मामला चल रहा है। दोषी पाए जाने पर उनके राजनीतिक करियर का खात्मा हो सकता है। आईसीसी के मुकदमे पर नेतन्याहू को देश में समर्थन मिलता दिख रहा है लेकिन भ्रष्टाचार के मामले में सफाई के बावजूद जनता की राय उन पर बंटी हुई है।

यरूशलम के हिब्रू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर योनातन फ्रीमैन का कहना है कि इजरायल के लोग नाराज हो जाते हैं, जब उन्हें लगता है कि दुनिया उनके खिलाफ है। आईसीसी के फैसले में भी ऐसा ही महसूस किया गया है। इसकी वजह ये है कि इजरायलियों का ध्यान सिर्फ अपने नुकसान पर है। उनको गाजा में अपने बंधकों की फिक्र किसी दूसरी चीज से ज्यादा है। नेतन्याहू को आईसीसी कार्रवाई को लेकर घर में समर्थन मिला है लेकिन भ्रष्टाचार के मामले में ऐसा नहीं है, जहां उन पर रिश्वतखोरी, विश्वासघात और धोखाधड़ी जैसे आरोप है।

नेतन्याहू के खिलाफ भ्रष्टाचार का यह मुकदमा साल 2020 में शुरू हुआ था। इसमें नेतन्याहू को अगले महीने गवाह के तौर पर बयान दर्ज करना है। वह पिछले साल इस केस में गवाही देने वाले थे लेकिन युद्ध के कारण तारीख आगे बढ़ा दी गई थी। इस बार अदालत ने तरीख आगे नहीं बढ़ाई है। ऐसे में इस मामले में अदालत का फैसला अब जल्दी ही आ सकता है। नेतन्याहू के खिलाफ फैसला आया तो उनके लिए मुश्किल बन सकता है।

बेंजामिन नेतन्याहू को घर के बाहर आईसीसी वारंट के चलते मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। इस वारंट का मतलब यह भी है कि अगर वह अदालत के 124 हस्ताक्षरकर्ता देशों में जाते हैं, तो उन्हें गिरफ्तारी भी किया जा सकता है। इनमें से ज्यादातर यूरोप के देश शामिल है।

सोनिया व राहुल शिमला से लेते रहे नतीजों का फीडबैक, सीएम सुक्खू ने दी प्रियंका गांधी को बधाई

शिमला, 24 नवंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को राजधानी शिमला के समीप छराबड़ा से महाराष्ट्र और झारखंड सहित कई राज्यों में हुए उपचुनाव के नतीजों का पल पल फीडबैक लेते रहे। वायनाड लोकसभा सीट पर प्रियंका गांधी की जीत के बाद दोनों नेताओं ने उन्हें फोन पर बधाई दी। दोनों ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष से भी फोन पर बात की। सोनिया और राहुल गांधी बीते दिन शुक्रवार को प्रियंका गांधी के घर छराबड़ा पहुंचे हैं। यह इनका निजी दौरा है। इस दौरान वह किसी भी नेताओं से मुलाकात नहीं करेंगे। रविवार को भी दोनों के छराबड़ा में रुकने की संभावना है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने प्रियंका गांधी को वायनाड़ उपचुनाव में जीत के लिए बधाई दी। कहा कि उनकी रिकॉर्ड जीत मील का पत्थर है। इससे कांग्रेस पार्टी को और मजबूती मिलेगी। सीएम ने झारखंड विस चुनाव में जीत के लिए वरिष्ठ नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को भी बधाई दी। कहा कि यह उनकी लगन और मेहनत का परिणाम है।

पीएम मोदी ने युवाओं से की एनसीसी से जुड़ने की अपील

विदेश में बसे भारतीयों की भी तारीफ की

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने आज 'मन की बात' कार्यक्रम के 116वें एपिसोड को संबोधित किया। इसमें पीएम मोदी ने युवाओं से एनसीसी से जुड़ने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'आज एनसीसी दिवस है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं खुद एनसीसी का कैडेट रहा हूं और इसके अनुभव मेरे लिए अनमोल हैं। एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सेवा की भावना पैदा करती है। देश में कहीं भी आपदा होने पर एनसीसी कैडेट आगे बढ़कर मदद करते हैं।'

युवा दिवस पर यंग लीडर्स डायलॉग का होगा आयोजन

प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि 'हर साल 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर देश युवा दिवस मनाता है। अगले साल स्वामी विवेकानंद की 162वीं जयंती है। इसे खास तरीके से मनाया जाएगा और 11-12 जनवरी को दिल्ली में भारत मंडपम में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का आयोजन किया जाएगा।'

पीएम मोदी ने कहा कि 'मैंने लाल किले की प्राचीर से ऐसे युवाओं से राजनीति में आने का आहवान किया है, जिनके परिवार का कोई भी व्यक्ति राजनीति में नहीं है, ऐसे एक लाख युवाओं को, नए युवाओं को, राजनीति से जोड़ने के लिए देश में कई तरह के विशेष अभियान चलेंगे।' प्रधानमंत्री ने लखनऊ के रहने वाले वीरेंद्र की तारीफ की, जो बुजुर्गलों के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट में मदद कर रहे हैं। इससे बुजुर्गों को पेंशन लेने में मदद मिली है। इसी तरह भोपाल के महेश की तारीफ की, जो बुजुर्गों को मोबाइल के माध्यम से पेमेंट करना सिखा रहे हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री ने चेन्नई की प्रकृत अरिवगम और बिहार के गोपालगंज की प्रयोग लाइब्रेरी की चर्चा की, जो बच्चों में पढ़ने और सीखने की आदत विकसित कर रही हैं।

विदेश में रह रहे भारतीयों की तारीफ की

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में कैरेबियाई देशों का दौरा किया था। मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि कैरेबियाई देश गुयाना में भी मिनी भारत बसता है। भारत से सैंकड़ों वर्षों पहले लोगों को खेती, मजदूरी के लिए गुयाना ले जाया गया था और आज वहां भारतीय मूल के लोग राजनीति, व्यापार, शिक्षा और संस्कृति के हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रहे हैं। गुयाना की तरह ही दुनिया के कई देशों में भारतीय गए और उन्होंने वहां अपनी पहचान बनाई। ओमान में भी कई भारतीय शताब्दियों से रह रहे हैं और व्यापार जगत में अपनी जगह बनाई। आज वे ओमान के नागरिक हैं, लेकिन उनकी रग-रग में भारतीयता बसी है।

सामाजिक समूहों को सराहा

प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का भी जिक्र किया और कहा कि इस अभियान के तहत पांच महीने में ही 100 करोड़ पेड़ लगाए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ने चेन्नई के कूडुगल ट्रस्ट का जिक्र किया जो गौरेया चिड़िया की आबादी बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। यह चिड़िया हमारे आसपास बायोडायवर्सिटी बनाए रखने में अहम है। साथ ही प्रधानमंत्री ने कचरा प्रबंधन के लिए शुरू हुए इनोवेशन की भी तारीफ की और मुंबई की दो युवतियों का जिक्र किया, जो कतरन से फैशनेबल कपड़े बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसे ही कई एनजीओ और सामाजिक समूहों का जिक्र किया, जो देश के विकास के लिए काम कर रहे हैं।

मणिपुर में विधायकों के घरों में हुई थी तोड़फोड़ और आगजनी, मामले में 7 और गिरफ्तार

इंफाल, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर की इंफाल घाटी में 16 नवंबर को विधायकों के आवासों पर हुई तोड़फोड़ और आगजनी की घटना में शामिल होने के आरोप में 7 और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना के बाद पुलिस ने कुल 41 लोगों को गिरफ्तार किया है। काकचिंग जिले से शुक्रवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया और अब तक इस मामले में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या 41 तक हो गई है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन। बीरेन सिंह ने शुक्रवार को कहा कि 16 नवंबर को प्रदर्शन के दौरान मंत्रियों और विधायकों की संपत्तियों को लूटने में शामिल संदिग्धों की पहचान की जा चुकी है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी के जरिए संदिग्धों की पहचान की गई और कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, लोकतांत्रिक आंदोलन के नाम पर कुछ गिरोहों ने मंत्रियों और विधायकों के घरों में लूटपाट और आगजनी की। मुझे यह कहते हुए शर्म आती है कि मणिपुर में ऐसी घटनाएं हो रही हैं। बीते दिनों एक खबर आई थी कि मणिपुर के एक मंत्री ने भीड़ के हमले से बचने के लिए इंफाल पूर्वी जिले में स्थित अपने पैतृक घर के चारों ओर कांटेदार तार की बाड़ और लोहे का जाल तैयार करवाया है। साथ ही सुरक्षाबलों के लिए अस्थायी बकंर की भी व्यवस्था की है। मणिपुर के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री एल। सुसिंद्रो मेइती के खुरई स्थित पैतृक घर पर 16 नवंबर को भीड़ ने हमला कर दिया था। मंत्री ने बताया कि पिछले साल 3 मई को हुए हमले के बाद से तीसरी बार 16 नवंबर को उनकी संपत्तियों पर हमला किया गया। गुस्साई भीड़ ने 16 नवंबर को कई विधायकों के घरों में तोड़फोड़ की थी। इस घटना का जिक्र करते हुए सुसिंद्रो ने बताया, मैं उस दिन घर में मौजूद नहीं था। दोपहर के वक्त बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष आए और मेरे परिवार के सदस्यों ने उनसे बात की जिसके बाद वे चले गए।

नाइट हाउस पार्टी में शराब और डांस बार,पुलिस ने मारा छापा 57 युवक-युवतियां पकड़े

देहरादून, 24 नवंबर (एजेंसियां)। देहरादून के गजियावाला डांडा गांव स्थित एक पार्टी हॉल में देर रात पुलिस और आबकारी विभाग ने छापा मारा। इस दौरान टीम ने अवैध रूप से चल रहा बार और डांस क्लब पकड़ा। वहीं, 40 युवकों और 17 युवतियों को भी पकड़ा। साथ ही इनका चालान भी किया गया। उधर, अवैध बार चलाने के आरोप में मुख्य अभियुक्त रजनी केसवाल समेत पांच लोगों पर आबकारी अधिनियम के तहत नामजद मुकदमा भी दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, एसएसपी को अवैध रूप से संचालित पार्टी की गोपनीय सूचना मिली थी। बताया गया था कि इसमें शराब भी परोसी जाएगी। जिसके बाद देर रात एसएसी और टीम के साथ एक निजी आवास पर छापा मार दिया।

बीजेपी की हार पर बोले सीएम सरमा- हम कोशिश करते रहेंगे

जेएमएम सरकार से घुसपैठियों की पहचान करने का अनुरोध

गुवाहाटी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने झारखंड में सत्ता बरकरार रखने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले गठबंधन से पूर्वी राज्य से घुसपैठियों की पहचान करने का आग्रह किया। साथ ही इन घुसपैठियों को निर्वासित करने के अपने संवैधानिक कर्तव्य का पालन करने का भी अनुरोध किया। झारखंड चुनाव में भाजपा के सह प्रभारी रहे सरमा ने पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों से भी विधानसभा में घुसपैठ का मुद्दा उठाने का आह्वान किया और कहा कि अवैध प्रवासी पूर्वी राज्य के लिए गंभीर खतरा हैं। देर रात फेसबुक लाइव में सीएम सरमा ने कहा, 'मुझे अब भी विश्वास है कि घुसपैठ की समस्या आने वाले दिनों में झारखंड को बहुत नुकसान पहुंचाएगी। यह आपकी (झामुमो) सरकार है और मैं आपसे इन घुसपैठियों को बाहर निकालने या कम से कम उनकी पहचान करने की अपील करता हूं। यह आपका संवैधानिक कर्तव्य है। मुझे विश्वास है कि झारखंड सरकार यह जिम्मेदारी निभाएगी।' सरमा ने नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों से विपक्ष के रूप में अपना कर्तव्य निभाने और विधानसभा में घुसपैठ का मुद्दा उठाने की भी अपील की। गौरतलब है, झारखंड में हेमंत सोरेन की अगुवाई वाले गठबंधन ने शनिवार को लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल करते हुए 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीटें जीतीं। झारखंड में भाजपा की हार पर असम के सीएम ने कहा, 'जो भी कारण हो, हम अपना लक्ष्य हासिल नहीं कर सके। इसका मतलब यह नहीं है कि हमें कोशिश करते नहीं रहना चाहिए। जब भी हम किसी चीज में असफल होते हैं, तो असफल प्रयास भविष्य की सफलता की नींव का काम करता है।' पिछले चार महीनों में झारखंड में अपने समय को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने राज्य में बहुत समय बिताया लेकिन अपने लक्ष्य में असफल रहा। लेकिन मैं आपके प्यार को हमेशा याद रखूंगा। मैं सभी प्यार और समर्थन के लिए आभारी हूं।'

एमवीए की हार के बाद उद्धव ठाकरे के लिए अब क्या हैं चुनौतियां?

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव नतीजे काफी चकित करने वाले रहे हैं। प्रदेश में बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को मिली प्रचंड जीत ने विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में शामिल पार्टियों को चारों खाने चित कर दिया है। इन सबके बीच, बीजेपी के लंबे वक्त तक साथी रहे उद्धव ठाकरे के लिए एक नया संकट आ खड़ा हुआ है। शिवसेना-यूबीटी ने इस चुनाव में 95 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन सिर्फ 20 सीटें ही जीत सकी। यह नतीजे उनके लिए एक तगड़ा झटका देने वाला है।

उद्धव ठाकरे की बढ़ीं मुश्किलें

दरअसल, मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए से नाता तोड़ने के बाद उद्धव ठाकरे ना लंबे समय तक सीएम पद पर बने रह सके और ना ही अपनी पार्टी को पूरी तरह से बचा पाए। विधानसभा चुनाव में एकनाथ शिंदे द्वारा की गई बगावत ने शिवसेना को तोड़ डाला, जिससे पार्टी

का मूल ढांचा कमजोर हो गया। शरद पवार की तरह ही उद्धव ठाकरे को भी अपनी मूल पार्टी से हाथ धोना पड़ा।

प्रदर्शन पर क्या बोले ठाकरे?

हालांकि, लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन की सफलता के बाद उद्धव ठाकरे आत्मविश्वास से भरे थे, लेकिन विधानसभा चुनाव में यह आत्मविश्वास निराशा में बदल गया। महा विकास अघाड़ी और अपनी पार्टी के इस निराशाजनक प्रदर्शन को लेकर उद्धव ठाकरे ने कहा, मैं नहीं समझ पा रहा हूं कि जिन मतदाताओं ने केवल पांच महीने पहले लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन को हराया था, उनका मन अचानक कैसे बदल गया।

पार्टी के अस्तित्व पर संकट

ऐसे में अब उद्धव ठाकरे के लिए किंगमेकर की भूमिका भी संभव नहीं दिख रही। उन्हें अपने गुट को फिर से मजबूत करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ेगी, क्योंकि शिवसेना का जो अस्तित्व बालासहब ठाकरे के संघर्ष के बाद खड़ा हुआ था, वह अब संकट में है। उद्धव ठाकरे को पार्टी को नए सिरे से खड़ा करने की दिशा में काम करना होगा, जो उनके लिए एक बड़ी चुनौती साबित होगी।

गुजरात से इंदौर आई 6 साल की बच्ची लापता

इंदौर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। माता-पिता के साथ गुजरात से इंदौर के राजेन्द्र नगर आई 6 साल की बच्ची लापता हो गई। परिवार रात थाने पहुंचा। यहां जानकारी के बाद पुलिस और परिवार बच्ची की तलाश में जुट गया है। बच्ची बोल नही पाती। बताया जा रहा है कि बच्ची मानसिक रूप से थोड़ी कमजोर है और बोलने में असमर्थ है। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम राजेन्द्र नगर थाने पर जीवन मीणा और उनके परिवार के लोग पहुंचे थे। उन्होंने यहां 6 साल की बेटी लक्षिका की गुमशुदगी दर्ज कराई है। जीवन ने बताया कि वह गुजरात के सुरेन्द्र नगर में फार्मा कंपनी में काम करते हैं। पत्नी और दो बच्चों को लेकर शिव सागर कॉलोनी में रहने वाले माता-पिता से मिलने इंदौर आए थे। दोपहर में पत्नी शालिनी मीणा नजदीक ही स्थित एक ब्यूटी पार्लर गई थी। पत्नी कॉल करने पर बेटी को बाल कटवाने के लिए भेजने का कहकर गई थी। दोपहर करीब 1 बजकर 35 मिनट पर पत्नी शालिनी का कॉल आया कि बेटी को भेज दो। उस समय जीवन खाना खा रहा था। उसने चचेरे भाई ऋषि से लक्षिका को उसकी मम्मी के पास छोड़ कर आने के लिए कहा। ऋषि ने लक्षिका को साथ ले जाने के लिए ढूंढा, लेकिन वो नहीं मिली।

प्रेम मंदिर के संस्थापक कृपालु महाराज की बेटी की सड़क हादसे में मौत, दो बेटियों की हालत गंभीर

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। यमुना एक्सप्रेसवे पर दनकौर कोतवाली क्षेत्र में आज रविवार (24 नवंबर) की सुबह हुए सड़क हादसे में प्रेम मंदिर के संस्थापक जगतगुरु कृपालु महाराज की बेटी की मौत हुई है और दो बेटियां गंभीर रूप से घायल हैं। यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए इस दर्दनाक हादसे में जगतगुरु कृपालु महाराज जी की बड़ी बेटी डॉक्टर विशाखा त्रिपाठी की मौत हो गई। वहीं दो बेटियों डॉक्टर कृष्ण त्रिपाठी और डॉक्टर श्याम त्रिपाठी की हालत गंभीर है। इस हादसे में इनके अलावा अन्य लोग भी घायल हुए हैं, तीनो बहन रविवार को सुबह सिंगापुर जाने के लिए फ्लाइट पकड़ने एयरपोर्ट जा रही थीं तभी यह हादसा हुआ। तेज गति से आ रहे है कैंटर और दो कार में भीषण टक्कर हो गई। इस टक्कर से कारों के परखच्चे उड़ गए और कार सवार छह

महिलाओं समेत आठ लोग घायल हो गए। थाना पुलिस के मुताबिक दनकौर इलाके से गुजर रही यमुना एक्सप्रेसवे पर 8 किलोमीटर के माइल स्टोन के पास आगरा से नोएडा की तरफ जाने वाले रास्ते पर अशोक लीलैंड कैंटर ने इनोवा हाय क्रॉस और टोयोटा केमरी को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में कार में सवार दीपक, हंसा पटेल, कश्मीरा पटेल, जानूका खडका, संजय मलिक, विशाखा त्रिपाठी, श्यामा त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिनमें पांच की स्थिति गंभीर है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटा दिया है। उसके बाद से एक्सप्रेसवे पर यातायात सामान्य है।

पालम में दलाल चला रहा था देह व्यापार का धंधा

पुलिस ने छापा मारकर दबोचा दो महिलाओं को भी बचाया

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस ने पालम इलाके में चल रहे वेश्यावृत्ति रैकेट का खुलासा किया है। पुलिस ने यहां से एक दलाल को गिरफ्तार कर दो महिलाओं को बचाया है। पुलिस ने दलाल के कब्जे से नकली ग्राहक से मिले दो हजार रुपये बरामद किए हैं। आरोपी की पहचान महावीर एन्क्लेव निवासी लिटन मजूमदार के रूप में हुई है। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस को पालम इलाके में वेश्यावृत्ति गतिविधि चलने की जानकारी मिली। अधिकारियों ने जिला के स्पेशल स्टाफ को अपराध पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षक नरेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में एक पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने धंधे के बारे में जानकारी हासिल की। पुलिस ने धंधे की जगह और इससे जुड़े लोगों की पहचान की। आरोपी के बारे में सूचना मिलने के बाद 22 नवंबर को पुलिस टीम महावीर एन्क्लेव स्थित एक मकान पर पहुंची। टीम में शामिल पुलिसकर्मियों में से एक को नकली ग्राहक बनाकर मकान के अंदर भेजा गया। नकली ग्राहक ने दलाल के जरिए दो हजार रुपये में सौदा तय किया। उसे दलाल ने दो महिलाओं को दिखाया। सौदा तय होने के बाद ग्राहक बने पुलिसकर्मी ने मकान के बाहर मौजूद अपनी टीम को इशारा कर दिया। पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा। पुलिस ने

वहां से दलाल लिटन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने वहां से 23 और 29 साल की दो महिलाओं को बचाया। जिसके जरिए दलाल वेश्यावृति का रैकेट चला रहा था। पुलिस ने दलाल के खिलाफ पालम थाने में मामला दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी है।

इतिहास चंद्रचूड़ साहब को कभी माफ नहीं करेगा

संजय राउत ने पूर्व सीजेआई को ठहराया महाराष्ट्र की हार का जिम्मेदार

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आ चुके हैं। चुनाव में बीजेपी ने 132 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत हासिल की तो वहीं, शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट 20 सीटों पर ही सिमट गया। उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने पार्टी की हार के बाद, पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को हार का जिम्मेदार ठहराया। साथ ही उन्होंने कहा, महाराष्ट्र का जो चुनाव हुआ और जो नतीजे आए हैं वो बहुत ही चौंकाने वाले रहे हैं। ऐसे नतीजे आने की उम्मीद किसी को नहीं थी। संजय राउत ने आगे कहा, नरेंद्र मोदी और अमित शाह को महाराष्ट्र क्यों वोट देगा, पूरा अभियान उनके खिलाफ चला। उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने यहां का सारा उद्योग गुजरात में शिफ्ट कर दिया, तो लोग यहां पर क्यों उनको वोट देंगे। उन्होंने आगे कहा, महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या चल रही है, यहां पर बेईमानी हो गई। यह जो नतीजे आए हैं उसके लिए कोई जिम्मेदार होगा तो वो जस्टिस चंद्रचूण हैं। पूर्व सीजेआई को लेकर संजय राउत ने कहा, उन्होंने अयोग्यता के बारे में समय पर अपना निर्णय नहीं दिया। 40 लोगों ने बेईमानी की, 40 विधायक जिस पार्टी से चुन कर आए थे उस पार्टी को छोड़ कर दूसरी पार्टी में जाकर सत्ता में बैठ गए, आपकी (जस्टिस चंद्रचूड़) जिम्मेदारी थी, आप संविधान के रक्षक थे। आपने अगर निर्णय दिया होता तो यह हिम्मत आगे कोई नहीं करता, आप आज भी वो खिड़की-दरवाजे खुले रख कर वहां से रिटायर हो गए, अब कोई भी किसी तरह से पार्टी बदल सकता है या अपनी पार्टी को छोड़ कर दूसरी पार्टी बना सकता है। इतिहास चंद्रचूण साहब को कभी माफ नहीं करेगा। साल 2022 में उद्धव ठाकरे की शिवसेना से एकनाथ शिंदे कई विधायकों को लेकर अलग हो गए थे और उन्होंने बीजेपी के साथ जाकर सरकार बना ली थी। इसी के बाद इस मामले को लेकर उद्धव ठाकरे ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने की जिम्मेदारी विधानसभा स्पीकर पर डाल दी थी। बाद में स्पीकर राहुल नार्वेकर ने शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को असली शिवसेना घोषित कर दिया था। उद्धव ठाकरे की शिवसेना से बगावत करके एकनाथ शिंदे बीजेपी से हाथ मिलाकर सीएम की कुर्सी पर काबिज हो गए थे। महाराष्ट्र की 288 सीटों पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे) गुट ने महाविकास अघाड़ी गठबंधन के तहत 95 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें वो सिर्फ 20 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब हुई। दूसरी तरफ गठबंधन पार्टी कांग्रेस ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उसमें उन्होंने 16 सीटों पर जीत हासिल की और एनसीपी (एसपी) ने 86 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्होंने 10 सीटों पर फतह हासिल की। वहीं, महायुति में बीजेपी ने 132, शिंदे गुट ने 57, अजित पवार गुट ने 41 सीट हासिल की। संजय राउत ने हार के बाद कहा, हम दुखी है, लेकिन निराश नहीं है। हम लड़ाई को अधूरा नहीं छोड़ेंगे। वोटों का बटवारा भी हार का एक फैक्टर था और आरएसएस ने चुनाव में काफी अहम रोल निभाया। साथ ही उन्होंने कहा, नई सरकार को पड़ोसी राज्य गुजरात में जाकर शपथ ग्रहण समारोह करना चाहिए।

चार महीने से अटका है जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार के मरम्मत का काम, अब मंदिर प्रशासन ने किया ये अनुरोध

पुरी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। श्री जगन्नाथ मंदिर के 12वीं शताब्दी के रत्न भंडार (खजाने) के मरम्मत का काम करीब चार महीने से अटका हुआ है। ऐसे में जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे रत्न भंडार की मरम्मत, रखरखाव और संरक्षण का कार्य तुरंत शुरू करें। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने कहा कि मंदिर प्रशासन रत्न भंडार की मरम्मत और रखरखाव में एएसआई की हर संभव मदद करेगा। उन्होंने कहा, 'हमें एएसआई द्वारा किए गए रत्न भंडार के जीपीआर-जीपीएस सर्वेक्षण की रिपोर्ट मिली है। एसजेटीए ने हमेशा मंदिर की स्थिरता और सुरक्षा के बारे में सावधानी बरती है। आगे भी जारी रखेंगे।' इससे पहले, एएसआई ने हैदराबाद स्थित एनजीआरआई (नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट) की सहायता से 12वीं शताब्दी के मंदिर के रत्न भंडार का जीपीआर-जीपीएस सर्वेक्षण किया था। पाधी ने कहा कि एएसआई ने सर्वेक्षण पर 45 पन्नों की रिपोर्ट दी है। इसमें रत्न भंडार की मंजिल और दीवार को हुए नुकसान के संकेत मिले हैं। हालांकि, रिपोर्ट पर हमारी टीम द्वारा आगे अध्ययन किया जाना चाहिए। अधिकारियों ने कहा कि रत्न भंडार को 46 साल बाद जुलाई में मूल्यवान वस्तुओं की सूची और इसकी संरचना की मरम्मत के लिए फिर से खोला गया था। चार धामों में से एक जगन्नाथ मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में हुआ था। इस मंदिर में एक रत्न भंडार है। इसी रत्न भंडार में जगन्नाथ मंदिर के तीनों देवताओं जगन्नाथ, बालभद्र और सुभद्रा के गहने रखे गए हैं। रत्न भंडार को अंतिम बार 14 जुलाई 1985 में खोला गया था। इसके बाद रत्न भंडार कभी नहीं खुला और उसकी चाबी भी गायब थी। इस पर भी काफी बवाल हुआ था। 1978 में खजाने के सामानों की आखिरी लिस्ट बनाई गई थी। 70 दिनों में यह काम पूरा हुआ था। 13 मई 1978 से 23 जुलाई 1978 तक लगातार यह काम काम चलता रहा था। भंडार से सोना, चांदी, हीरा, मूंगा और अन्य आभूषण मिले थे। भीतरी भंडार में 367 सोने के गहने मिले थे। इनका वजन 4,360 भारी का था। यहीं से 231 चांदी के सामान मिले। इनका वजन 14,828 भारी था। बाहरी भंडार में 87 सोने के गहने मिले। इनका वजन 8,470 भारी था। यहीं से 62 चांदी के सामान मिले। इनका वजन 7,321 भारी था। एक भारी या तोला करीब 12 ग्राम का होता है। 2021 में तत्कालीन कानून मंत्री प्रताप जेना ने विधानसभा को बताया कि जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 1978 में खोला गया था। तब 12,831 भारी सोने और अन्य कीमती धातु और 22,153 भारी चांदी यहां से मिला था। 14 सोने और चांदी की वस्तुओं का वजन नहीं किया जा सका। इसके साथ ही किसी भी सामान या गहने का मूल्य निर्धारित नहीं किया गया।

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता संकट, एक्यूआई 400 पार

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण के स्तर ने चिंता बढ़ा दी है। रविवार सुबह 7:30 बजे तक राजधानी दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 366 अंक पर पहुंच गया था, जो कि गंभीर श्रेणी में आता है। इसके अलावा, दिल्ली एनसीआर के अन्य प्रमुख शहरों में भी प्रदूषण का स्तर चिंताजनक स्थिति में रहा। दिल्ली से सटे शहरों की बात करें तो फरीदाबाद में एक्यूआई 309, गुरुग्राम में 240, गाजियाबाद में 312, ग्रेटर नोएडा में 304 और नोएडा में 309 अंक रहा। ये सभी शहर भी खराब श्रेणी में आते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे का संकेत देते हैं। दिल्ली के आठ प्रमुख इलाकों में एक्यूआई का स्तर 400 के ऊपर और 500 तक पहुंच गया है। अलीपुर में 410, आनंद विहार में 412, नेहरू नगर में 408, विवेक विहार में 404, वजीरपुर में 409 अंक दर्ज किए गए हैं। इन इलाकों में हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में है, जो सीधे तौर पर नागरिकों की सेहत पर प्रतिकूल असर डाल सकती है। इसके अलावा, दिल्ली के कई अन्य क्षेत्रों में भी प्रदूषण का स्तर काफी उच्च है। अशोक विहार में 392, आया नगर में 313, बुराड़ी क्रॉसिंग में 362, चांदनी चौक में 353, मथुरा रोड में 354, डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में 356, द्वारका सेक्टर 8 में 400, आईजीआई एयरपोर्ट में 327, दिलशाद गार्डन में 380, आईटीओ में 320, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 340, लोधी रोड में 302, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 372, मंदिर मार्ग में 328, नजफगढ़ में 319, नॉर्थ कैंपस डीयू में 348, एनएसआईटी द्वारका में 319, ओखला फेस 2 में 371, पटपड़गंज में 388, पंजाबी बाग में 370, पूषा में 327, आरके पुरम में 373, रोहिणी में 382, शादीपुर में 385, सिरी फोर्ट में 357, श्री अरविंदो मार्ग में 340 अंक दर्ज किए गए हैं। राजधानी और उसके आसपास के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई 300 से ऊपर है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 25 नवंबर, 2024

मेरा हैदराबाद

सुविचार
सब्र और सहनशीलता
कोई कमजोरियां नहीं
होती हैं ये वो ताकत है
जो सब में नहीं होती हैं !

अधिकार के लिए एकजुट होने की जरूरत : पोन्नम

कार्तिकमास वनभोजन आत्मीय सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, उप्पल भगायत में देवंगा ग्लोबल सेंटर, देवंगा वेलफेयर एसोसिएशन में कार्तिकमास वनभोजन आत्मीय सम्मेलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे।

इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि देवांग कुला के आध्यात्मिक सहयोग के माध्यम से सभी को एक-दूसरे से मिलना और भविष्य में व्यक्तिगत रूप से आर्थिक रूप से विकसित होना बहुत उपयोगी होगा। ये बैठकें समुदाय के नाम पर एकजुट होने में बहुत सहायक होती हैं। प्रतिस्पर्धी दुनिया में जीवित रहने के लिए व्यक्ति को सभी पहलुओं के बारे में जागरूक होना चाहिए। रोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए प्रतिस्पर्धी दुनिया में निर्माण और प्रशिक्षण एक सामाजिक-राजनीतिक कौशल बन सकता है। तेलंगाना सरकार कमजोर वर्गों के साथ कितनी बराबरी कर रही है, इसका पता लगाने के लिए जाति सर्वेक्षण कराया जाएगा।जाति सर्वेक्षण में सूचना संग्रहण के दौरान यदि अधिकारी आपके पास नहीं आता है तो उसे फोन कर जानकारी दें। हमें अपने अधिकार के लिए एकजुट होने की जरूरत है।

तेलंगाना राज्य कम्पास की तरह देश का सर्वेक्षण करता है। कमजोर समुदायों के मंत्री के रूप में, यह समझ है कि तेलंगाना आंदोलनों में कमजोर समुदायों के आंदोलन शामिल हैं। राज्य की वित्तीय स्थिति को देखते हुए पहला वर्ष कुछ कठिन था। आपकी इमारतें अगले साल पूरी हो जाएंगी।

आपको अपने उन बच्चों को अच्छी शिक्षा देनी चाहिए जो एक वक्त का खाना नहीं खाते। उन्हें पढ़ाई के लिए उचित समय और अच्छे अवसर दिये जाने चाहिए। बदलती प्रतिस्पर्धी दुनिया में जातिगत व्यवसाय बदल रहे हैं, हमें भी बदलना होगा। सरकार में मंत्री होने के नाते हमारा सहयोग सदैव रहेगा।

कार्तिक मास वनभोजन हमारी एकता और हमारी ताकत को दिखाने के लिए बहुत उपयोगी है।

शादनगर में ट्रक ने आरटीसी बस को मारी टक्कर, 5 घायल

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के शादनगर में शनिवार रात एक ट्रक ने आरटीसी बस को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे पांच लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, टीएसआरटीसी की बस हैदराबाद से आत्मकुर जा रही थी, जब रायकल टोल प्लाजा पर पहुंची तो बस चालक बस को पीछे ले जा रहा था। ट्रक चालक को इस बात का अहसास नहीं हुआ और उसने ट्रक को पीछे से बस में टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री रेवंत आज दिल्ली जाएंगे

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी एक बार फिर नई दिल्ली जाएंगे। सोमवार को वे राष्ट्रीय राजधानी जाएंगे और कांग्रेस आलाकमान के नेताओं से मुलाकात करेंगे। राज्य सरकार तेलंगाना में सत्ता में एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में 1 से 9 दिसंबर तक प्रजा पालना विजयोत्सव के भव्य समारोह की तैयारी कर रही है, ऐसे में मुख्यमंत्री इस समारोह के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को आमंत्रित करेंगे। इसके अलावा, 7 दिसंबर को सचिवालय परिसर में तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। तेलंगाना तल्ली प्रतिमा के अनावरण के लिए दिल्ली के नेताओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री मंत्रिमंडल विस्तार और मनोनीत पदों पर चर्चा कर सकते हैं।

स्थानीय निकाय चुनावों में बीआरएस के लिए संघर्ष करें : कविता

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी की एमएलसी कविता ने आज दावा किया कि भारत के इतिहास में ऐसी कोई सरकार नहीं रही, जिसने सत्ता में आने के 10 महीने के भीतर इतना सार्वजनिक विरोध देखा हो, जितना तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार ने देखा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विधायक पद से इस्तीफा दिए बिना पाला बदलने वाले पार्टी नेताओं को लोग माफ नहीं करेंगे। एमएलसी कविता ने शहर के बंजारा हिल्स स्थित अपने आवास पर जगतियाल निर्वाचन क्षेत्र के नेताओं के साथ बैठक की। उन्होंने सोमवार को सुबह 11 बजे जाति जनगणना आयोग को रिपोर्ट सौंपने से पहले बीसी समुदायों के नेताओं के साथ भी बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जगतियाल से उनका आध्यात्मिक रिश्ता है। उन्होंने याद दिलाया कि भले ही वे 2014 में निजामाबाद से सांसद के रूप में जीती थीं और पार्टी के बागी विधायक संजय कुमार जगतियाल विधायक के रूप में हार गए थे, लेकिन उनके पार्टी अध्यक्ष केसीआर ने उन्हें निर्देश दिए थे कि वे किसी भी पार्टी से हों, तेलंगाना का विकास करें और जगतियाल को विकास में पीछे नहीं रहना चाहिए, भले ही कांग्रेस पार्टी का विधायक हो। उन्होंने कहा कि केसीआर कहते थे कि जैसे ही तेलंगाना राज्य बनेगा, छोटे जिले बनाए जाने चाहिए क्योंकि छोटे जिलों से अधिक विकास होगा और गांवों के हर गरीब व्यक्ति को तेलंगाना का परिणाम मिलेगा। एमएलसी कविता ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद केसीआर ने जगतियाल जिला बनाया और कहा कि हैदराबाद के बाद, जगतियाल को बड़ी संख्या में 4,500 डबल बेडरूम वाले घर आवंटित किए गए। उन्होंने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेतृत्व को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। एमएलसी कविता ने इच्छा जताई कि स्थानीय निकाय चुनावों में, इस तथ्य के बावजूद कि विधायक ने पक्ष बदल लिया है, गांवों में गुलाबी झंडा फहराया जाना चाहिए।

तेलंगाना धान की रिकॉर्ड खरीद करेगा : उत्तम

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति और सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में रिकॉर्ड धान उत्पादन के साथ, नागरिक आपूर्ति विभाग धान की रिकॉर्ड खरीद करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि कालेश्वरम परियोजना के बंद रहने के बावजूद, राज्य ने 40 लाख किसानों द्वारा खेती की गई 66.07 लाख एकड़ भूमि से 153 लाख मीट्रिक टन का ऐतिहासिक धान उत्पादन हासिल किया। कांग्रेस सरकार ने कुशल खरीद संचालन सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय किए हैं। उन्होंने कहा कि 23 नवंबर तक, 5,040.01 करोड़ रुपये मूल्य के 21.73 एलएमटी से अधिक धान की खरीद की जा चुकी है। रविवार को हुजूरनगर निर्वाचन क्षेत्र में धान खरीद केंद्रों का औचक दौरा करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि 16.06 लाख मीट्रिक टन मोटे किस्म (डोड्डू) की खरीद की गई, जबकि 5.67 लाख मीट्रिक टन बढ़िया किस्म (सन्नालू) की खरीद की गई। बढ़िया किस्म की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए 283.25 करोड़ रुपये का बोनस घोषित किया गया है, जिसमें से 80.17 करोड़ रुपये पहले ही वितरित किए जा चुके हैं।

किसानों को 2,760.22 करोड़ रुपये का भुगतान जारी किया गया है, जो पिछले साल के 2,414.23 करोड़ रुपये से 345.99 करोड़ रुपये अधिक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शेष 2,279.78 करोड़ रुपये जल्द ही वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह खरीद सरकार की मजबूत कृषि नीतियों और किसानों के लिए अटूट समर्थन को दर्शाती है। मंत्री उत्तम ने खुलासा किया कि तेलंगाना ने कलेश्वरम परियोजना के बंद रहने के बावजूद 66.07 लाख एकड़ से 153 लाख मीट्रिक टन का ऐतिहासिक धान उत्पादन हासिल किया। उन्होंने घोषणा की कि इस वर्ष 7,990 खरीद केंद्र चालू हैं (पिछले वर्ष के 5,543 केंद्रों की तुलना में 2,447 केंद्रों की वृद्धि) जिससे किसानों के लिए बेहतर पहुंच सुनिश्चित हुई।

उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि सरकार 10 जनवरी तक खरीद अभियान जारी रखेगी, जिससे दूरदराज के गांवों सहित सभी धान की खरीद के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। कुशल संचालन सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, उत्तम कुमार रेड्डी ने कई अनाज खरीद केंद्रों का औचक निरीक्षण किया, जिससे किसान और अधिकारी अचंभित रह गए। इन यात्राओं के दौरान, उन्होंने सीधे किसानों से बातचीत की, जिन्होंने इस सीजन की उपज पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन परिवहन व्यवस्था में देरी के बारे में चिंता जताई। मंत्री ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इन मुद्दों को हल करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क किया।

पुलिस ने बीआरएस विधायक कौशिक रेड्डी को नोटिस जारी किया

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य पुलिस ने बीआरएस पार्टी के विधायक पाडी कौशिक रेड्डी को नोटिस जारी किया है। 9 नवंबर को कौशिक रेड्डी ने दलित बंधु योजना के पैसे की दूसरी किस्त जारी करने की मांग को लेकर हुजूराबाद में धरना और रैली की थी। हालांकि, उन्होंने धरना और रैली कार्यक्रम के लिए पुलिस से कोई अनुमति नहीं ली थी। पुलिस ने विधायक कौशिक रेड्डी और अन्य बीआरएस नेताओं के खिलाफ बीएनएस एक्ट की धारा 35(3) के तहत मामला दर्ज करने के बाद नोटिस जारी किया है। कौशिक रेड्डी अपनी पार्टी की ओर से सरकार की आलोचना करने में सबसे आगे हैं।

उन्होंने मंत्री पोन्नम प्रभाकर पर कोयले की राख के परिवहन में भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया। वह अक्सर विधानसभा के बाहर और अंदर और मीडिया बैठकों में सीएम रेवंत रेड्डी की शासन नीतियों की आलोचना भी करते रहते हैं। कौशिक रेड्डी ही थे जिनका बीआरएस पार्टी के बागी विधायक अरीकापुडी गांधी के साथ विधायकों के दलबदल के मामले में विवाद चल रहा था।

हेलमेट अनिवार्य करने का नियम लागू

जनवरी से अब तक 4.26 लाख का चालान

लगभग 7.09 करोड़ रुपये की हुई वसूली

वारंगल, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल पुलिस कमिश्नरेट की सीमा में यातायात पुलिस ने हेलमेट अनिवार्य करने के नियम को सख्ती से लागू करना शुरू कर दिया है। ट्रैफिक पुलिस ने कमिश्नरेट के अंतर्गत जनवरी से अब तक 4.26 लाख यातायात उल्लंघनकर्ताओं से चालान के रूप में लगभग 7.09 करोड़ रुपये वसूले हैं।

ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पहली बार नियम तोड़ने वालों पर 100 रुपये का जुर्माना लगाया गया और अगर वे नियम का उल्लंघन जारी रखते हैं, तो उनसे 200 रुपये का जुर्माना वसूला जाएगा। ज़्यादातर उल्लंघनकर्ता वारंगल शहर और हनमकोंडा इलाकों में पकड़े गए। ट्रैफिक पुलिस (जो उल्लंघनकर्ताओं को रिकॉर्ड करने और उन पर जुर्माना लगाने के लिए एक उपकरण लेकर आई थी) ने उल्लंघनकर्ताओं से 100 रुपये वसूले।

हालांकि, पुलिस ने पीछे बैठने वालों पर कोई जुर्माना नहीं लगाया और नरमी बरती।

नशे में वाहन चलाने वाले 193 हिरासत में

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नशे में वाहन चलाने के खिलाफ चलाए गए अभियान से 193 लोगों को हिरासत में लिया गया। इस सप्ताहांत में नशे में वाहन चलाने के खिलाफ एक सख्त अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप 193 अपराधियों को हिरासत में लिया गया। अभियान के दौरान, कुल 160 दोपहिया वाहन, 6 तिपहिया वाहन और 27 चार पहिया वाहन जब्त किए गए। अपराधियों में से 19 व्यक्तियों के रक्त में अल्कोहल सांद्रता बीएसी 200 एमजी/ एमएल 100 एमएल और 550 एमजी/100 एमएल के बीच पाई गई। सभी अपराधियों को आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़े गए और दुर्घटनाएं करने वाले व्यक्तियों को भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 (हत्या के बराबर नहीं होने वाली गैर इरादतन हत्या) के तहत गिरफ़्तार किया जाएगा और उन पर मुकदमा चलाया जाएगा। इस अपराध के लिए अधिकतम 10 वर्ष कारावास और जुर्माना हो सकता है। जनता से आग्रह है कि वे जिम्मेदारी से काम करें और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शराब के नशे में वाहन चलाने से बचें।

रविवार को शिव मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु पंचांग कार्तिकम के चलते रविवार को साप्ताहिक अवकाश होने के कारण श्रद्धालु तेलुगु राज्यों के शिव मंदिरों में उमड़ पड़े। महिलाओं ने पवित्र स्नान किया और कार्तिक मास के दीप जलाए। नतीजतन, शैव क्षेत्र शिव के नाम के स्मरण से भर गए। दूर-दराज के इलाकों के साथ-साथ महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से भी श्रद्धालु रविवार की सुबह से ही जयशंकर भूपालपल्ली जिले के प्रसिद्ध कालेश्वरम मंदिर पहुंचे और त्रिवेणी संगमम की गोदावरी नदी में पवित्र डुबकी लगाई। उन्होंने देवी गोदावरी की विशेष पूजा भी की। बाद में, उन्होंने गोदावरी में दीप जलाए। उन्होंने मंदिर में श्री कालेश्वर मुक्तेश्वर स्वामी को मारेडू फूल चढ़ाए। महिलाओं ने श्री शुभानंद देवी मंदिर में पूजा की। आंवला वृक्ष पर एक लाख मूगा और दीप जलाकर पूजा-अर्चना की गई। राजन्ना सिरसिला जिले के वेमुलावाड़ा राजन्ना मंदिर में कार्तिक मास के अवसर पर भक्तों की भीड़ बढ़ गई है। पीठासीन देवता के दर्शन में चार घंटे लग गए। भक्तों ने मंदिर के सामने कार्तिक दीप जलाए। भक्तों को किसी भी परेशानी से बचाने के लिए मंदिर अधिकारियों ने रविवार और सोमवार को गर्भगृह में भक्तों द्वारा की जाने वाली अर्जिता सेवाओं को रद्द कर दिया है। रविवार को यदागिरिगुट्टा लक्ष्मी नरसिंह क्षेत्र भी भक्तों से खचाखच भरा था। कार्तिक मास के महीने में सप्ताहांत की छुट्टी होने के कारण बड़ी संख्या में भक्त मंदिर में एकत्र हुए और अपने पसंदीदा देवताओं के दर्शन किए। बड़ी संख्या में भक्तों ने श्री सत्यनारायण स्वामी के निजाभिषेकम, अर्चना, नित्य कल्याणम और व्रत पूजा में भाग लिया।

पार्किंग स्थल वाहनों से भरा था और मैदान के चारों ओर रिंग रोड पर भी वाहन फंसे रहे। कार्तिक मास के अवसर पर भगवान सत्यदेव की दीप आराधना और व्रत पूजा के लिए विशेष रूप से आयोजित स्थानों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। उन्होंने शिव मंदिर में पर्वतवर्धिनी के साथ पहाड़ी के गर्भगृह में भगवान रामलिंगेश्वर स्वामी और पंचनरसिंह की भी पूजा की।

येल्लांडु के पूर्व विधायक अब्बय्या का निधन

भद्राद्रि कोत्तागुडेम, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। येल्लांडु के पूर्व विधायक ओके अब्बय्या (70) नहीं रहे। पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे अब्बय्या का रविवार तड़के हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। पहली बार, अब्बय्या 1983 में बर्गमपाडु से विधायक चुने गए थे। इसके बाद, वे 1994 और 2009 में येल्लांडु निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा के लिए चुने गए।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Army No JC-705616 K SUB/SKT VIJU. G want to Change my son's name from ANANTHU to ANANTHU. V in my service documents

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

किसान दंपत्ति ने किया आत्मदाह का प्रयास

सूर्यापेट, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक किसान दम्पति ने मिल मालिकों द्वारा अशुद्धता और नमी का हवाला देते हुए प्रति क्विंटल सात किलोग्राम धान की कटौती करने से व्यथित होकर सार्वजनिक रूप से आत्मदाह कर अपनी जान देने का प्रयास किया। रविवार को अन्नाराम गांव में आईकेपी खरीद केंद्र पर किसानों द्वारा विरोध प्रदर्शन के बाद परेशान करने वाली घटना में गुगुलोथ कीमा नाइक और पुन्नम्मा ने आत्मदाह का प्रयास किया, जबकि खरीद केंद्र पर सैकड़ों लोग मौजूद थे। केंद्र पर मौजूद साथी किसान, जो उन्हें बचाने के लिए दौड़े और उन्हें इस हताशा भरे कदम से बचाया, दंपति के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए विरोध प्रदर्शन पर बैठ गए।

किसानों ने नाराजगी जताई कि मिल मालिकों की इस कार्यप्रणाली ने उनकी कमाई को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। मिल मालिकों ने धान में नमी और बर्बादी को ध्यान में रखते हुए प्रति क्विंटल दो से तीन किलोग्राम की मानक कटौती को उचित ठहराया, लेकिन अधिक धान की आवक के साथ बढ़ी हुई कटौती ने किसानों के कड़े विरोध को जन्म दिया। जनजातीय किसान के परिवार द्वारा क्रय केंद्र पर लाए गए धान को 17 नवंबर को वेंकटरमण ट्रेडर्स मिल को भेज दिया गया। हालांकि, मिलर ने स्टॉक को अस्वीकार कर दिया और भुगतान के लिए एक सप्ताह तक इंतजार करने के बाद धान के साथ ट्रक को वापस भेज दिया, जिससे और अधिक परेशानी हुई और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

स्थानीय मंडल राजस्व अधिकारी किसानों की शिकायतों को दूर करने के लिए खरीद केंद्र पर पहुंचे। उन्होंने किसानों से बात की और जिला कलेक्टर और नागरिक आपूर्ति अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया। तहसीलदार ने किसानों को आश्वासन देकर स्थिति को शांत किया कि धान का लोड दूसरी मिल में भेजा जाएगा और उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा। किसानों द्वारा विरोध प्रदर्शन वापस लेने के बाद विरोध शांत हुआ।

श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुडा में अन्नकूट प्रसाद का आयोजन किया गया। अवसर पर हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड का पाठ किया गया। अवसर पर श्री प्रभुदत्त महाराज एवं गोपाल बल्दवा के साथ अन्य भक्त गण।

किसानों को बोनस भुगतान में देरी

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने अब तक एमएसपी ऑपरेशन के तहत 5040.012 करोड़ रुपये मूल्य का 21.73 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा है। इस पर्याप्त खरीद के बावजूद, अब तक किसानों को केवल 2,760.22 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। खरीद में 16.06 लाख मीट्रिक टन मोटे किस्मों के मुकाबले 5.67 लाख मीट्रिक टन बढ़िया किस्म का धान शामिल था। अच्छी किस्मों की खरीद में 283.25 करोड़ रुपये का बोनस भुगतान शामिल है। हालांकि, अभी तक इस राशि में से केवल 8.17 करोड़ रुपये ही वितरित किए गए हैं। सरकार ने अच्छी किस्मों पर 500 रुपये प्रति क्विंटल का प्रोत्साहन बोनस देने की घोषणा की है। खरीद प्रक्रिया में कुल 350,311 किसान शामिल हैं और कटाई जोरों पर होने के कारण बड़ी मात्रा में धान खरीद केंद्रों पर लाया जा रहा है। अच्छी किस्म के धान के लिए घोषित बोनस के तहत 78,686 किसानों ने इस किस्म की खेती की है, जबकि 271,655 किसानों ने मोटी किस्म के धान की खेती की है।

राज्य बीज प्रमाणीकरण एजेंसी को मिले विभागीय दर्जा

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीज प्रमाणीकरण अधिकारी संघ ने रविवार को यहां बैठक कर राज्य सरकार से राज्य बीज प्रमाणीकरण एजेंसी को कृषि विभाग के साथ एकीकृत कर विभागीय दर्जा देने की मांग की। बीज प्रमाणीकरण एजेंसी को विभागीय दर्जा देने और इसे कृषि विभाग में एकीकृत करने का प्रस्ताव दिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए तेलंगाना कर्मचारी संयुक्त कार्य समिति के अध्यक्ष वी. लक्ष्मी रेड्डी ने किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने में बीज प्रमाणीकरण अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और आश्वासन दिया कि मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया जाएगा। अन्य बातों के अलावा, एसोसिएशन ने न्यूनतम पेंशन को बढ़ाकर 30,000 रुपये करने तथा आउटसोर्स कर्मचारियों को अनुबंध कर्मचारी मानकर उनके वेतन में वृद्धि की मांग की।

रबी सीजन के लिए फसल योजना को दिया गया अंतिम रूप

3.04 लाख एकड़ में होगी खेती

करीमनगर, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि विभाग के अधिकारियों ने यासांगी (रबी) सीजन के लिए फसल योजना को अंतिम रूप दे दिया है। अनुमान है कि इस सीजन में जिले में 3.04 लाख एकड़ में विभिन्न फसलों की खेती की जाएगी। हमेशा की तरह, 2.65 लाख एकड़ क्षेत्र में धान की बुआई होने की संभावना है। 1,205 एकड़ में सिंचित शुष्क (आईडी) फसलें उगाई जाएंगी। इनमें मूंगफली (500 एकड़), सूरजमुखी (380 एकड़), हरा चना (80 एकड़), तिल (60 एकड़), बंगाल चना (50 एकड़), मक्का (50 एकड़), लाल चना (10 एकड़) और काला चना (5 एकड़) शामिल हैं। हालांकि अधिकारियों ने अनुमान लगाया है कि कपास की बुआई 20 एकड़ में होगी, लेकिन फसल की खेती 500 एकड़ में होने की संभावना है। अन्य फसलें 1,200 एकड़ में बोई जाएंगी।

दूसरी ओर, किसानों ने वनकालम सीजन में उत्पादित फसलों को बेचने के साथ-साथ सीजन की तैयारी भी शुरू कर दी है। इस बार बोरवेल और कृषि कुओं से सिंचाई के साथ बड़े पैमाने पर धान की खेती होने जा रही है। सिंचाई परियोजनाओं में पानी उपलब्ध होने के कारण विभिन्न नहरों के आयाकट के नीचे भी फसल बोए जाने की संभावना है।

कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के निर्माण के बाद पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में धान की खेती में बड़े पैमाने पर वृद्धि हुई है। कालेश्वरम के पानी को बाढ़ प्रवाह नहर तक ले जाने के लिए श्री राम सागर परियोजना (एसआरएसपी) पुनरुद्धार परियोजना भी शुरू की गई थी। हालांकि, पिछले रबी सीजन में पानी की कमी के कारण किसानों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा क्योंकि मेडिगड्डा बैराज के खंभे डूबने के बाद कालेश्वरम परियोजना से पानी नहीं उठाया गया था। चोपडांडी निर्वाचन क्षेत्र के कुछ किसानों ने भूजल निकालने और खड़ी फसलों को आपूर्ति करने के लिए बाढ़ प्रवाह नहर में गड्ढे खोदे। राज्य सरकार ने तब नंदी मेडरम पंप हाउस चलाकर येल्लमपल्ली परियोजना से पानी उठाया था और खड़ी फसलों को पानी दिया था।

यूपी में अब उपचुनाव नहीं लड़ेगी बसपा?

ईसी के सामने पूर्व सीएम मायावती ने रखी ये शर्त

लखनऊ, 24 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा की 9 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं। वहीं यूपी उपचुनाव के रिजल्ट के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गंभीर आरोप लगाए हैं। बसपा सुप्रीमो मायवती ने कहा फर्जी वोट को लेकर चुनाव आयोग कोई कदम उठाए, इसके साथ ही पूर्व सीएम ने कांग्रेस और बीजेपी को जातिवादी पार्टी बताया। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि जब तक चुनाव आयोग फर्जी वोट रोकने के लिये कोई कार्रवाई नहीं करेगा तब तक बीएसपी उपचुनाव नहीं लड़ेगी। यूपी के उपचुनाव के जो नतीजे आए हैं, यह लोगों में आम चर्चा है कि ईवीएम के जरिये फर्जी वोट डाले जा रहे हैं। वहीं उन्होंने कहा यूपी में 9 विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में हमें दिखा कुछ दलित के नाम पर बने दल वोट काट रहे हैं।

'बिहार उपचुनाव रिजल्ट 2025 का ट्रेलर

विजय सिन्हा ने बता दिया कौन बनेगा अगला सीएम?

पटना, 24 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने दावा किया कि राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में एक बार फिर नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी। विजय कुमार सिन्हा ने बिहार की चार सीटों पर हुए उपचुनाव में एनडीए की जीत पर कहा कि यह 2025 विधानसभा चुनाव के पहले का ट्रेलर है। बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव में 225 सीटों के साथ एनडीए की सरकार बनेंगी और नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे।

'झारखंड पर समीक्षा की जाएगी'- विजय सिन्हा

झारखंड विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली करारी हार पर उन्होंने कहा कि इसकी समीक्षा की जाएगी। झारखंड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के साथ 15 राज्यों की 48 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे शनिवार को आए। बिहार के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र को महाराष्ट्र की जनता ने अपार समर्थन दिया है। मोदी की गारंटी पर लोगों का भरोसा कायम है, महाराष्ट्र में दो-तिहाई से अधिक सीटें यह बताती है कि भाजपा पर जनता का विश्वास कायम है। खान मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल रहे विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि पूरे बिहार में अवैध खनन पर हर हाल में रोक लगाई जाएगी। अवध खनन पर सरकार पूरी तरह से सख्त है। सरकार के राजस्व को नुकसान पहुंचाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कई बालू घाटों की नीलामी कर दी गई है और कई बालू घाटों की नीलामी की प्रक्रिया जारी है।

'अवैध खनन को लेकर होगी सख्त कार्रवाई'

इस दौरान अगर कहीं भी अवैध खनन हो रहा हो तो लोग प्रशासन को सूचना दें। उन्होंने डीएम और एसपी की जिम्मेदारी तय करते हुए कहा कि अवैध खनन पर कड़ी नजर रखें और ऐसा करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। बिहार में सत्तारूढ़ एनडीए ने शनिवार को चार विधानसभा क्षेत्रों के लिए हुए उपचुनाव में शानदार जीत हासिल की। उसने इमामगंज सीट बरकरार रखी जबकि तरारी, रामगढ़ और बेलागंज सीटें 'इंडिया' ब्लॉक से छीन ली।

मानवता शर्मसार! डॉक्टर ने किया नाबालिग नौकरानी के साथ गंदा काम

बेतिया, 24 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के बेतिया से मानवता को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां भगवान का दूसरा रूप कहे जाने वाले एक डॉक्टर ने नाबालिग किशोरी के साथ गंदा काम किया है। घटना जिले के लौरिया थाना क्षेत्र के एक गांव की है। मामले की जानकारी पुलिस को हुई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। मामले मे जांच पड़ताल करने के बाद आरोपी डॉक्टर को जेल भेज दिया गया है। बता दें, पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए जीएमसीएच बेतिया भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी डॉक्टर तीन महीने पहले अपने घर पर बगहा से एक किशोरी को काम कराने के लिए लाया था। आरोपी अपने घर पर किशोरी से नौकरानी का काम करवाता था।

संभल जामा मस्जिद मामले में

मायावती की पहली प्रतिक्रिया, घटना के लिए बताया शासन जिम्मेदार

लखनऊ, 24 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित संभल के जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान मचे बवाल पर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लखनऊ में एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि उपचुनाव के नतीजे के बाद संभल और मुरादाबाद में तनाव की स्थिति है। बसपा नेता ने कहा कि संभल में सर्वे के दौरान जो हुआ है उसके लिये शासन और प्रशासन जिम्मेदार है। संभल में दोनों साईड को लेकर प्रशासन को बात करनी चाहिये। संभल के लोग शांति व्यवस्था बनाये रखें। उन्होंने कहा कि प्रशासन विफल रहा।

मस्जिद के सर्वे के दौरान स्थिति बिगड़ गई

संभल जिले स्थित शाही जामा मस्जिद के रविवार को सर्वे के दौरान भारी बवाल हो गया। इस दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस पर पथराव किया और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान स्थिति बिगड़ गई और हिंसा फैल गई।

प्रेमिका को चाकू घोप प्रेमी ने जहर खाया

झांसी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। झांसी में प्रेमिका को चाकू मारकर प्रेमी ने जहर खा लिया। दोनों को मेडिकल कॉलेज में एडमिट करवाया गया है। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। किसी बात को लेकर झगड़ा होने पर प्रेमी ने वारदात को अंजाम दिया है। घटना बड़ागांव थाना क्षेत्र के छपरा गांव की है। महिला की उम्र 43 साल है। एक साल पहले उसके पति की मौत हो गई थी। उसके गांव के कमलेश कुशवाहा (50) से प्रेम संबंध थे। कमलेश की शादी नहीं हुई थी। शनिवार को महिला अपने खेत पर गई थी। शाम करीब 7 बजे वह खेत से घर लौट रही थी। दोनों के बीच झगड़ा हो गया। इसके बाद कमलेश ने चाकू निकालकर महिला पर ताबड़तोड़ वार कर दिए।

उपचुनावों में आरजेडी की हार कोई बड़ी बात नहीं तेजस्वी यादव बोले- 2025 में हम जीतेंगे

पटना, 24 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव ने बिहार में चार विधानसभा सीट पर हुए उपचुनावों में विपक्षी महागठबंधन की हार के बाद शनिवार को दावा किया कि यह गठजोड़ राज्य में अगले होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगा। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने पड़ोसी राज्य झारखंड में अपनी पार्टी के उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन पर खुशी जताई, जहां झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सत्ता बरकरार रखी है। झारखंड में साल 2019 के चुनाव में राजद ने केवल चतरा सीट पर जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार उसने देवघर, गोड्डा, बिश्रामपुर और हुसैनाबाद सीट जीतीं।

उपचुनाव में आरजेडी को झटका

बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने चारों

विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में जीत हासिल की है। इसमें इमामगंज सीट पर आरजेडी ने कब्जा बरकरार रखा है जबकि तरारी, रामगढ़ और बेलागंज को महागठबंधन से छीन लिया।

कुछ सीट पर हार बड़ी बात नहीं

तेजस्वी यादव पटना में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, कुछ सीट पर हार कोई बड़ी बात नहीं है। हाल के लोकसभा चुनाव में हमने इन विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल की थी। हम 2025 के विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेंगे और महागठबंधन बिहार में अगली सरकार बनाएगा। हार-जीत चुनाव का हिस्सा है। हम बिल्कुल भी निराश नहीं हैं। हमने एकजुट होकर चुनाव लड़ा।

झारखंड में चार विधानसभा सीटें जीतीं

आरजेडी बेलागंज और रामगढ़ सीट पर कब्जा बरकरार रखने में नाकाम रहा जबकि इमामगंज सीट पर भी पार्टी उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा। आरजेडी नेता ने कहा, हमने झारखंड में चार विधानसभा सीट जीतीं। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन ने झारखंड विधानसभा चुनाव में भारी अंतर से जीत हासिल की। हम एक बार फिर झारखंड में सरकार बना रहे हैं। झारखंड के बाद, महागठबंधन 2025 में बिहार में सरकार बनाएगा।

पटना में राइफल और 15 जिंदा कारतूस बरामद

पटना, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पटना के पालीगंज के इमामगंज बाजार में पुलिस ने एक कार से एक राइफल और 15 जिंदा गोली बरामद किया है। इसकी जानकारी पालीगंज डीएसपी-1 प्रीतम कुमार ने दी है। डीएसपी-1 प्रीतम कुमार ने बताया कि पटना जिले में एक विशेष वाहन चेकिंग अभियान रात के 8:00 बजे से लेकर 11:00 बजे तक किया गया था। इसी दौरान पालीगंज अनुमंडल के इमामगंज बाजार में पुलिस के द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। एक कार से एक राइफल और 15 जिंदा कारतूस बरामद किया गया। हालांकि राइफल का कोई लाइसेंस-दस्तावेज नहीं था। इसके बाद पुलिस ने हथियार और गोली को जब्त कर लिया है। साथ ही इस पूरे मामले पर कार सवार से पूछताछ भी पुलिस कर रही है। फिलहाल डीएसपी-1 प्रीतम कुमार ने बताया कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

तीसरे पति ने सौतेली बेटी को बनाया हवस का शिकार

भागलपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र में रिश्ते को तार-तार करने वाली एक घटना सामने आयी है। जहां एक सौतेले पिता ने रिश्ते में बेटी लगने वाली लड़की को हवस का शिकार बना लिया। उसकी इस घिनौनी हरकत की जानकारी आसपास के लोगों को भी लग गयी थी। हैवान बना पिता सौतेली बेटी के साथ दुष्कर्म करता रहा और पीड़िता की चीखें बाहर निकलती रही। उसके रोने की आवाज लोगों के कानों तक जा रही थी, जिसके बाद पड़ोसियों ने पीड़िता की मां को फोन करके बताया कि उसका पति उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म कर रहा है। मामला थाने तक पहुंचा और आरोपित की गिरफ्तारी की गयी। सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में एक पिता ने अपनी सौतेली बेटी को हवस का शिकार बना लिया।

टाइट सिक्योरिटी में ओडिशा से लखनऊ ले जाया जा रहा था 18 क्विंटल गांजा, यूपी पुलिस ने चार तस्करों को पकड़ा

कानपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। कानपुर-इटावा हाईवे पर जाजमऊ में शुक्रवार देर रात बाराबंकी से आई नार्कोटिक्स टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी। डंपर से 49 बोरी में करीब 18.30 क्विंटल गांजा बरामद हुआ। टीम ने चालक के साथ ही डंपर के आगे चल रहे कार सवार आजमगढ़ के तीन तस्करों को भी दबोच लिया। तस्कर ओडिशा के जंगलों से गांजा लेकर लखनऊ की तरफ जा रहे थे। आरोपितों ने पुलिस से बचने के लिए मछली और मुर्गियों के दाने भेजे जाने वाली बोरियों में गांजा भरा हुआ था। जाजमऊ थाना पुलिस ने शनिवार को चारों आरोपितों को जेल भेजा है।

लखनऊ लेकर जा रहे थे गांजा

डीसीपी पूर्वी श्रवण कुमार ने बताया कि बाराबंकी से नार्कोटिक्स टीम के प्रभारी निरीक्षक अयीनुद्दीन ने जाजमऊ थाना पुलिस को सूचना दी थी कि छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा के जंगल से तस्कर भारी मात्रा में डंपर में गांजा लदवाकर

लखनऊ की तरफ जा रहे हैं। नार्कोटिक्स टीम और जाजमऊ थाना पुलिस ने हाईवे पर बताए गए डंपर को नंबर के जरिए रुकवाया। चालक भागने लगा, लेकिन उसके पकड़ लिया गया। तभी डंपर के आगे चल रही ईको स्पोर्ट्स कार में सवार तीन अन्य लोग भी रुक गए। पुलिस ने उन्हें भी दबोच लिया। चालक ने अपना नाम छत्तीसगढ़ के रायपुर भनपुरी शिवानंद नगर निवासी पुंडलिक, कार सवारों ने अपना नाम आजमगढ़ के महराजगंज नौबारार देवारा जदीद गांव निवासी संतोष यादव, आजमगढ़ के ही सिधारी थाना क्षेत्र के हेंगापुर शागढ़ निवासी रामसागर यादव और अतरौलिया पट्टी भदौरा निवासी मंगेश यादव बताया।

कार में भी रखे थे दो पैकेट

डीसीपी पूर्वी के मुताबिक डंपर से 49 बोरियों में 18.30 क्विंटल गांजा और कार में गांजे के सैंपल के रूप में रखे दो पैकेट बरामद हुए। नार्कोटिक्स टीम के प्रभारी निरीक्षक अयीनुद्दीन ने जाजमऊ थाने में आरोपितों पर एडीपीएस में मुकदमा दर्ज कराया है। तस्करों ने बताया कि वह डंपर को फालो करते हुए लखनऊ और बाराबंकी जा रहे थे। जाजमऊ थाना प्रभारी अजय प्रकाश ने बताया कि डंपर का चालक ही उसका मालिक है। उसने सात माह पहले पुराना डंपर खरीदा था। जिससे वह पूर्व में प्रदेश के अलावा राजस्थान और मध्य प्रदेश के कई जिलों में गांजे की सप्लाई कर चुका है। वह लखनऊ की तरफ जा रहा था, लेकिन माल किसे पहुंचाना थ। इसके बारे में अभी जानकारी नहीं मिली है।

आजमगढ़ के तस्करों का है गिरोह

चालक पुंडलिक ने बताया कि आजमगढ़ का मुख्य तस्कर रामसागर साथियों के साथ मिलकर ओडिशा से गांजा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में सप्लाई करा रहा था। माल किसे पहुंचाना था, इसकी जानकारी राम सागर को ही है। हालांकि थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपितों ने माल लेने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। कार और डंपर को कब्जे में लिया गया है।

शरिया कानून लाना है मकसद'

संभल की घटना पर भड़के केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बोले- यह लोकतंत्र पर हमला

बेगूसराय, 24 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री सह बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने उत्तर प्रदेश के संभल में सर्वे टीम पर हमले के बाद सियासत गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी के फायर ब्रांड और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर बड़ा हमला बोला है। कहा कि अब देश में जिहादी लोग शरिया कानून स्थापित करना चाहते हैं। भारत के लोकतंत्र खत्म कर शरिया कानून स्थापित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा है कि कानून के तहत सर्वे की टीम वहां गई थी। अगर कानून पर हमला है। यह लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र सहित भारत पर हमला है। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस हमले से देश बर्दाश्त नहीं करेगा।

अब्दुल्ला सरकार और कांग्रेस पर हमला बोला

गिरिराज सिंह ने अब्दुल्ला सरकार और कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर की सरकार ने जिस तरह से हिंदुओं के घरों को बुलडोजर चलाने का काम किया है। वह सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाला है। भले ही फारूक अब्दुल्ला की सरकार हो पर कांग्रेस ही वहां लीड कर रही है। कांग्रेस तत्काल ही इस पर इस्तीफा दे दे नहीं तो इसकी जिम्मेदारी कांग्रेस को लेनी पड़ेगी। उन्होंने फारूक अब्दुल्ला पर तंज करते हुए कहा कि फारूक अब्दुल्ला हर वक्त आतंकवाद के समर्थक रहे हैं। हिन्दू विरोधी रहे हैं। कांग्रेस वहां लीड कर रही है इसलिए कांग्रेस को देश के लोगों से माफी मांगनी पड़ेगी।

कांग्रेसी देश को टुकड़े-टुकड़े में बांटना चाहते हैं

गिरिराज सिंह ने कहा कि विपक्षी चाहते हैं कि देश में गृह युद्ध हो। इतनी बड़ी घटना हुई लेकिन अभी तक कांग्रेस की जुबान बंद है। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि कांग्रेस भी उन लोगों के समर्थन में है। अब कांग्रेस विपक्ष के भी लायक भी नहीं है। इस दौरान महाराष्ट्र के चुनाव को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि कांग्रेस की यह पुरानी नीति है। देश के बाहर जाएंगे भारत को गाली देंगे। दक्षिण में जाएंगे उत्तर को गाली देंगे। कांग्रेसी देश को टुकड़े-टुकड़े में बांटना चाहते हैं।

मेरठ में एसटीएफ ने पकड़ा हथियारों का तस्कर

पंजाब से लाकर करते थे यूपी, दिल्ली और बिहार में सप्लाई, 17 बंदूक और 700 कारतूस बरामद

मेरठ, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मेरठ में एसटीएफ ने हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया है। तस्कर पंजाब से हथियार लाकर यूपी, दिल्ली और बिहार के जिलों में सप्लाई करता था। उसके पास से 17 बंदूक और 700 कारतूस बरामद हुए हैं। एसटीएफ की टीम आरोपी से पूछताछ में जुटी है कि वह अब कहां-कहां हथियारों की सप्लाई कर चुका है। एसटीएफ के एसपी बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि टीम को इनपुट मिला कि एक हथियार तस्कर पंजाब से बड़े पैमाने पर हथियार लाकर वेस्ट यूपी में सप्लाई करता है। टीम ने शनिवार आधी रात को कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में घेराबंदी करके हथियार तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। उसने अपना नाम रोहन पुत्र राकेश निवासी बड़ौत बागपत बताया। रोहन के पास 5 सिंगल बैरल और 12 डबल बैरल बंदूक और 700 कारतूस बरामद हुए। रोहन ने बताया कि इन हथियारों को वह पंजाब से लाकर यूपी, दिल्ली और बिहार में सप्लाई करते थे। काफी समय से वह इस काम को अंजाम दे रहा था।

एसटीएफ के एसपी बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि रोहन के साथ गैंग में कौन-कौन लोग हैं। किन लोगों को ये पहले बंदूकों की सप्लाई कर चुके हैं, इसको लेकर आरोपी से पूछताछ की जा रही है। अब तक कितने हथियार सप्लाई किए गए। पंजाब में इन हथियारों को कहां से लाया गया था। इन तमाम बातों को लेकर आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

अब शराब की दुकानों पर नहीं मिलेंगे प्लास्टिक गिलास, दुकान के बाहर पीने वालों की खैर नही

गोण्डा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने सभी शराब की दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और रेट लिस्ट को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सख्त हिदायत दी है कि दुकानों के बाहर या सड़कों पर शराब पीने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपजिलाधिकारी और जिला आबकारी अधिकारी को इस संबंध में नियमित निरीक्षण और कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

अवैध शराब के खिलाफ सख्ती

अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर रोकथाम के लिए आबकारी और पुलिस की संयुक्त टीमों के गठन के निर्देश दिए गए हैं। विशेष ध्यान माझा क्षेत्र और छोटे बाजारों पर दिया जाएगा। जहां छापेमारी अभियान चलाकर संदिग्ध स्थानों की जांच की जाएगी। अक्टूबर माह में किए गए प्रवर्तन कार्य के तहत, 256.44 लीटर अवैध शराब और 18,900 किलोग्राम लहन नष्ट किया गया। विभिन्न थानों में 04 एफआईआर दर्ज की गई हैं। आबकारी विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर माह में मात्र 13 थानों में प्रवर्तन कार्य हुआ है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि सभी थानों पर संयुक्त अभियान चलाकर अवैध शराब के खिलाफ व्यापक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

कानूनी कार्रवाई को प्रभावी बनाने का प्रयास

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अवैध शराब से जुड़े मामलों में प्रभावी कार्यवाई करें, ताकि तस्करों और व्यापारियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। जिला प्रशासन का यह कदम गोण्डा में अवैध शराब की समस्या को समाप्त करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वाराणसी में 41 लाख की लूट मामला : निलंबित इंस्पेक्टर का दोस्त महाराष्ट्र से अरेस्ट, खुद को बताता था सीएम का ओएसडी

वाराणसी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। वाराणसी में 41 लाख रुपये की लूट के मामले में छीतमपुर निवासी धर्मेंद्र कुमार चौबे उर्फ पिंटू को कैंट थाने की पुलिस ने महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। धर्मेंद्र को पुलिस टीम वाराणसी लेकर आ रही है। उससे पूछताछ करने के बाद उसे अदालत में पेश किया जाएगा। वाराणसी के सारनाथ थाना क्षेत्र के पहड़िया स्थित रुद्रा हाइट्स अपार्टमेंट के एक फ्लैट में बीते 7 नवंबर की आधी रात बाद एक इंस्पेक्टर अपने एक दोस्त के साथ गया था। इंस्पेक्टर का दोस्त खुद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ओएसडी बता रहा था। आरोप है कि फ्लैट में जुआ खेल रहे शहर के कुछ व्यापारियों को तगड़ी कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर इंस्पेक्टर और उसका दोस्त मौके से मिले 41 लाख रुपये दो बैग में भर कर अपने साथ ले गए थे। इंस्पेक्टर और उसके दोस्त का सीसी फुटेज सामने आया तो पुलिस आयुक्त ने तत्कालीन सारनाथ थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर परम हंस गुप्ता की भूमिका को प्रथमदृष्टया संदिग्ध पाते हुए उसे निलंबित कर दिया था।

तीन जिला जज सहित 7 अधिकारियों के ट्रांसफर

उन्नाव, जौनपुर, झांसी और गाजियाबाद के अधिकारियों का हुआ तबादला

प्रयागराज, 24 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट प्रशासन ने तीन जिला जजों सहित जिला जज स्तर के सात अधिकारियों का स्थानांतरण किया है। महानिबंधक राजीव भारती की अधिसूचना के अनुसार जिला जज स्तर के स्थानांतरित न्यायिक अधिकारियों में उन्नाव की जिला जज प्रतिमा श्रीवास्तव को कॉमर्शियल टैक्स ट्रिब्युनल लखनऊ का चेयरपर्सन बनाया गया है। जौनपुर की जिला जज वाणी रंजन अग्रवाल को जिला जज उन्नाव, संत कबीर नगर के जिला व सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम को जौनपुर का जिला जज, बांदा के मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्युनल के पीठासीन अधिकारी महेंद्र प्रसाद चौधरी को संतकबीरनगर का जिला जज बनाया गया। लैंड एक्वीजीशन रिहैबिलिटेशन एंड रिसेटलमेंट अथॉरिटी झांसी के पीठासीन अधिकारी उदय वीर सिंह को इसी पद पर लखनऊ, संत कबीर नगर के प्रधान पारिवारिक न्यायाधीश संजय वीर सिंह को गाजियाबाद के मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्युनल का पीठासीन अधिकारी बनाया गया। मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्युनल बलिया के पीठासीन अधिकारी अरबिंद कुमार उपाध्याय को मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्युनल कानपुर नगर नार्थ का पीठासीन अधिकारी बनाया गया है।

बरेली में दर्दनाक हादसा: निर्माणाधीन पुल से नदी में गिरी कार, तीन लोगों की मौत

बरेली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। फरीदपुर थाना क्षेत्र में रामगंगा नदी पर फरीदपुर-बदायूं के दातागंज को जोड़ने वाले अधूरे पड़े पुल से टैक्सी परमिट की कार नीचे जा गिरी, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। घटना शनिवार देर रात की बताई गई है। खल्लपुर गांव के लोग रविवार सुबह रामगंगा के किनारे पहुंचे तो उन्होंने कार को पड़ा देखा। कार सवार तीनों लोगों की मौत हो चुकी थी। उन्होंने ही पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि कार सवार लोग गूगल मैप के सहारे दातागंज की तरफ से खल्लपुर होते हुए फरीदपुर आ रहे थे। अधूरे पुल से कार नीचे जा गिरी, जिससे मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई। जब ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे मंजर देख दंग रह गए। कार के आसपास पानी खून से लाल हो गया था। तीनों मृतकों के शवों का फरीदपुर थाना पुलिस द्वारा ही पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रामगंगा नदी के उस पार से तीनों के शव नाव से फरीदपुर की तरफ लाए गए।

सोशल मीडिया से न्यायाधीशों के फैसलों को प्रभावित करने की कोशिश

बोले पूर्व सीजेआई

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने न्यायाधीशों को सावधान रहने को कहा है। उन्होंने रविवार को कहा कि विशेष रुचि समूहों द्वारा मामलों के नतीजों को प्रभावित करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसलिए इससे सावधान रहने की जरूरत है।

'20 सेंकड की वीडियो के आधार पर बनाते हैं राय'

उन्होंने यह भी कहा कि आजकल लोग यूट्यूब या किसी अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 20 सेकंड के आधार पर एक राय बनाना चाहते हैं, जो एक बड़ा खतरा है। उन्होंने आगे कहा, 'आज विशेष रुचि समूह या दवाब बनाने वाले समूह हैं, जो न्यायालयों के विचारों और मामलों के परिणामों को प्रभावित करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रत्येक नागरिक को यह समझने का अधिकार है कि किसी निर्णय का आधार क्या है और न्यायालय के फैसलों पर अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है। लेकिन जब यह न्यायालय के निर्णयों से आगे बढ़कर व्यक्तिगत न्यायाधीशों को निशाना बनाता है, तो यह एक तरह से मौलिक प्रश्न उठाता है - क्या यह सच में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है?'

यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दाः पूर्व सीजेआई

उन्होंने आगे कहा, 'इसलिए हर कोई यूट्यूब या किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो कुछ भी देखता है, उसके आधार पर 20 सेकंड में अपनी राय बनाना चाहता है। यह एक गंभीर खतरा है, क्योंकि अदालतों में फैसला लेने की प्रक्रिया कहीं अधिक गंभीर है। यह वास्तव में बहुत ही छोटी बात है कि आज सोशल मीडिया पर किसी के पास इसे समझने के लिए धैर्य या सहनशीलता नहीं है, और यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है, जिसका भारतीय न्यायपालिका सामना कर रही है।'

ट्रोलिंग पर यह कही बात

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का जजों पर असर पड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'न्यायाधीशों को इस तथ्य को लेकर बहुत सावधान रहना होगा कि वे लगातार विशेष हित समूहों के हमले के अधीन हो रहे हैं जो अदालतों में होने वाले फैसलों को बदलने की कोशिश कर रहे हैं।' चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि लोकतंत्र में कानूनों की वैधता तय करने की शक्ति संवैधानिक अदालतों को सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि शक्तियों का पृथक्करण यह मानता है कि कानून बनाने का काम विधायिका द्वारा किया जाएगा, कानून का निष्पादन कार्यपालिका द्वारा किया जाएगा, न्यायपालिका कानून की व्याख्या करेगी और विवादों का फैसला करेगी। कई बार ऐसा होता है कि यह काम मुश्किल में पड़ जाता है। लोकतंत्र में नीति निर्माण का काम सरकार को सौंपा जाता है। उन्होंने आगे भी कहा, 'जब मौलिक अधिकारों की बात आती है, तो संविधान के तहत न्यायालयों का कर्तव्य है कि वे हस्तक्षेप करें। नीति निर्माण विधायिका का काम है, लेकिन इसकी वैधता तय करना न्यायालयों का काम और जिम्मेदारी है।'

पूर्व सीजेआई ने कहा, 'जब मौलिक अधिकार शामिल होते हैं, तो संविधान के तहत अदालतें हस्तक्षेप करने के लिए बाध्य होती हैं। नीति निर्माण विधायिका का काम है, लेकिन इसकी वैधता तय करना अदालतों का काम और जिम्मेदारी है।' वहीं, कॉलेजियम प्रणाली का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि प्रक्रिया के बारे में बहुत गलतफहमी है और यह बहुत बारीक और बहुस्तरीय है।

'न्यायाधीशों की नियुक्ति में न्यायपालिका की विशेष भूमिका'

उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में न्यायपालिका की विशेष भूमिका है।' 50वें सीजेआई ने कहा कि न्यायाधीशों की वरिष्ठता में पहली बात पर विचार किया जाना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या न्यायाधीशों को राजनीति में प्रवेश करना चाहिए, पूर्व सीजेआई ने कहा कि संविधान या कानून में ऐसा करने पर कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा, 'समाज सेवानिवृत्ति के बाद भी आपको न्यायाधीश के रूप में देखता रहता है, इसलिए जो चीजें अन्य नागरिकों के लिए ठीक हैं, वे न्यायाधीशों के लिए पद छोड़ने के बाद भी ठीक नहीं होंगी। प्राथमिक तौर पर यह हर न्यायाधीश को तय करना है कि सेवानिवृत्ति के बाद उनके द्वारा लिए गए फैसले का उन लोगों पर असर होगा या नहीं जो न्यायाधीश के तौर पर उनके द्वारा किए गए काम का आकलन करते हैं।'

सरकारी अस्पताल का दौरा कर रहे थे विधायक

इसी बीच करीब आई नर्स फिर हुआ कुछ ऐसा, अब देनी पड़ रही सफाई

चेन्नई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में इस वक्त सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने मयिलादुथुराई के कांग्रेस विधायक एस राजकुमार के लिए मुश्किलें पैदा कर दी हैं। विधायक जी तो एक सरकारी अस्पताल का जायजा लेने पहुंचे थे। इसी बीच एक नर्स की छोटी सी 'भूल' के कारण तमिलनाडु की राजनीति गरमा गई है। बीजेपी ने राज्य में इसे बड़ा मुद्दा ना दिया है। मामले के तूल पकड़ने के बाद विधायक की तरफ से भी सफाई दी गई। उन्होंने खुद को बेकसूर करार दिया और पूरे मामले को राजनीति से प्रेरित करार दिया गया। दरअसल, यह पूरा मामला नर्स द्वारा विधायक को जूते पहनाने से जुड़ा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि नर्स सरकारी अस्पताल में दौरा करने पहुंचे एमएलए के पैरों के पास जूते रख रही है। जिसके बाद एस राजकुमार ने ये जूते पहन लिए। भाजपा के तमिलनाडु कोऑर्डिनेटर एच राजा ने एक्स पर इस वीडियो को शेयर किया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। लोगों की तरफ से भी इसपर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी। पोस्ट के साथ बीजेपी नेता ने लिखा, "हम सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सफाई कर्मचारियों को सम्मानित करने और उनके पैर धोने के वीडियो देखे हैं, लेकिन यहां मयिलादुथुराई में कांग्रेस विधायक राजकुमार ने ड्यूटी पर मौजूद नर्स से अपने जूते उठवाकर अपने पैरों के पास रखवाए। यह बेहद निंदनीय है। ऐसा लगता है कि सोनिया गांधी ने कांग्रेस पदाधिकारियों को कभी नहीं सिखाया कि महिलाओं का सम्मान कैसे किया जाता है।"मामले ने तूल पकड़ा तो विधायक जी की तरफ से भी इसपर सफाई दी गई। उन्होंने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत के दौरान आरोपों का खंडन किया और कहा, "मैं अस्पताल परिसर में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के लिए कुथलम सरकारी अस्पताल गया था। निरीक्षण के दौरान, जब मैं ऑपरेशन थियेटर में प्रवेश करने वाला था, तो नियमों के अनुसार, मैंने अपनी सामान्य चप्पल उतार दी। मैं वहां गेट पर रखे जूते पहनने वाला था, तभी एक नर्स ने अपनी इच्छा से वो जूते मेरे पास नीचे रख दिए। मैंने कभी किसी को जूते रखने के लिए मजबूर नहीं किया। मैं मेडकल सेवाओं में लगे कर्मियों का बड़ा सम्मान करता हूं। कुछ लोग वीडियो के खास हिस्से को काटकर गलत जानकारी फैलाई ताकि इसका राजनीतिक फायदा उठाया जा सके।"

विमान में थम गई महिला की सांसें: पाकिस्तान में इमरजेंसी लैंडिंग की नौबत

अमृतसर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। आसमान में उड़ रहे विमान में महिला यात्री के लिए पंजाब के अमृतसर की युवती उसकी जीवन रक्षक बनी है। दुबई से मुंबई आ रहे विमान में अचानक एक महिला यात्री की सांसे थम गई। महिला बेहोश हो गई। विमान की इमरजेंसी लैंडिंग तक की नौबत आ गई। लेकिन विमान में मौजूद यशोदा शंकर ने महिला की जान बचा ली। एयर इंडिया की फ्लाइट में एक महिला के अचानक बेहोश हो गई। वहीं विमान पर मौजूद एक युवती ने आध्यात्मिक शक्ति के जरिये महिला की जान बचाई। यह घटना शनिवार रात करीब डेढ़ बजे की है। जानकारी मुताबिक रात करीब लगभग डेढ़ बजे एयर इंडिया का दुबई से मुंबई आ रहा था। जब विमान पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में था तो विमान में मौजूद कृष्णा नाम की महिला अचानक बेहोश होकर गिर गई। उनकी सांसे भी रुक गई थी। विमान में कोई डॉक्टर यात्री भी नहीं था, जो उसकी सहायता कर पाता। ऐसे में पायलट ने

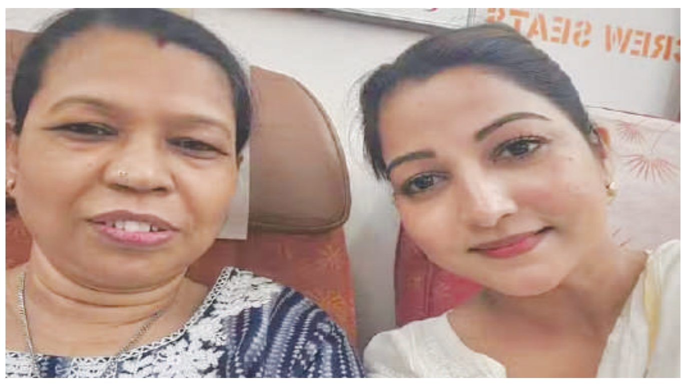

पाकिस्तान से विमान को उनके एयरपोर्ट पर लैंड करवाने की आज्ञा मांगी। हालांकि इसमें काफी समय लग गया। विमान में सभी यात्री महिला को लेकर परेशान थे। ऐसे में अमृतसर एक युवती यशोदा शंकर ने विमान के क्रू मेंबर्स से कहा कि वह डॉक्टर तो नहीं है, लेकिन आध्यात्मक के जरिये महिला को बचाने का प्रयास कर सकती है।

पांच मिनट बाद चलने लगी धड़कन

क्रू मेंबर्स ने कहा कि आप जल्दी ही कुछ कीजिए। यशोदा ने महिला के आज्ञा चक्र मस्तिष्क के मध्य भाग जहां तिलक लगाया जाता है, पर हाथ रखा और ईश्वर की स्तुति की। कुछ मंत्रोच्चारण भी किए। लगभग पांच मिनट बाद महिला की धड़कनें चलने लगीं और वह उठ खड़ी हुई।

महिला बोली- मुझे लगा मैं मर रही हूं

महिला ने अपना नाम कृष्णा भौमिक बताया। वह कोलकाता की रहने वाली है। उसने कहा कि जब वह बेसुध हुई तो उसे लगा की अब जीवन का अंतिम क्षण आ गया है। मेरी आंखें बंद हुईं। लोक परलोक दोनों दिखाई देने लगे। मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि मैं मृत्यु पर विजय प्राप्त कर पुनः लौटी हूं।

यात्रियों ने यशोदा के पैर छुए

कृष्णा ने यशोदा का धन्यवाद किया। महिला ने भावुक होकर उसने यशोदा को कुछ राशि भेंट करने की पेशकश की, लेकिन यशोदा ने इससे इनकार कर दिया। महिला की सांसें चलते देखकर विमान में सवार कुछ यात्रियों ने यशोदा के चरणों को स्पर्श किया और सेल्फी भी ली।

यशोदा बोलीं- आध्यात्म में बहुत शक्ति

विमान में सवार सभी यात्री भी हतप्रभ रह गए। उन्होंने यशोदा को धन्यवाद किया। वहीं यशोदा ने कहा कि आध्यात्म में बहुत शक्ति है। वह निम्बार्क संप्रदाय की साधक हैं और और वर्तमान में मुंबई में रहती हैं। मैंने गुरु मंत्र किया और ईष्ट को प्रणाम कर उन्हें अंर्तमन से स्मरण किया। मुझे पूर्ण विश्वास था कि ईश्वर इन्हें स्वस्थ्य कर देंगे।

महिला ने फांसी लगाकर किया सुसाइडःसाथ सोए बेटे ने देखा शव

शिवपुरी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। शिवपुरी शहर के फिजिकल थाना क्षेत्र के कमलागंज घोसीपुरा क्षेत्र में एक 34 साल की महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। रात दो बजे जब साथ सो रहा उसका बेटा उठा तो उसके सामने मां का शव फांसी के फंदे पर था। बता दें डेढ़ साल पहले महिला के पति की मौत हो चुकी हैं, तभी से महिला परेशान और बीमार भी रहने लगी थी। फिजिकल थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर रविवार को महिला के शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी हैं। कमलागंज घोसीपुरा के रहने वाले रूपेन्द्र शाक्य ने बताया कि उसके भाई त्रिलोक शाक्य की मौत करीब डेढ़ साल पहले छत से गिरकर हो गई थी। तभी भाई की पत्नी आरती शाक्य (34) परेशान और बीमार रहने लगी थी। उनके एक 13 साल बेटा भी हैं। रात 12 बजे के घर में उसके कमरे का निर्माण कार्य चला था। इसके बाद वह अपनी मां के साथ सो गया था और उसकी भाभी आरती अपने बेटे के साथ अपने कमरे में जाकर सो गई थी।

मंदिर की 100 करोड की सरकारी जमीन कराई मुक्त भू माफिया बाउंड्री बनाकर कर रहा था प्लाटिंग

ग्वालियर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। ग्वालियर शहर के मध्य स्थित तारागंज कोटा लश्कर में श्री रामजानकी मंदिर ट्रस्ट की लगभग पौने नौ बीघा सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। इस जमीन की कीमत करीब 100 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जमीन पर बनी बाउंड्रीवॉल और अन्य अतिक्रमण को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। 18 नवंबर को कलेक्टर रुचिका चौहान ने इस जमीन का निरीक्षण किया था। उन्होंने ट्रस्ट की जमीन पर पाई गई बाउंड्रीवॉल के मामले में प्रकरण दर्ज कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। एसडीएम लश्कर, नरेंद्र बाबू यादव के नेतृत्व में श्री रामजानकी मंदिर ट्रस्ट की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया कि इस जमीन पर मनोहरलाल भल्ला ने अवैध रूप से बाउंड्रीवॉल बना ली थी और प्लॉट बेचने की तैयारी कर रहा था। जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई कर न केवल इस बेशकीमती सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया, बल्कि लोगों को प्लॉट की जालसाजी में फंसने से भी बचा लिया।

क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक प्रदीप महाकाली और पटवारी इकबाल खान की रिपोर्ट पर नायब तहसीलदार डॉ। रमाशंकर सिंह के न्यायालय में मध्यप्रदेश भू-संहिता की धारा 248 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। इस प्रकरण में विधिवत आदेश पारित कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

महाराष्ट्र चुनाव में जीत का जश्न मनाने के दौरान लगी आग, विधायक समेत कई महिलाएं घायल

कोल्हापुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। इस चुनाव में महायुति ने शानदार जीत हासिल की है और महाविकास अघाड़ी को हार का मुंह देखना पड़ा है। इस बीच कोल्हापुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां चुनाव में जीत का जश्न मनाने के दौरान आग लग गई है, जिसमें विधायक समेत कुछ महिलाएं भी घायल हो गई हैं। कोल्हापुर जिले के चंदगड विधानसभा चुनाव क्षेत्र से चुनाव में जीते विधायक शिवाजी पाटिल का कार्यकर्ताओं की ओर से अभिनंदन किया जा रहा था। चंदगढ़ तहसील के महागांव में, शिवाजी पाटिल की कुछ महिलाओं द्वारा जब आरती उतारी जा रही थी, तभी कार्यकर्ताओं द्वारा उनके ऊपर जेसीबी मशीन से बड़ी मात्रा में गुलाल गिराया गया। जब महिलाएं आरती कर रही थीं, तभी गुलाल के गिरने से आग की लपटें जोर से उठने लगीं। गुलाल में मिलाए गए केमिकल की वजह से यह आग लगी थी। मिली जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में कुछ महिलाएं और विधायक शिवाजी पाटिल घायल हुए हैं। खबर मिली है कि चंदगड विधानसभा चुनाव क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक शिवाजी पाटिल को इस आग की वजह से ज्यादा नुकसान पहुंच सकता था, हालांकि उन्हें मामूली चोटें आई हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह एक जेसीबी से गुलाल को कार्यकर्ताओं के ऊपर गिराया जा रहा था और अचानक आग लग जाती है। आग के बड़े उबाल के बीच मौके पर भगदड़ मच जाती है और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर उधर भागने लगते हैं। शिवाजी पाटिल बीजेपी के बागी उम्मीदवार थे और उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में यह चुनाव लड़ा था और वे भारी वोटों से चुनाव जीते हैं। उन्होंने मौजूदा विधायक राजेश पाटिल को हराया है, जो इस चुनाव में अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार थे।

मुसलमानों का करें बॉयकॉट इस बयान पर सज्जाद नोमानी ने मांगी माफी, महाराष्ट्र नतीजे के बाद बदले सुर

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बीजेपी को मिली बंपर जीत के बाद ऑल इंडिया एकता फोरम के अध्यक्ष और इस्लामी प्रचारक मौलवी सज्जाद नोमानी के सुर बदल गए। उन्होंने महाराष्ट्र में बीजेपी को सपोर्ट करने वाले मुसलमानों का बॉयकॉट करने वाले बयान को लेकर माफी मांगी है। सज्जाद ने कहा कि मेरा वह बयान किसी समाज के खिलाफ नहीं था या किसी प्रकार से फतवा नहीं था। फिर भी यदि किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं अपने शब्द वापस लेता हूं और बिना शर्त माफी मांगता हूं। मौलवी सज्जाद ने विस्तार से माफीनामा लिखा है। सज्जाद नोमानी ने कहा कि भाजपा का समर्थन करने वाले मुसलमानों का बॉयकॉट करने का

जो मेरा बयान था, वह इस समय काफी चर्चा में है। मेरा यह बयान लोकसभा चुनाव से पहले काफी पहले सितंबर 2024 का है। मैंने विशेष संदर्भ में कई लोगों के सवाल के जवाब में ये बयान दिया था। ये वो लोग थे जिनको लोकसा चुनाव में वोट डालने को मौलिक अधिकार से रोका गया था। मेरा यह बयान उन लोगों के लिए था जो भारत के आम नागरिक को मतदान करने के संवैधानिक अधिकार से रोक रहे थे। मेरा यह बयान किसी भी समाज के लिए बिल्कुल भी नहीं था और न ही वह किसी प्रकार का फतवा था। अगर मेरे उस बयान से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं उसके लिए माफी मांगता हूं।

मौलाना सज्जाद नोमानी ने क्या कहा था?

महाराष्ट्र चुनाव से पहले मौलान सज्जाद नोमानी ने कहा था कि हमने 269 सीटों पर महा विकास अघाड़ी के उम्मीदवारों को समर्थन देने का फैसला किया है। उन्होंने एक वीडियो में बीजेपी को वोट नहीं देने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि आप लोग बीजेपी का बॉयकॉय करें। सज्जाद ने कहा कि अगर आपके इलाके में कोई बीजेपी को वोट देता है तो उसका हर जगह से बॉयकॉट करें। उसका हुक्का पानी बंद करें। नोमानी ने आगे कहा कि अगर महाराष्ट्र में बीजेपी की हार हुई तो दिल्ली सरकार बहुत दिन नहीं रहेगी। वोट जिहार मरकज है और आप लोग महा विकास अघाड़ी का साथ दे। उद्धव, शरद, राहुल और नाना पटोले का साथ दें। सज्जाद ने इस बयान के बाद जमकर बवाल हुआ था।

एमपी के नए डीजीपी कैलाश मकवाना

तेज़-तर्रार अफसर, साढ़े तीन साल में हुए सात ट्रांसफर, 1 दिसंबर को संभालेंगे पद

भोपाल, 24 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएस अधिकारी कैलाश मकवाना को मध्य प्रदेश का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया है। वे प्रदेश के 32वें डीजीपी होंगे। 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी कैलाश मकवाना प्रदेश के 32वें डीजीपी होंगे। 1 दिसंबर 2024 को वह यह पद ग्रहण करेंगे, जब वर्तमान डीजीपी सुधीर सक्सेना अपने कार्यकाल के बाद रिटायर हो जाएंगे। रविवार को डीजीपी सुधीर सक्सेना कैलाश मकवाना को बधाई देने उनके निवास पहुंचे। सुधीर सक्सेना ने मार्च 2020 में डीजीपी के रूप में पदभार संभाला था। कैलाश मकवाना के पास कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां रही हैं, जिनमें मध्य प्रदेश पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन के चेयरमैन का पद भी शामिल है। कैलाश मकवाना 30 नवंबर 2026 तक डीजीपी रहेंगे। ऐसे में साफ है कि अब 1990 बैच तक के अफसर डीजीपी नहीं बन पाएंगे। 1988 बैच के अरविंद कुमार मई 2025 में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। वहीं, 1989 बैच के अधिकारी अजय कुमार शर्ता अगस्त 2026 और इसी बैच के जीपी सिंह जुलाई 2025 में रिटायर्ड होंगे।

कैलाश मकवाना को तेज़-तर्रार और मेहनती अफसर माना जाता है। उन्होंने हमेशा भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़े कदम उठाए हैं। शिवराज सरकार के कार्यकाल में वह लोकायुक्त के डीजी के रूप में नियुक्त हुए थे, लेकिन महज छह महीने बाद उनका तबादला कर दिया गया। उनके कार्यकाल में लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कई ठंडे बस्ते में पड़ी फाइलें खोलीं और महत्वपूर्ण जांचों को आगे बढ़ाया। इसके अलावा, महाकाल लोक कॉरिडोर के मामले में भी उन्होंने कार्रवाई की थी। मकवाना का पुलिस विभाग में करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उन्होंने साढ़े तीन साल के दौरान सात बार अपना स्थान बदला था, जिसमें कमलनाथ सरकार के दौरान तीन बार उनका ट्रांसफर हुआ था। उनके ट्रांसफर की सूची में एडीजी इंटेलिजेंस, एडीजी नारकोटिक्स, एडीजी सीआईडी, और एडीजी प्रशासन जैसी प्रमुख पदों पर कार्य करना शामिल है।

पंजाब में आप की जीत के बाद अरविंद केजरीवाल बोले- 'दिल्ली जीतकर रचेंगे ये इतिहास'

चंडीगढ, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब विधानसभा उपचुनाव के 4 में से 3 विधानसभा सीटों पर शानदार जीत ने आम आदमी पार्टी में जोश और उत्साह भर दिया। इस जीत के बाद पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 2013, 2015, 2020 के बाद आम आदमी पार्टी अब 2025 में दिल्ली चुनाव जीतकर लगातार सबसे ज्यादा सरकार बनाने का पार्टी इतिहास रचेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब का परिणाम दिल्ली चुनाव का सेमीफाइनल है। साथ ही, यह परिणाम 2027 में होने वाले पंजाब चुनाव का भी सेमीफाइनल था। जनता ने बता दिया कि आप सरकार अच्छा काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आप ने पंजाब में 4 में से 3 सीटों पर भारी मतों के अंतर से जीत दर्ज की है। इस सीटों को 2022 की आंधी में भी हम नहीं जीत पाए थे। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि क्या है यह मॉडल ऑफ गर्वनेंस? यह मॉडल ऑफ गर्वनेंस है कि आम आदमी की दिन पर दिन की सहूलियत, आम आदमी की जिंदगी को कैसे बेहतर किया जाए। अभी तक इस देश के अंदर 70 साल में दूसरी पार्टियां इस बारे में बात ही नहीं करती थीं। जनता की बात ही नहीं करती थी। जनता की सहूलियत, बिजली, पानी, सड़क, इनकी बात ही नहीं करती थी। पहली बार हमने दिल्ली में 24 घंटे बिजली दी। हमने बिजली मुफ्त कर दी।

'आम आदमी यही तो चाहता है'

हमने पानी मुफ्त कर दिया। हमने बच्चों के लिए शानदार स्कूल बना दिए। एक आम आदमी क्या चाहता है? वो यही तो चाहता है कि उसका बच्चा अच्छे स्कूल में पढ़ें, उन्हें अच्छी शिक्षा मिले। पहले आम आदमी अपना पेट काटकर बच्चों को प्राइवेट स्कूल में भेजता था। अब आम आदमी ने अपने बच्चों को दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों में भेजना बंद कर दिया। सरकारी स्कूल इतने शानदार बन गए। एक आम आदमी यही तो चाहता है कि घर में कोई बीमार हो जाए तो उसका अच्छा इलाज हो जाए। उसके लिए हमने शानदार सरकारी अस्पताल बना दिए। मोहल्ला क्लीनिक बना दिया और उनका सारा इलाज मुफ्त कर दिया। बसों के अंदर महिलाओं का किराया मुफ्त कर दिया। एक तरफ हमने आम आदमी को महंगाई से छुटकारा दिलाया तो दूसरी तरफ दिल्ली के इंफ्रास्ट्रक्चर को भी शानदार बनाया।

दिल्ली मॉडल पंजाब में लागू

दिल्ली मॉडल अब पंजाब पहुंच गया है। वहां भी वो सारे काम हो रहे हैं जो दिल्ली में हो रहे थे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दो पार्टियों के राज से पंजाब भी बहुत पीड़ित था। कभी ये पार्टी, कभी वो पार्टी। इनका नंबर आता था तो ये लूटते थे। उनका नंबर आता था, तो वो लूटते थे। 2022 में पंजाब ने ऐतिहासिक बहुमत दिया और 117 में से 92 सीट देकर आम आदमी पार्टी को जिताया।

बडनेरा सीट पर नवनीत राणा के पति का क्या हुआ

जनता ने चौथी बार जताया भरोसा? शिवसेना यूबीटी का हाल

बडनेरा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में इस बार विधानसभा चुनाव के परिणाम अप्रत्याशित रहे हैं। महायुति को चुनाव नतीजों में प्रचंड बहुमत मिली है। वहीं अमरावती जिले में स्थित बडनेरा विधानसभा सीट से नवनीत राणा के पति और राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी के रवि राणा 127800 मतों के साथ चुनाव जीत गए हैं। जबकि निर्दलीय प्रत्याशी प्रीति और शिवसेना यूबीटी के उम्मीदवार सुनील खराते को हार का सामना करना पड़ा। राज्य की इस सीट पर रवि राणा निर्दलीय चुनाव लड़कर जीतते हुए आ रहे हैं।

इस बार यहां की जनता ने चौथी बार रवि राणा पर विश्वास दिखाया है। रवि राणा लागातार चौथी बार बडनेरा से विधानसभा पहुंचने में कामयाब रहे। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी प्रीति संजय को 66397 वोटों के अंतर से हराया। रवि राणा को 127800 मिले। जबकि प्रीति संजय 60,099 वोट जुटाकर दूसरे नंबर पर रहीं। तीसरे पर अटकी शिवसेना यूबीटी को महज 6744 वोट मिले।

2019 के आंकड़े

विधानसभा चुनाव 2019 में बडनेरा विधानसभा सीट पर एक बार फिर से रवि राणा ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पर्चा भरा था। वह लगातार तीसरी बार जीत के लिए मैदान में उतरे थे। शिवसेना ने उनके खिलाफ प्रीति संजयराव बंड को टिकट दिया, वीबीए ने प्रमोद यशवंतराव इंगले को टिकट दिया। रवि राणा और प्रीति बंड के बीच ही मुख्य रूप से टक्कर दिखाई दी। प्रीति को कुल 74919 वोट मिले थे, जबकि रवि राणा को 90460 वोट मिले। रवि ने शानदार जीत दर्ज की थी। बडनेरा विधानसभा सीट पर करीब 26 प्रतिशत दलित वोट बैंक है। आदिवासी वोटर्स भी यहां पर गेम चेंजर की भूमिका में हैं। इनका वोट शेयर छह प्रतिशत के करीब हैं। मुस्लिम वोटर्स करीब 15 प्रतिशत है। यहां करीब 77 प्रतिशत ग्रामीण वोट बैंक है बाकी शहरी वोटर हैं।

बिरयानी को पीछे छोड़ आईटी में आगे बढ़ा हैदराबाद

आर.के. सिन्हा

अगर आप देश के किसी छोटे-बड़े शहर या महानगर में रहते है, तब आपको मालूम होगा कि आपके अड़ोस-पड़ोस कुछ नौजवान नौकरी करने के लिए हैदराबाद भी चले गए हैं। यह भी मुमकिन है कि आपके अपने घर-परिवार से भी कुछ बच्चे अब तक चारमीनार और बिरयानी के लिए मशहूर हैदराबाद शहर की किसी टेक या फार्मा सेक्टर की कंपनी में जाकर काम करने लगे हों। दरअसल हैदराबाद गुजरे बीस-पच्चीस सालों में दुनिया के आई टे सेक्टर के नक्शे के केंद्रबिंदु पर आ गया है। शायद ही दुनिया की कोई मशहूर आईटी कंपनी हो, जिसके ऑफिस तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में न हो । अगर आज हैदराबाद इस मुकाम पर पहुंचा है, तो इसका श्रेय्र आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को तो देना ही होगा। वरिष्ठ लेखक दिनेश सी. शर्मा ने अपनी हाल ही में प्रकाशित किताब बियॉन्ड बिरयानीः द मेकिंग ऑफ ए ग्लोबलाइज्ड हैदराबाद ((बिरयानी से आगेः एक वैश्वीकृत हैदराबाद का निर्माण) में हैदराबाद के तेजी से बदले चेहरे की कहानी बयां की है। चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश में अपने पूर्ववर्तियों द्वारा रखी गई ठोस वैज्ञानिक अनुसंधान और आर्थिक नींव का लाभ उठाया। हैदराबाद के आईटी पावर हाउस बनने से पहले ही यहां वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान के लिए वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएलएसआईआर) की तरफ से प्रयोगशालाएं स्थापित हो चुकी थीं। यहां से योग्य वैज्ञानिक देश-दुनिया को मिल रहे थे। इसी तरह से यहां इंडियन ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड (आईडीपीएल) और इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) जैसे संस्थान भी पहले से थे। इनका लक्ष्य अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाना था। इन दोनों सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों ने

> **हैदराबादी बिरयानी के कद्रदान कहते हैं कि हैदराबादी बिरयानी के सामने मुरादाबादी, दिल्ली और मालाबार की बिरयानी को उन्नीस ही हैं। हैदराबादी बिरयानी में मसालेदार, पका हुआ चावल, मांस और नारियल और केसर का तड़का लगाया जाता है।**

तकनीकी जनशक्ति का एक बड़ा आधारसेतु विकसित कर दिया था, जिसने उद्यमियों के लिए नए क्षेत्रों में प्रवेश करने के लिए आधार तैयार किया। देश में 1991 के बाद आर्थिक उदारीकरण की हवा बहने लगी। लाइसेंस परमिट कोटा राज का बड़ी मुश्किल से ही सही , पर धीरे- धीरे अंत हुआ। इसके बाद 1993 में कर्नाटक सरकार ने दूसरे प्रौद्योगिकी एन्क्लेव के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी पार्क बनाने के लिए टाटा समूह और सिंगापुर स्थित कंपनियों को अपने साथ जोड़ा। उसे सफलता भी मिली। तब हैदराबाद में ऐसा कोई तकनीकी केंद्र विकसित नहीं हो पाया था। अब चंद्रबाबू नायडू 1995 में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। वह हैदराबाद को सूचना प्रौद्योगिकी में बैंगलुरू को हराना चाहते थे। उन्होंने अपने सरकारी अफसरों को साफ कह दिया था कि हैदराबाद को सूचना प्रौद्योगिकी में लंबी- ऊंची छलांग लगानी है। हैदराबाद के पास इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए सब कुछ था: तकनीकी जनशक्ति का एक बड़ा आधार, प्रौद्योगिकी क्षेत्र में काम करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और अनुसंधान संस्थानों और उद्यमियों की एक श्रृंखला , जो जोखिम उठाने को तैयार थी। लेकिन , हैदराबाद में बुनियादी ढाँचे का अभाव था जैसे एक प्रौद्योगिकी एन्क्लेव, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति, अच्छी सड़कों का जाल और अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा। चंद्रबाबू नायडू की सरकार ने इन सब क्षेत्रों पर एक साथ काम किया और हैदराबाद की भारत और भारत से बाहर निवेशकों के बीच गंभीरता से मार्केटिंग भी की। उन्होंने विज्ञान पार्क मॉडल को अपनाया, जिसे पश्चिम के साथ-साथ दक्षिण कोरिया, ताइवान और मलेशिया जैसे पूर्वी एशियाई देशों में प्रौद्योगिकी आधारित आर्थिक विकास और विकास के मॉडल के रूप में सफलतापूर्वक आजमाया गया था। बेशक, चंद्रबाबू नायडू ने साबित कर दिखाया कि अगर आप में इच्छा शक्ति हो तो आप अपने प्रदेश या देश की किस्मत बदल सकते हैं। वह पहली बार लगभग तीन दशक पहले अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने अपने ससुर एनटी रामाराव को सत्ता से बेदखल कर दिया था। चंद्रबाबू नायडू ने अपनी इमेज एक उद्योग-समर्थक और प्रौद्योगिकी-समर्थक वाले नेता की बनाई । उन्होंने हैदराबाद को आईटी हब के रूप में स्थापित करने में दिन-रात की मेहनत की। राज्य का मुख्यमंत्री बनने के बाद वे माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स से मिले। उस मुलाकात के बाद से ही हैदराबाद बदलने लगा। वहां दुनिया भर की चोटी की आईटी कंपनियों ने अरबों रुपए का निवेश किया। बिल गेट्स किसी काम के लिए राजधानी दिल्ली में थे। चंद्रबाबू को पता चला कि गेट्स राजधानी में हैं। वह गेट्स से मिलने की कोशिश कर ही रहे ही थे। उनकी तरफ से अमेरिका एंबेसी के अधिकारियों से गुजारिश की गई कि उनकी (नायडू) गेट्स से मुलाकात करवा दी जाए। उन्हें बताया गया कि गेट्स बहुत व्यस्त हैं, और अगर वे सच में उनसे मिलने को इच्छुक हैं तो वे शाम को एँबेसी में आयोजित पार्टी में शामिल हो जाएं। वहां गेट्स मिलेंगे। वहां तय समय पर नायडू पहुंच गए , गेट्स से मिलने। वहां दोनों मिले। नायडू ने एक लैपटॉप के माध्यम से गेट्स को प्रेंजटेशन दिया। इस तरह से प्रेजंटेशन देने वाले नायडू पहले भारत के नेता थे। यह सब देखकर गेट्स काफी प्रभावित हुए। इसके बाद हैदराबाद में माइक्रोसॉफ्ट का विकास केंद्र स्थापित हुआ। उसके बाद तो हैदराबाद और आंध्र प्रदेश में दर्जनों आईटी कंपनियों ने तगड़ा निवेश किया। खैर,हैदराबाद की बात होगी तो बिरयानी की चर्चा तो अवश्य ही होगी ही। दिनेश सी. शर्मा बियॉंड बिरयानी में हैदराबादी बिरयानी की अखिल भारतीय स्तर पर लोकप्रियता को आर्थिक उदारीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण से जोड़कर देखते हैं। पिछले साल जोमेटो से हरेक सेकिंड 3.19 बिरयानी के ऑर्डर दिए गए। उधर स्विगी को हरेक सेकिंड 2.5 ऑर्डर मिले। इनकी कुल संख्या करोड़ों में है। इनमें सर्वाधिक ऑर्डर हैदराबादी बिरयानी के लिए थे। बीते दो-तीन दशकों के दौरान हैदराबाद की टेक और फार्मा कंपनियों में काम करने के लिए देशभर से नौजवान पहुंचने लगे। इसी तरह से हैदाराबादी भी अपने शहर से कामकाज के सिलसिले में बाहर निकले। इस तरह की दो-तरफा आवाजाही से हैदराबादी बिरयानी लोकप्रिय होती गई और बिरयानी बेचने वालों की चांदी हो गई। बिरयानी समोसे की तरह, मध्य एशिया से भारत आई। कहा यह भी जाता है कि केरल का मालाबार वह इलाक़ा है जहां अरब व्यापारी सबसे पहले आए।वे अपने साथ बिरयानी भी लाए। बिरयानी अब हमारी हो चुकी है। हालांकि हैदराबादी बिरयानी के कद्रदान कहते हैं कि हैदराबादी बिरयानी के सामने मुरादाबादी, दिल्ली और मालाबार की बिरयानी को उन्नीस ही हैं। हैदराबादी बिरयानी में मसालेदार, पका हुआ चावल, मांस और नारियल और केसर का तड़का लगाया जाता है। अगर इसे कायदे से बनाए तो खाने वाले का पेट भर सकता है,पर नीयत नहीं। बहरहाल, हैदराबाद की पहचान अब सिर्फ बिरयानी भर से ही नहीं होती।हैदराबाद अब आई टी का एक बड़ा केंद्र बनकर उभरा है ।

हार से कांग्रेस में हाहाकार

महाराष्ट्र में कांग्रेस गठबंधन की करारी हार से पार्टी को ऐसा झटका लगा है कि इससे उबरने में कम से कम पांच साल तो लगेंगे ही। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र में हार से कांग्रेस बेचैन है कि वह भाजपा से लडे तो कैसे लडे। महाराष्ट्र की हार ने इंडिया गठबंधन के भविष्य और एकता पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस हार के बाद बीजेपी विरोधी राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस की धुरी बनने की कोशिशों को भी झटका लगा है। हालांकि, झारखंड में जेएमएम नीत गठबंधन की लगातार दूसरी जीत ने विपक्ष को जरूर मलहम लगाया है। लेकिन महाराष्ट्र में करारी शिकस्त के आगे झारखंड की जीत कुछ भी नहीं है। इसीलिए कांग्रेस मुख्यालय में निराशा साफ दिखाई दे रही है। वायनाड में प्रियंका गांधी वाड्रा की जबरदस्त जीत के बाद भी उत्साह नजर नहीं आया। ऐसे में सवाल लाजमी है कि लगातार हार के बावजूद कांग्रेस एक्शन मोड पर क्यों नहीं आती? कांग्रेस आलाकमान पर स्वनामधन्य पदाधिकारी ही हावी हैं। गांधी परिवार की वजह से पार्टी को थोड़ी राहत तो मिलती है लेकिन महाराष्ट्र की हार ने 'गांधी-वाड्रा करिश्मे' पर भी सवाल खडे कर दिए हैं। इसी साल संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 99 सीटें जीतकर बीते एक दशक में अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया था। फिर भी यह कांग्रेस का लोकसभा चुनाव में तीसरा सबसे खराब प्रदर्शन था। इसमें कांग्रेस ने ज्यादातर वो सीटें जीतीं जो बीजेपी विरोधी दलों के खिलाफ लड़ी गई थीं। राहुल गांधी ने जिस तरह से प्रचार अभियान चलाया, वह 'अटका हुआ रिकॉर्ड-प्लेयर' जैसा लगा। वे 'संविधान बचाओ' और 'जाति जनगणना' जैसे मुद्दों पर अटके रहे। जबकि ये चुनाव स्थानीय मुद्दों, सामाजिक समीकरणों और लोकसभा चुनाव के बाद रणनीतिक बदलावों पर लड़े गए थे। बीजेपी और आरएसएस ने जहां अपने चुनाव प्रचार में समन्वय बिठाया। 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसे नारों के जरिए जातीय विभाजन को रोकने की कोशिश की। मराठा आरक्षण आंदोलन के खिलाफ ओबीसी समुदाय के गुस्से को भुनाया और 'लाडकी बहिन' जैसी कल्याणकारी योजनाओं का भी लाभ लिया। इसके विपरीत, झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले कैंपेन ने महिलाओं के लिए कल्याणकारी योजनाओं, आदिवासियों की एकता को मजबूत करने और बीजेपी के 'घुसपैठियों' वाले मुद्दे के खिलाफ सहानुभूति बटोरने पर ध्यान केंद्रित किया। फिलहाल कांग्रेस कठिन परिस्थितियों में भी राहुल गांधी के चुनाव प्रचार के तरीके का बचाव कर रही है। महाराष्ट्र चुनाव ने राहुल गांधी और उद्धव ठाकरे की 'अडानी' को चुनावी मुद्दा बनाने की रणनीति को भी विफल कर दिया। पहले उन्होंने 'अडानी और मोदी एक हैं तो सेफ हैं' का नारा दिया और फिर धारावी पुनर्विकास योजना से अडानी परियोजना को हटाने का वादा किया। इसके साथ ही महाराष्ट्र-गुजरात में दूरी बढ़ाने की कोशिश की। कांग्रेस नीत विपक्ष संसद सत्र में अडानी के खिलाफ अमेरिका में लगाए गए आरोपों को उठाने की तैयारी में है। लेकिन महाराष्ट्र की हार का गम उनकी ऊर्जा और एकता को प्रभावित करेगी। कर्नाटक की तीनों सीटों पर जीत और मध्य प्रदेश में एक सीट बरकरार रखने के अलावा, राजस्थान, असम, पंजाब और गुजरात में कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है।

महिला मतदाताओं की मुखरता से बदलती चुनावी नतीजों की तस्वीर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

महाराष्ट्र विधान सभा के चुनावों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका हो गई है। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों में महिलाओं के 6 प्रतिशत अधिक मतदान ने चुनावी परिणामों को ही पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। इसी साल की शुरुआत में हुए लोकसभा के चुनाव परिणामों से महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महाअघाड़ी गठबंधन अतिउत्साह में था और लगभग यह मानकर ही चल रहे थे कि महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे उनके पक्ष में ही होंगे। अत्यधिक आत्मविश्वास के चलते चुनावी अभियान को सही दिशा व समझ नहीं बैठा पाएं और इसका परिणाम यह रहा कि भाजपा नीत गठबंधन ने विजय के सारे रेकार्ड तोड़ दिए। माने या ना माने पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका रही।

मध्यप्रदेश से निकली लाड़ली बहना महाराष्ट्र तक आते आते माझी लाड़की बहना योजना ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा इसी साल लागू करने और चुनाव से पहले ही तीन किश्तें लक्षित महिलाओं के खातों में जाने से पूरा माहौल ही बदल गया। योजना शुरु करने पर विपक्ष ने विरोध किया और यहां तक कि कोर्ट में जनहित याचिकाएं लगाई गई पर कोर्ट द्वारा योजना को सही ठहराने और सीधे खाते में पैसे आने से महिलाओं में सरकार के प्रति विश्वास जगा वहीं महाअघाड़ी गठबंधन महिलाओं से जुड़ी इस योजना को समझने में ही देरी कर दी और भले ही बाद में चुनाव घोषणा पत्र या यों कहे कि चुनावी वादों में अधिक पैसा देने का वादा भी किया पर महिलाओं का विष्वास नहीं जीत पाएं। परिणाम सामने हैं जो मिल रहा है वह बढ़कर मिलेगा इस पर महिलाओं ने अधिक विश्वास जताया। सही मायने में देखा जाए तो महिला शक्ति गेम चेंजर बन कर सामने आई। कहा तो यहां तक जाने लगा है कि महिलाएं जिनके साथ है सत्ता भी उनके हाथ ही लगेगी। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफे काबिल है। गत चुनावों चाहे वे लोकसभा के हों या राज्यों की विधानसभाओं के देश की महिला वोटरों ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मजे की बात यह भी है कि चुनाव में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक मुखर होकर मतदान किया है। अब तो यह माना जाने लगा है कि देश के एक दर्जन के करीब राज्यों में महिलाओं के वोट ही नई सरकार के गठन में बड़ी भूमिका निभाने लगे हैं। तस्वीर का सकारात्मक पक्ष यह भी है कि मतदान ही नहीं चुनावों में सक्रियता से हिस्सा लेने और चुनावों में उम्मीद्वारी जताने में भी महिलाएं आगे आई हैं। देश के पहले और दूसरे लोकसभा के आमचुनावों में जहां 22 महिला सांसद चुन कर आई थी वहीं गत 2024 के आमचुनाव में 74 महिला सांसद चुन कर आई। हांलाकि आधी आबादी को मुख्य धारा में लाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नए नए सब्जबाग दिखाने के बावजूद टिकट वितरण के समय महिलाओं की हिस्सेदारी कम ही रह जाती है। अनुभव तो यही बताता है कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा आधी तो दूर की बात एक तिहाई सीटों पर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए जाते है। इस बार महाराष्ट्र चुनावों में 50 महिलाओं को टिकट दिए गए और 21 महिलाएं चुनाव जीत कर विधायक बनी है। सबसे अच्छी बात यह है कि गॉव हो या शहर महिलाएं अब घर की चार दीवारी में कैद रहने वाली या पुरुष के कहे अनुसार मतदान करने वाली नहीं रही है।

राष्ट्रीय पार्टियों के दबदबे से क्षेत्रीय दलों में घबराहट

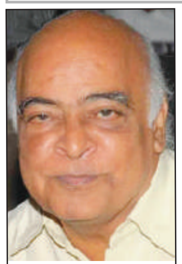
अशोक भाटिया

इस वर्ष 2024 में हुए केंद्र व राज्यों के चुनावों में देखने लायक सबसे बड़ी बात यह है कि मतदाताओं ने क्षेत्रीय दलों की अपेक्षा राष्ट्रीय पार्टियों को वोट देना उचित समझा । हालिया रिजल्ट देख कर क्षेत्रीय दलों में घबराहट है और खास कर उन दलों में जो एक विशेष जाति या समुदाय के भरोसे राजनीति करते है । हाल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के नतीजों में महायुति को प्रचंड जीत हासिल हुई है। बीजेपी लगातार तीसरी बार राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी बीजेपी ने 132 सीटें जीती हैं। महायुति में शामिल मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को 57 सीटों पर जीत मिली है तो वहीं महायुति के तीसरे सबसे बड़े घटक अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को कुल 41 सीटें मिली हैं। कुछ अन्य छोटे सहयोगियों को मिलाकर महायुति ने राज्य की 288 सीटों में 234 पर जीत हासिल की है। विधानसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (एमवीए) को सिर्फ 48 सीटें मिली हैं। इनमें उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना को सर्वाधिक 20, कांग्रेस पार्टी को 16 और शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी ने 10 सीटों पर जीत हासिल की है। समाजवादी पार्टी को दो सीटों पर जीत मिली है। छोटे दलों को केवल 10 सीटें मिली है . उन 10 सीटों में कुछ छोटे दल और निर्दलीय शामिल हैं।असुदद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली एआईएमआईएम को विधानसभा चुनावों में सिर्फ एक सीट जीत मिली। पार्टी के उम्मीदवार ने 162 वोट से जीतकर मालेगांव सेंट्रल सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा। इनमें जन सुराज्य शक्ति 2 , कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (एम)1 , पीजेंट एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया 1 .निर्दलीय 2 . राज ठाकरे की अगुवाई वाली मनसे को राज्य में 1.55 फीसदी वोट मिले। तो वहीं महाराष्ट्र की 230 से अधिक सीटों पर लड़ी बहुजन समाज पार्टी को सिर्फ 0.48 फीसदी वोट मिले। इससे पूर्व हरियाणा व जम्मू-कश्मीर के चुनाओं को देखें तो उसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन भारतीय जनता पार्टी पर भारी पड़ा पर भले ही सरकार नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन कि बनी पर भारतीय जनता पार्टी का वोट प्रतिशत 25.64% रहा, जो नेशनल कॉन्फ्रेंस से अधिक रहा । दूसरे दलों की बात करें तो वे दूर – दूर तक दिखाई नहीं दिए । नेशनल कॉन्फ्रेंस- 42 बीजेपी-29 कांग्रेस-6 पीडीपी-3 मार्क्सवादी म्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम)- 1 जम्मू और कश्मीर पीपुल कॉन्फ्रेंस (जेपीसी)-1 आम आदमी पार्टी-1 स्वतंत्र उम्मीदवार- 7 यानी वर्चस्व बड़े दलों का रहा . यदि हरियाणा के चुनाव को देखा जाय तो वहां सीधी लड़ाई कांग्रेस व भाजपा में रही , और आंकड़े देखे तो कांग्रेस ने सीपीएम के साथ मिलकर 90 सीटों पर चुनाव लड़ा और एक सीट सीपीएम को दी. वहीं भाजपा ने 89 सीटों पर चुनाव लड़ा. दुष्यंत चौटाला की जेजेपी ने चंद्रशेखर आजाद की एएसपीकेआर (ASPKR) के साथ मिलकर कुल 78 सीटों पर चुनाव लड़ा. जेजेपी 66 सीटों पर लड़ी तो एएसपीकेआर 12 सीटों पर. वहीं अभय चौटाला की आईएनएलडी और बसपा (BSP) ने कुल 86 सीटों पर चुनाव लड़ा. इसमें आईएनएलडी 51 सीटों पर तो बसपा 35 सीटों पर चुनाव लड़ी. अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी तो सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ी.भाजपा को 48 सीट व कांग्रेस को 37 सीट , इंडियन नेशनल लोक दल- 2 निर्दलीय- 3 गौरतलब है कि केंद्र और राज्यों में जिस हिसाब से भाजपा और कांग्रेस का दबदबा बढ़ता जा रहा है। इसे छोटी पार्टियों के लिए खतरे की घंटी के तौर पर देखा जा रहा है। 2024 का लोकसभा चुनाव छोटी पार्टियों के लिए अस्तित्व को बचाने की लड़ाई रही । कभी यही छोटे दल केंद्र और राज्य में किंगमेकर की भूमिका निभाते थे, लेकिन आज इनका दबदबा अपने ही क्षेत्र कम होता जा रहा है। इसके पीछे की बड़ी वजह कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी टक्कर है। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही छोटी पार्टियां का दखल केंद्र और राज्यों से धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है, जिन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस का स्ट्राइक रेट हाई है, वहां पर तो छोटी पार्टियों का वजूद भी खतरे में है। कर्नाटक और अब तेलंगाना विधानसभा चुनाव की ही बात करें तो दोनों ही राज्यों में क्षेत्रीय दल का सफाया कांग्रेस ने कर दिया। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनाव में भी क्षेत्रीय दलों का पूरी तरह से मतदाताओं ने इग्नोर कर दिया है। इसीलिए छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी की पार्टी का खाता नहीं खुला तो मध्य प्रदेश में सपा, आम आदमी पार्टी सहित बसपा खाता नहीं खोल सकी। इसी तरह राजस्थान में भी क्षेत्रीय पार्टियों का सियासी हश्र रहा। मध्यप्रदेश में आप को 0 .54 फीसदी ,बीएसपी को 3.40 ,जेडीयू को 0.02 और समाजवादी पार्टी को 0.46 फीसदी वोट मिले । छत्तीसगढ़ में आप को 0.93 फीसदी , बीएसपी को 2 .05 फीसदी वोट मिले ।राजस्थान में हालाँकि इंडियन नेशनल लोकदल ने 1 और भारत आदिवासी पार्टी ने 3 सीटें जीती । बीएसपी को 2 सीटें मिली ।लेकिन यहाँ भी मुख्य मुकाबला 2 राष्ट्रीय दलों के बीच रहा । ध्यान देने योग्य यह बात है कि मध्यप्रदेश में आप पार्टी ने 70 से ज्यादा उम्मीदवार खड़े किये थे और समाजवादी पार्टी वहां 46 सीटों पर लड़ीं थी । कहा जा रहा है कि करीबी लड़ाई वाली कई सीटों पर समाजवादी पार्टी ने हर जीत से ज्यादा वोट पाए । बीएसपी,समाजवादी और आप पार्टी जैसे दलों के चुनाव मैदान में उतरने से जिस जाति के मतदाताओं के दम पर ये चुनाव लड़ रहे थे उनके वोट बिखर गए और उसका सीधा फायदा भाजपा को मिला । अब बात करें तेलंगाना की कांग्रेस को छत्तीसगढ़ और राजस्थान अपने दो राज्यों की सत्ता गंवानी पड़ी है, लेकिन तेलंगाना की सियासी बाजी अपने नाम कर ली है। कर्नाटक के बाद तेलंगाना में कांग्रेस 119 सीटें में से 64 सीटें जीकर दक्षिण भारत के एक और राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली है। तेलंगाना में मिली कांग्रेस की जीत और बीआरएस की हार का सियासी प्रभाव सिर्फ दक्षिण की सियासत तक ही सीमित नहीं बल्कि क्षेत्रीय की राजनीति पर भी पड़ेगा। तेलंगाना में बीआरएस को असदुद्दीन ओवैसी का साथ भी नहीं बचा सका और केसीआर सत्ता की हैट्रिक लगाने से चूक गए। ओवैसी भले ही सात सीटें अपनी बचाने में कामयाब रहे, लेकिन केसीआर की सत्ता नहीं बचा पाए। कर्नाटक के बाद अब तेलंगाना के नतीजे बताते हैं कि मुसलमानों का भरोसा क्षेत्रीय दलों से उठ रहा है और कांग्रेस की तरफ उनका झुकाव तेजी से बढ़ रहा है।

न्यूज डिबेट में केले का योगदान

रामविलास जांगिड़

न्यूज़ माता पर डिबेट का मंच सजा हुआ है। मुख्य एंकर बंदर मंकीचंद सूट पहनकर, माइक हाथ में लिए स्टूडियो के बीचों-बीच खड़ा है। आज की बहस का विषय है- देश के विकास में केले का योगदान कैसे हो? आज हमारे साथ हैं तीन असम्माननीय प्रवक्ता हैं। दलदल पार्टी से मिस्टर कीचड़ कुमार, दल बदल पार्टी से मिस्टर पाला सिंह, और रबड़ दल से मिस्टर खिंचाव तिवारी। बंदर एंकर जी पूछते हैं- पहला सवाल मिस्टर कीचड़ कुमार से है। दलदल पार्टी हमेशा कहती है कि वे देश को आगे ले जाएंगे, लेकिन आप खुद दलदल में फंसे रहते हैं। इस पर आपका क्या कहना है? कीचड़ कुमार- देखिए, यह आरोप सरासर गलत है। हमारी पार्टी की नीति है- दलदल में रहकर सिंघाड़े खाना और छिलके विरोधियों पर उछाल देना। हम देश को हर मुश्किल से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। पाला सिंह (दल बदल पार्टी)- छिलके खिलाने तो दूर, आप खुद फिसल कर तालाब में गिर गए हैं। आपकी पार्टी को समझ ही नहीं कि दलदल से निकलने के लिए क्या करना चाहिए। खिंचाव तिवारी (रबड़ दल)- दोनों पार्टियां बेकार हैं। हम कहते हैं, जहां समस्या हो, वहां रबड़ फैला दो। खींच-तान से ही देश चलता है। मंकीचंद- ठहरिए! ठहरिए! आप तीनों एक-दूसरे पे आरोप लगा रहे हैं। असली सवाल पर आइए। केले की कीमत क्यों बढ़ रही है? कीचड़ कुमार- केले की कीमत बढ़ने का कारण सरकार की नीतियां हैं। सरकार केवल अपने दोस्तों को फायदा पहुंचा रही है। पाला सिंह- आप तो हमेशा दूसरों पर आरोप लगाते हैं। खुद आपकी पार्टी के कार्यकर्ता दल बदलकर हमारे पास आ गए हैं। खिंचाव तिवारी- चुप रहिए, दोनों। केले की कीमत पर बहस कर रहे हैं या दलों की? असली समस्या है कि देश की जनता को रबड़ जितना लचीला बनाना चाहिए। तभी सब ठीक होगा। तीनों एक-दूसरे पर चिल्लाने में व्यस्त हैं। कीचड़ कुमार- आपकी पार्टी के नेताओं का रिकॉर्ड तो इतना गंदा है कि उनकी तुलना दलदल के कीचड़ से भी नहीं की जा सकती। पाला सिंह- गंदगी की बात आपसे कौन बेहतर कर सकता है? आप तो दल बदलने के लिए तरसते रह जाते हैं। खिंचाव तिवारी- आप दोनों को बहस करनी आती भी है? हमारी पार्टी सबसे ज्यादा रबड़-जैसी लचीली है। हम हर मुद्दे पर खिंचाव करके समाधान निकाल सकते हैं। मंकीचंद- आप लोग मुद्दे से भटकने में वर्ल्ड चैंपियन हो। चलिए, मैं ही सॉल्यूशन देता हूं। कीचड़ कुमार, आप केले के खेतों में जाकर अपने दलदल के अनुभव का इस्तेमाल कीजिए। पाला सिंह, आप अपनी दल बदल पार्टी के फुर्तीले कार्यकर्ताओं को पेड़ों पर चढ़ने की ट्रेनिंग दीजिए। और खिंचाव तिवारी, आप रबड़ के लचीलेपन से केले के ट्रांसपोर्ट का खर्च कम करवा दीजिए।

चिंताजनक है महिलाओं के प्रति बढ़ती हिंसा

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 25 नवम्बर को महिलाओं पर होने वाली हिंसा को रोकने के लिए विश्वभर में 'अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस' मनाया जाता है। इस दिन महिलाओं के विरूद्ध हिंसा रोकने के ज्यादा से ज्यादा प्रयास करने की आवश्यकता को रेखांकित करने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तीन बहनों पैट्रिया मर्सिडीज मिराबैल, मारिया अर्जेंटीना मिनेर्वा मिराबैल तथा एंटोनिया मारिया टेरेसा मिराबैल द्वारा डोमिनिक शासक रैफेल ट्रुजिलो की तानाशाही का कड़ा विरोध किए जाने पर उस क्रूर शासक के आदेश पर 25 नवम्बर 1960 को उन तीनों की हत्या कर दी गई थी। वर्ष 1981 से उस दिन को महिला अधिकारों के समर्थक और कार्यकर्ता उन्हीं तीनों बहनों की मृत्यु की पुण्यतिथि के रूप में मनाते आए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 17 दिसम्बर 1999 को एकमत से हर साल 25 नवम्बर का दिन ही महिलाओं के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय हिंसा उन्मूलन दिवस के रूप में मनाने के लिए निर्धारित किया गया। सरकारों, निजी क्षेत्र और प्रबुद्ध समाज से यौन हिंसा और महिलाओं के उत्पीड़न के विरूद्ध कड़ा रूख अपनाने का आग्रह करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि महिलाओं के प्रति हिंसा विश्व में सबसे भयंकर, निरन्तर और व्यापक मानव अधिकार उल्लंघनों में शामिल है, जिसका दंश विश्व में हर तीन में से एक महिला को भोगना पड़ता है।

महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य करने के लिए वर्ष 2010 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र महिला' का गठन किया गया था। संयुक्त राष्ट्र महिला के आंकड़ों के अनुसार विश्वभर में 15-19 आयु वर्ग की करीब डेढ़ करोड़ किशोर लडकियां जीवन में कभी न कभी यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं, करीब 35 फीसदी महिलाओं और लड़कियों को अपने जीवनकाल में शारीरिक एवं यौन हिंसा का सामना करना पड़ता है, हिंसा की शिकार 50 फीसदी से अधिक महिलाओं की हत्या उनके परिजनों द्वारा ही की जाती है, वैश्विक स्तर पर मानव तस्करी के शिकार लोगों में 50 फीसदी व्यस्क महिलाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिदिन तीन में से एक महिला किसी न किसी प्रकार की शारीरिक हिंसा का शिकार होती है। महिलाओं को हिंसा और दुर्व्यवहार की भारी कीमत चुकानी पड़ती है, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं और लड़कियों की भागीदारी के अधिकार को बाधित करता है, उन्हें उनके बुनियादी अधिकारों और स्वतंत्रता से वंचित करता है। इससे आर्थिक सुधार और सतत विकास में खलल पड़ता है। भारत के संदर्भ में महिला हिंसा को लेकर आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति काफी चिंताजनक है। हालांकि 2012 में दिल्ली में हुए निर्भया कांड के बाद देशभर में सड़कों पर महिलाओं के आत्मसम्मान के प्रति जिस तरह की जन-भावना और युवाओं का तीखा आक्रोश देखा गया था, यौन हिंसा रोकने के लिए जिस प्रकार कानून सख्त किए गए थे, उसके बाद लगने लगा था कि समाज में इससे संवेदनशीलता बढ़ेगी और ऐसे कृत्यों में लिप्त असामाजिक तत्वों के हौंसले पस्त होंगे किन्तु विड़म्बना है कि समूचे तंत्र को झकझोर देने वाले निर्भया कांड और उसके बाद के वर्षों में सामने आ चुके महिला अपराधों के कई अन्य जघन्य मामलों के बाद भी हालात यह हैं कि कोई दिन ऐसा नहीं बीतता, जब महिला हिंसा से जुड़े अपराधों के मामले देश के कोने-कोने से सामने न आते हों। होता सिर्फ यही है कि जब भी कोई बड़ा मामला सामने आता है तो हम पुलिस-प्रशासन को कोसते हुए संसद से लेकर सड़क तक कैंडल मार्च निकालकर या अन्य किसी प्रकार से विरोध प्रदर्शन कर रस्म अदायगी करके शांत हो जाते हैं और पुनः तभी जागते हैं, जब ऐसा ही कोई बड़ा मामला पुनः सुर्खियां बनता है, अन्यथा महिला हिंसा की छोटी-बड़ी घटनाएं तो बदस्तूर होती ही रहती हैं। ऐसे अधिकांश मामलों में प्रायः पुलिस-प्रशासन का भी गैरजिम्मेदाराना और लापरवाही भरा रवैया ही सामने आता रहा है।

प्रश्न यही है कि निर्भया कांड के बाद कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी दुनिया के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मर्यादा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, 'आधी दुनिया' के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वो कड़ी कार्रवाई नहीं होती, जिसके वे हकदार हैं और इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं।

कब और कैसे हुई रुद्राक्ष की उत्पत्ति

और क्यों ज्योतिष पहनने की देते हैं सलाह?

सोमवार का दिन देवों के देव महादेव को अति प्रिय है। इस दिन भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है। भगवान शिव की पूजा करने से साधक के सकल मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं।

सनातन धर्म में त्रिदेव की विशेष पूजा की जाती है। इनमें भगवान शिव के उपासकों की संख्या सबसे अधिक है। भगवान शिव की पूजा करने वाले साधकों को शैव कहा जाता है। वहीं, भगवान विष्णु की पूजा करने वाले साधकों को वैष्णव कहा जाता है। जबकि, ब्रह्म देव की पूजा करने वाले उपासक निर्गुण विचारधारा के होते हैं। धार्मिक मत है कि भगवान शिव की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना शीघ्र पूरी होती है। विधि के विधान में भी भगवान शिव बदलाव कर सकते हैं। अतः साधक सम और विषम दोनों स्थिति में भगवान शिव की पूजा करते हैं। सोमवार का दिन भगवान शिव को अति प्रिय है। इसके लिए सोमवार के दिन भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है। इसके साथ ही सोमवार का व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक पर महादेव की कृपा बरसती है। ज्योतिष दुख और संकट दूर करने के लिए रुद्राक्ष धारण करने की सलाह देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति कैसे हुई है और कब रुद्राक्ष धारण करना शुभ होता है?

कैसे हुई रुद्राक्ष की उत्पत्ति?

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार, चिरकाल में त्रिपुरासुर नामक असुर के अत्याचार से तीनों लोकों में हाहाकार मच गया। अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर त्रिपुरासुर ने स्वर्ग पर अपना अधिपत्य जमा लिया था। इसके बाद सभी देवता ब्रह्मा जी के पास गए और उन्हें आपबीती सुनाई। तब देवता संग ब्रह्मा जी बैकुंठ लोक भगवान श्रीनारायण के पास पहुंचे। तब भगवान विष्णु ने उन्हें भगवान शिव से सहायता लेने की सलाह दी। सभी देवता भगवान शिव के पास पहुंचे। देवताओं को व्याकुल देख भगवान शिव बोले- आप चिंतित न हो। आप सभी की परेशानी अवश्य दूर होगी। यह कहकर भगवान शिव ध्यान में लीन हो गए। लंबे समय तक तप करने के बाद भगवान शिव ने आंखें खोलीं। उस समय भगवान शिव की आंखों से आंसू टपकने लगे। आंसू गिरने वाले स्थानों पर रुद्राक्ष के पेड़ उग गए। अतः रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसू से हुई है। रुद्राक्ष धारण करने से व्यक्ति की सभी परेशानी दूर हो जाती है। तत्कालीन समय में भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध कर तीनों लोकों में शांति स्थापित की।

कब पहनें रुद्राक्ष

ज्योतिषियों की मानें तो सावन के महीने में रुद्राक्ष धारण करना बेहद शुभ माना जाता है। इसके अलावा, सोमवार और पूर्णिमा तिथि पर रुद्राक्ष पहनना उत्तम होता है। सावन के महीने में बिना ज्योतिषीय सलाह के किसी दिन रुद्राक्ष धारण कर सकते हैं। तीन मुखी वाला रुद्राक्ष धारण करना सही होता है। हालांकि, रुद्राक्ष धारण करने से पहले नजदीक के ज्योतिष से अवश्य ही संपर्क करें। इसके बाद ही रुद्राक्ष धारण करें।

रुद्राक्ष पहनने के लाभ

ज्योतिषियों की मानें तो एक मुखी रुद्राक्ष धारण करने से करियर को नया आयाम मिलता है। साथ ही कुंडली में सूर्य मजबूत होता है। वहीं, दो मुखी रुद्राक्ष धारण करने से मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है। साथ ही शुभ कार्यों में सफलता मिलती है। जबकि, तीन मुखी रुद्राक्ष धारण करने से पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। सभी बिगड़े काम बनने लगते हैं। धर्म-कर्म में रूचि बढ़ती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। ज्योतिषीय सलाह लेकर आप रुद्राक्ष धारण कर सकते हैं।

सोमवार को इतने बजे तक रहेगा उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र, शुभ मुहूर्त, राहुकाल और सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

25 नवंबर को मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि सोमवार का दिन है। दशमी तिथि सोमवार देर रात 1 बजकर 2 मिनट तक रहेगी। 25 नवंबर को दोपहर 1 बजकर 12 मिनट तक विष्कुम्भ योग रहेगा। इस योग में शुरू किये गये कार्यों में व्यवधान आने की संभावना बनी रहती है। साथ ही इस योग में किये गये कार्यों से शुभ फलों की प्राप्ति नहीं होती है। साथ ही आज देर रात 1 बजकर 24 मिनट तक उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रहेगा। साथ ही सोमवार देर रात 1 बजकर 24 मिनट तक उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रहेगा। आचार्य इंदु प्रकाश से जानिए सोमवार का पंचांग, राहुकाल, शुभ मुहूर्त और सूर्योदय-सूर्यास्त का समय।

25 नवंबर 2024 का शुभ मुहूर्त

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि- 25 नवंबर 2024 को देर रात 1 बजकर 2 मिनट तक
विष्कुम्भ योग- 25 नवंबर को दोपहर 1 बजकर 12 मिनट तक
उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र- 25 नवंबर को देर रात 1 बजकर 24 मिनट तक

राहुकाल का समय
दिल्ली- सुबह 08:10 से सुबह 09:29 तक
मुंबई- सुबह 08:15 से सुबह 09:38 तक
चंडीगढ़- सुबह 08:15 से सुबह 09:33 तक
लखनऊ- सुबह 07:53 से सुबह 09:13 तक
भोपाल- सुबह 08:02 से सुबह 09:23 तक
कोलकाता- सुबह 07:17 से सुबह 08:39 तक
अहमदाबाद- सुबह 08:21 से सुबह 09:42 तक
चेन्नई- सुबह 07:38 से सुबह 09:04 तक

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय
सूर्योदय- सुबह 6:51 एएम
सूर्यास्त- शाम 5:24 पीएम

वर-वधू की कुंडली में नाड़ी दोष मिलने पर क्यों नहीं करनी चाहिए शादी

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यह दोष तब होता है जब वर और वधू दोनों की नाड़ी एक ही हो। नाड़ियाँ तीन प्रकार की होती हैं जो क्रमशः आदि नाड़ी, मध्य नाड़ी और अंत्य नाड़ी हैं। यदि कुंडली मिलान के दौरान नाड़ी या भकूट दोष पाया जाता है, तो विवाह के बाद समस्याएं आती हैं। ऐसे मामलों में, नाड़ी दोष मौजूद होने पर शादी न करने की सलाह दी जाती है। हिंदू परंपरा के अनुसार, जब एक लड़का और लड़की की शादी होती है, तो बेहतर भविष्य के लिए उनकी कुंडली मेल खाती है। लड़के और लड़की की कुंडली मिलाते समय कई दोष देखे जाते हैं लेकिन मुख्य रूप से कुंडली में मांगलिक दोष, नाड़ी दोष और गण दोष को समझना बहुत जरूरी है। यदि किसी लड़के या लड़की की कुंडली में नाड़ी दोष मौजूद हो तो विवाह के बाद उन्हें जीवन भर परेशानियों, दुखों, परेशानियों आदि का सामना करना पड़ता है। कुंडली में नाड़ी दोष होने पर विवाह नहीं करना चाहिए। गर्भाधान से लेकर मृत्यु तक कुल 16 संस्कार होते हैं। इन संस्कारों में विवाह बहुत महत्वपूर्ण है। विवाह के समय, यह जानने के लिए कुंडली का मिलान किया जाता है कि लड़के और लड़की के संभावित रिश्ते में कौन से दोष या ग्रह मौजूद हैं। यही कारण है कि सुखी जीवन के लिए 36 में से कम से कम 18 अंक प्राप्त करना नितांत आवश्यक है। कुंडली मिलान में मांगलिक दोष, गण दोष और नाड़ी दोष प्रमुख हैं। अगर किसी लड़के या लड़की की कुंडली में नाड़ी दोष हो तो कहा जाता है कि उन्हें शादी नहीं करनी चाहिए। पंडित श्रीधर शास्त्री कहते हैं कि अगर किसी लड़के या लड़की की कुंडली में नाड़ी दोष है तो उसकी कुंडली के नक्षत्र का मूल्यांकन किया जाता है। यदि दोनों का जन्म एक ही नक्षत्र में हुआ हो तो नाड़ी दोष नहीं होता है।

नाड़ी दोष क्या है?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुंडली में 3 प्रकार की नाड़ियां बताई गई हैं। यह नाड़ी हर व्यक्ति की कुंडली में अलग-अलग होती है। पाणिग्रहण संस्कार में नाड़ी दोष का विचार किया जाता है। यदि लड़के और लड़की दोनों की कुंडली में एक ही नाड़ी हो तो यह नाड़ी दोष है अर्थात यदि लड़के और लड़की दोनों की कुंडली में आद्या नाड़ी, मध्य नाड़ी या अंत्य नाड़ी हो तो उनका विवाह करना हिंदू धार्मिक ग्रंथों और शास्त्रों में वर्जित है।

नाड़ी दोष के प्रभाव

नाड़ी दोष लगने पर अकस्मात मुसीबत आती रहती है। साथ ही वर और वधु के बीच संबंध बेहद कटु रहते हैं। इस स्थिति में वियोग की भी संभावना रहती है। मध्य नाड़ी दोष लगने पर वर-वधू में से एक या दोनों की मृत्यु की संभावना बनी रहती है। वहीं कई बार संतान पैदा करने में दिक्कत आती है या संतान ठहर भी जाए तो पैदा होते समय उसकी मौत हो जाती है।

इस तरह नाड़ी दोष दूर हो जाएगा

शास्त्रों के अनुसार नाड़ी दोष से छुटकारा पाने के लिए लड़के या लड़की को सोने या चांदी की नाड़ी बनवाकर सवा लाख (125000) या 51000 महामृत्युंजय मंत्रों से पूजा करनी चाहिए और फिर दशम मंत्र से हवन करना चाहिए।

नाड़ी दोष का उपाय

नाड़ी दोष के प्रभाव को कम करने के लिए भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए।
महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से नाड़ी दोष के दुष्प्रभाव कम हो जाते हैं।
माना जाता है कि अपने वजन के बराबर भोजन दान करने से नाड़ी दोष का निवारण होता है।
जरूरतमंद लोगों को भोजन, कपड़े और अनाज का दान करने से भी नाड़ी दोष का प्रभाव कम होता है।

लड़के या लड़की किस के कमर पर तिल होना है राजयोग की निशानी? शुभ-अशुभ संकेत

प्रत्येक व्यक्ति के शरीर पर तिल होते हैं। तिल होना आम बात है, लेकिन सामुद्रिक शास्त्र में बॉडी पर मौजूद प्रत्येक तिल का खास महत्व है। तिल का संबंध व्यक्ति के जीवन, स्वभाव और व्यवहार आदि से होता है। शरीर के कुछ हिस्से ऐसे भी होते हैं, जहां पर तिल होना शुभ माना जाता है। इन हिस्सों पर तिल होने से व्यक्ति को जीवन में धन, शोहरत और संपत्ति मिलती है। हालांकि लड़के और लड़की दोनों के शरीर पर मौजूद तिल का महत्व अलग होता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि लड़के या लड़की, किस के कमर पर तिल होना शुभ माना जाता है।

कमर पर तिल होना शुभ या अशुभ?

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, लड़कों के कमर पर तिल होना शुभ माना जाता है। यदि आपके भाई, पिता या पति के कमर पर तिल है, तो इसका मतलब है कि आपके घर में साक्षात देवता का वास है। खासतौर पर कमर की दायीं तरफ तिल होना लकी माना जाता है। ऐसे लोगों को जीवन में बहुत ही कम समय में ऊंचा मुकाम हासिल हो जाता है। इसके अलावा उन्हें पैसों की कमी का भी सामना नहीं करना पड़ता है।

लड़कियों के कमर पर तिल होना कैसा होता है?

स्त्री की कमर की बाईं तरफ तिल होना शुभ माना जाता है। ऐसी लड़कियां बेहद भाग्यशाली होती हैं। उन्हें बहुत ही कम समय में जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल हो जाता है। इसके अलवा उनकी आर्थिक स्थिति भी सदा मजबूत रहती है।

शरीर के इन अंगों पर तिल होना है शुभ

सामुद्रिक शास्त्र में बताया गया है कि जिन लड़कों की आंख के अंदर तिल होता है, वो काफी भाग्यशाली होते हैं। ऐसे लोगों को जीवन में कभी भी पैसों की कमी का सामना नहीं करना पड़ता है। इसके अलावा उनके घर-परिवार में भी सदा सुख और शांति बनी रहती है।
लड़कों के दाएं हाथ पर तिल होना शुभ माना जाता है। ऐसे लोगों को हर क्षेत्र में सफलता मिलती है। साथ ही स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।
जिन लड़कों के हाथ के अंगूठे पर तिल होता है, वो काफी मेहनती होते हैं। अपनी मेहनत से वो हर चीज को हासिल कर लेते हैं।
लड़कों के बाएं पैर पर तिल होना भी अच्छा माना जाता है। ऐसे लोग आर्थिक तौर पर सदा संपन्न रहते हैं।

श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ही क्यों दिया था गीता का ज्ञान

महाभारत के युद्ध में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। जिसका आज भी जिक्र किया जाता है। जो लोग गीता के उपदेशों का अध्यन करते हैं। उनको संसारिक जीवन के सुख-दुख और हानि-लाभ प्रभावित नहीं करते हैं। मान्यता है कि गीता के उपदेशों का अनुसरण करने से व्यक्ति का जीवन पूरी तरह बदला जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का ज्ञान अर्जुन को ही क्यों दिया था? आइए जानते हैं।

अर्जुन की दुविधा

अर्जुन महाभारत के प्रमुख पात्रों में से एक था। उसके सामने कर्तव्य और भावनाओं के बीच संघर्ष था। अर्जुन जब अपने ही संबंधियों, गुरुओं और मित्रों के विरुद्ध युद्ध करने के लिए खड़ा हुआ तो वह मानसिक रूप से दुविधा में फंस गया। उनकी इस दुविधा ने उन्हें गहन ज्ञान के लिए योग्य बनाया। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को इसलिए चुना क्योंकि उनका आंतरिक संघर्ष आम मनुष्य के जीवन में आने वाली समस्याओं और सवालों का प्रतिबिंब था।

श्रीकृष्ण के प्रति अर्जुन का शिष्य भाव

गीता का ज्ञान केवल एक ऐसा व्यक्ति ग्रहण कर सकता है। जो पूर्ण संपूर्ण श्रद्धाभाव के साथ अपने गुरू की बात पर अमल कर सके और उसका पालन कर सके। अर्जुन ने भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपना शिष्य भाव प्रकट किया और उनसे मार्गदर्शन करने की प्रार्थना की। मान्यता है कि किसी भी शिष्य के लिए यह गुण होना अति आवश्यक हैं। क्योंकि यही विनम्रता गुरु और शिष्य का आदर्श संबंध मानी जाती है।

धर्म और कर्तव्य का प्रतीक

अर्जुन धर्म और कर्तव्य के प्रतीक माने जाते हैं। वे धर्मयुद्ध करने के लिए बाध्य थे। लेकिन मोहवश वह अपने कर्तव्य पथ से भटक रहे थे। लेकिन श्रीकृष्ण ने गीता के माध्यम से उन्हें बताया कि किसी भी परिस्थिति में अपने धर्म और कर्तव्य का पालन करना ही मनुष्य का परम लक्ष्य है।

सामूहिक संदेश का माध्यम

भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कुरुक्षेत्र में उपदेश इसलिए दिया था कि गीता उपदेश का ज्ञान संसार के हर व्यक्ति तक पहुंच सके। अर्जुन को माध्यम बनाकर उन्होंने जीवन के गूढ़ रहस्यों और भगवद् दर्शन को संसार के सामने पेश किया था। अर्जुन का युद्धभूमि में मोह और भ्रम हर मनुष्य के जीवन में आने वाली चुनौतियों और मानसिक संघर्षों का प्रतीक है। धार्मिक मान्यता है कि अर्जुन भगवान श्रीकृष्ण के सबसे प्रिय मित्र और शिष्य थे। जो बाद में मानव जीवन के सवालों और संघर्षों का प्रतीक थे। गीता का ज्ञान केवल अर्जुन के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए था। इससे यह सीख मिलती है कि परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, अपने धर्म और कर्तव्य के मार्ग से विचलित नहीं होना चाहिए।

यूपी में यहां है 'मोक्ष खिड़की'

झांकते ही पता चल जाएगा सारा मोक्ष का सार, आत्मा को भी मिलती है शांति

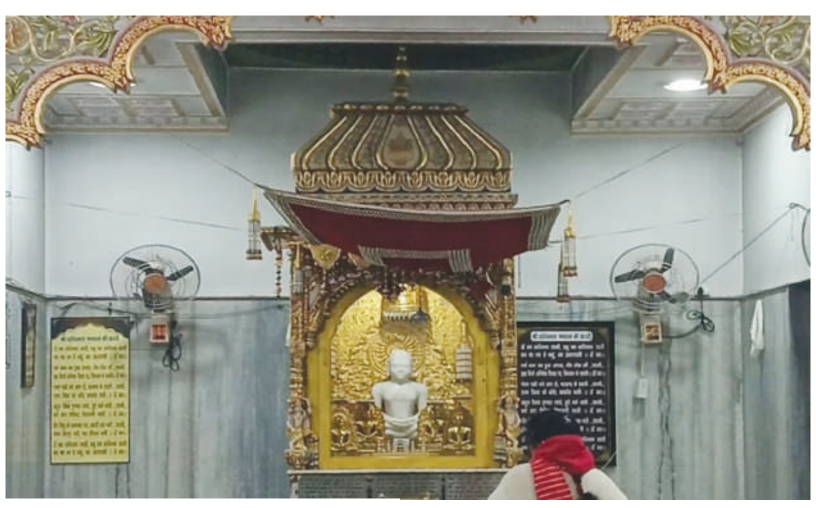

यूपी में गाजियाबाद के कविनगर का पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर अपनी वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है. यहां की एक अनोखी 'मोक्ष खिड़की' भक्तों और लिए आकर्षण का केंद्र है. इस खिड़की से झांकने मात्र से मोक्ष के रहस्यों को समझने का मौका मिलता है.

क्या है 'मोक्ष खिड़की'?

मंदिर के मुख्य द्वार के पास बनी यह खिड़की जैन धर्म के सिद्धांतों और मोक्ष प्राप्ति की प्रक्रिया को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाती है. खिड़की के अंदर कई ग्रंथों के श्लोक, प्रतीक और चित्र उकेरे गए हैं, जो आत्मा की यात्रा, कर्मों की शुद्धि और मोक्ष के मार्ग को समझाते हैं.

क्यों बनाई गई है यह खिड़की?

मंदिर के महंत के अनुसार, 'मोक्ष खिड़की' का मुख्य उद्देश्य भक्तों को मोक्ष के जैन सिद्धांतों के करीब लाना है. यह खिड़की एक प्रतीकात्मक माध्यम है, जो यह बताती है कि इंसान को अपने जीवन में सही कर्म, सम्यक ज्ञान और ध्यान के द्वारा मोक्ष की ओर बढ़ना चाहिए. भक्तों के अनुभवमंदिर में आने वाले श्रद्धालु इसे एक बेहद अद्भुत अनुभव मानते हैं. दिल्ली से आई श्रद्धालु कृति जैन कहती हैं, "इस खिड़की से झांकते ही ऐसा महसूस होता है. जैसे आत्मा को सुकून और शांति मिल रही हो. यह खिड़की हमें जीवन के असली अर्थ को समझने की प्रेरणा देती है.

कैसे पहुंचे 'मोक्ष खिड़की'

कविनगर स्थित यह मंदिर गाजियाबाद के प्रमुख स्थानों में से एक है. यहां तक पहुंचने के लिए स्थानीय परिवहन उपलब्ध है. मंदिर सुबह 6 बजे से शाम 8 बजे तक खुला रहता है. अगर आप भी मोक्ष के रहस्यों को समझना चाहते हैं, तो एक बार पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर की 'मोक्ष खिड़की' का अनुभव जरूर करें. यह खिड़की न केवल आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत है. बल्कि आत्मा की शांति का मार्ग भी है.

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा 2025 में करेंगे शादी?

नए घर की तलाश में जुटे, 'लस्ट स्टोरीज 2' की शूटिंग के बाद दोनों करीब आए थे

बॉलीवुड कपल विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया इन दिनों शादी की खबरों के कारण चर्चा में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों एक लग्जरी अपार्टमेंट की तलाश कर रहे हैं, जिससे ये कयास लगाए जा रहे हैं कि वे शादी के बाद एक साथ रह सकते हैं। हालांकि, इस बारे में अभी तक किसी भी पक्ष से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है।

विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया पिछले कुछ समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों को अक्सर एक साथ देखा जाता है। हाल ही में एक इंटरव्यू में विजय ने अपनी और तमन्ना की बॉन्डिंग के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि जब उनकी डेटिंग की खबर सामने आई, तो लोगों के रिएक्शन ने उन्हें हैरान कर दिया था। विजय ने

माशेबल इंडिया से बात करते हुए कहा, 'शॉक लगा कि मेरी लव लाइफ में लोगों को कितना इंटरेस्ट है, लेकिन अब मुझे इसकी आदत हो गई है।' उन्होंने यह भी कहा कि उनका रिश्ता मजबूत और प्यारा है और अब वे पब्लिक अटेंशन का आनंद ले रहे हैं।

बता दें, विजय और तमन्ना का रिलेशनशिप 'लस्ट स्टोरीज 2' की शूटिंग के बाद शुरू हुआ। शूटिंग के दौरान दोनों केवल को-स्टार थे और सेट पर एक-दूसरे से प्रोफेशनल तरीके से पेश आते थे।

शूटिंग खत्म होने के बाद विजय ने तमन्ना से डेट पर चलने को कहा और धीरे-धीरे दोनों करीब आ गए। इस रिलेशनशिप को तमन्ना ने पिछले साल जून में एक इंटरव्यू में ऑफिशियली कन्फर्म किया था। उन्होंने कहा था कि विजय ने उन्हें बिना किसी एटिट्यूड के अप्रोच किया और उनके साथ बहुत अच्छा महसूस होता है। वह उनकी बहुत परवाह करती हैं।

वर्कफ्रंट पर, तमन्ना भाटिया जल्द ही 'सिकंदर का मुकद्दर' में अविनाश तिवारी और जिमी शेरगिल के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म एक्शन-थ्रिलर है, जिसे नीरेज पांडे ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में दिव्या दत्ता और जोया अफरोज भी अहम रोल में हैं। वहीं, विजय 'मिर्जापुर 3' में नजर आए हैं और आगे 'मटका किंग' और 'सूर्या 23' जैसी फिल्मों में दिखाई देंगे।

गोविंदा के साथ अफेयर पर नीलम कोठारी ने तोड़ी चुप्पी

कहा- कई फिल्मों में साथ काम करने की वजह से डेटिंग नहीं होती

नीलम कोठारी और गोविंदा ने साथ में कई फिल्में की हैं। दोनों ने पहली बार फिल्म इल्जाम में काम किया था। दोनों की केमिस्ट्री को लोगों ने काफी पसंद किया था। इसके बाद दोनों ने अपने करियर में 14 फिल्मों में साथ काम किया। नीलम और गोविंदा की जोड़ी को इतना पसंद किया गया कि दोनों के अफेयर की चर्चा होने लगी थी। ये भी अफवाह थी कि गोविंदा पहली बार नीलम को देखते ही उनके प्यार में पड़ गए थे। हाल ही में नीलम ने गोविंदा के साथ अफेयर को लेकर रिएक्शन दिया है।

नीलम ने गोविंदा के साथ अफेयर को नकारा

नीलम ने हॉटरफ्लाई से बातचीत के दौरान कहा, मेरा और गोविंदा का अफेयर नहीं चल रहा था। लिंकअप्स पूरी गेम का एक हिस्सा होता है, उस समय लोगों को जो छापना था उन्होंने छाप दिया था और कोई भी उन अफवाहों पर सफाई पेश करने वाला नहीं होता था। क्योंकि उस समय हम प्रेस से डरते थे। अगर उस समय आप किसी के साथ 2-3 से ज्यादा फिल्में कर लो तो डेटिंग की अफवाहें उड़ने लगती थीं। बता दें, नीलम ने साल 2011 में एक्टर समीर सोनी से शादी की थी।

नीलम से प्यार करते थे गोविंदा

वहीं, अगर बात करें गोविंदा की तो 1990 में स्टारडस्ट से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था कि वह नीलम से प्यार करते थे। गोविंदा ने कहा, 'मैं नीलम की तारीफ करना बंद नहीं कर सकता था। अपने दोस्तों से, अपने परिवार से। यहां तक कि सुनीता से भी। मैं सुनीता से कहता था कि वह खुद को बदले और नीलम की तरह बने।' बातचीत में गोविंदा ने कहा, मेरा और सुनीता का झगड़ा हो गया था, झगड़े के बाद मैं सुनीता से रिश्ता खत्म करने के लिए तैयार था। 'मैंने सुनीता से कहा कि वह मुझे छोड़ दे, मैंने उससे सगाई तोड़ दी थी। और अगर सुनीता ने मुझे पांच दिन बाद फोन करके फिर से सगाई के लिए नहीं मनाया होता, तो शायद मैं नीलम से शादी कर लेता।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं उससे शादी करना चाहता था। और मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ भी गलत है।' हालांकि, इसके तुरंत बाद गोविंदा ने सुनीता से शादी कर ली थी।

साल 2001 में नीलम ने की थी आखिरी फिल्म

नीलम के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार साल 2001 में फिल्म कसम में नजर आई थीं। और 2023 में उन्हें वेब शो मेड इन हैवन में देखा गया था। हाल ही में उनके शो फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स का तीसरा सीजन रिलीज हुआ है। इस शो में नीलम के साथ रिद्धिमा कपूर साहिनी, सीमा सजदेह, महीप कपूर, भावना पांडे, शालिनी पस्सी और कल्याणी साहा चावला हैं।

काफी समय से गोविंदा ने नहीं की कोई फिल्म

गोविंदा की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो पिछले पांच साल से वह फिल्मी दुनिया से दूर हैं। उन्हें काफी समय से किसी फिल्म में नहीं देखा गया है। हालांकि, वह कई रियलिटी शो में भी नजर आते रहते हैं। उनको आखिरी बार फिल्म 'रंगीला राजा' में देखा गया था।

इम्तियाज बोले- एक्ट्रेसेस को न करना आना चाहिए

प्रोड्यूसर विंता डायरेक्टर के इस बयान पर भड़कीं, कहा- इन्हें महिलाओं पर बोलने का हक किसने दिया

इम्तियाज अली ने हाल ही में 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेसटिवल के दौरान हिंदी सिनेमा में कास्टिंग काउच और महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे को लेकर बात की। जिसके बाद से सोशल मीडिया पर इम्तियाज को काफी ट्रोल किया जा रहा है। इसी बीच अब फिल्म प्रोड्यूसर-लेखिका विंता नंदा ने भी इम्तियाज की बात पर रिएक्शन दिया है। इम्तियाज ने कहा, हिंदी सिनेमा में महिलाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं। जब इम्तियाज ने यह बयान दिया तब उनके साथ स्टेज पर भूमि पेडनेकर और वाणी त्रिपाठी भी मौजूद थीं। इस दौरान उन्होंने कहा, हिंदी सिनेमा में महिलाएं सुरक्षित थीं और हैं।

इम्तियाज ने कहा, 'मैं 15-20 साल से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डायरेक्टर हूं, मैंने भी बहुत सुना है कास्टिंग काउच के बारे में, या जो आप कह रहे हैं कि कोई नई लड़की आती है तो उसको डर लगता है। लेकिन मुझे लगता है कि महिलाओं को 'नो' बोलना आना चाहिए, क्योंकि ऐसा नहीं है कि जो लड़की कॉम्प्रोमाइज कर लेगी उसको वो रोल पक्का मिल जाएगा। एक्सप्लॉइट करने वाले बहुत होते हैं, अगर कोई लड़की ना बोल सकती है, और खुद अपनी इज्जत करती है तो सामने वाला भी उसकी इज्जत करता है।

फिल्म प्रोड्यूसर-लेखिका विंता नंदा को इम्तियाज का यह बयान बिल्कुल पसंद नहीं आया। जिसके बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर इम्तियाज के लिए एक नोट लिखा, 'उन्होंने कहा इम्तियाज अली को एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की महिलाओं पर बोलने का अधिकार किसने दिया। करीना कपूर सुरक्षित हैं क्योंकि उनके पास सब कुछ है। और, इम्तियाज को पता होना चाहिए कि कास्टिंग काउच जैसी कोई चीज होती है। महिलाओं की ओर से बोलने के लिए उन्हें क्यों चुना है? जिससे वो सारी सच्चाई पर पर्दा डाल सकें? अगर उनके जैसे लोगों में इतनी समझ आ जाए कि जिसके बारे में एक्सपीरिएंस नहीं है उस पर न बोलें, तो माना जा सकता है कि बदलाव हो रहा है।

विंता ने पोस्ट के कैप्शन में इम्तियाज को टैग भी किया और लिखा 'ये बड़ी हैरानी वाली बात हैं कि इम्तियाज अली इस तरह के बयान महिलाओं की सुरक्षा के बारे में दे रहे हैं और वो भी आईएफएफआई गोवा जैसी जगह पर, बिना एक्सपीरिएंस के इन सब मुद्दों पर बात करने से बचना चाहिए।

सेट से क्रू मेंबर को भेज दिया था वापस- इम्तियाज

भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेसटिवल के दौरान ही इम्तियाज ने एक किस्सा शेयर किया। उन्होंने फिल्म हाईवे के सेट से आलिया भट्ट से जुड़ा किस्सा शेयर किया। इम्तियाज ने कहा, उन्होंने क्रू मेंबर्स को मिसबिहेव करने की वजह से सेट से वापस भेज दिया था। उन्होंने कहा, मेरे पूरे जीवन में तीन बार ऐसा हुआ है जब मैंने क्रू मेंबर्स को सेट से वापस भेजा है। मुझे खुशी है कि ऐसा सिर्फ तीन बार हुआ। मुझे याद है कि एक बार फिल्म हाईवे के सेट पर ऐसा हुआ था।

हम रणदीप और आलिया के साथ हाईवे की शूटिंग कर रहे थे और 2013 में वैनिटी वैन नहीं थी। आलिया को कपडें बदलने के लिए अलग-अलग जगह जाना पड़ता था।इम्तियाज ने कहा, 'हाईवे के सेट से एक बार मुझे एक लड़के को वापस भेजना पड़ा था, क्योंकि जब आलिया चेंज करने गई तो उस दौरान वह लड़का उनके आस-पास रहने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा, अब ऐसा नहीं होता, समय बदल गया है। अब एक्ट्रेस सेट पर काफी सुरक्षित हैं।'

राज कुंद्रा ने शादी के लिए दिया अल्टीमेटम तो शिल्पा को छोड़नी पड़ी थी फिल्म

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की शादी को हाल ही 15 साल पूरे हुए है। इसी बीच शिल्पा का एक पुराना इंटरव्यू सामने आया जिसमें एक्ट्रेस ने बताया कि शादी के लिए राज कुंद्रा ने उन्हें अल्टीमेटम दे दिया था। जिसकी वजह से एक्ट्रेस ने अपने करियर के पीक टाइम में शादी कर ली थी। शिल्पा ने बताया, राज ने मुझसे कहा या तो मैं उससे शादी कर लूं या फिर रिलेशनशिप खत्म कर दूं। एक्ट्रेस उन दिनों सनी देओल की फिल्म द मैन की शूटिंग कर रहीं थीं।

शिल्पा शेट्टी ने काफी पहले 'बॉम्बे टाइम्स' से बातचीत में बताया था। उन्होंने कहा, मैंने 17 साल की उम्र में काम करना शुरू किया था और 32 साल की उम्र में शादी कर ली थी। शादी करने की वजह बताते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मुझे उस उम्र में लगने लगा था कि मैं शादी और बच्चों के लिए पूरी तरह तैयार हो गईं हूं। हालांकि, उस समय मैं अपने करियर के पीक पर थी।

शिल्पा ने आगे कहा, मुझे सक्सेसफुल करियर के बीच शादी करने का कोई पछतावा नहीं है। बस मैं अपनी पहचान और आजादी को इसी तरह कायम रखना चाहती थी। उन्होंने बताया जब मैं सनी देओल की फिल्म द मैन की शूटिंग कर रही थी उसी समय राज ने मुझे शादी को लेकर अल्टीमेटम दे दिया था।

शिल्पा ने फिल्म द मैन को न करने का फैसला लेते हुए शादी करने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, यह मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा फैसला था और मुझे इसके लिए कोई पछतावा नहीं है। क्योंकि बाद में सनी देओल ने फिल्म 'द मैन' को बंद करने का फैसला कर लिया था।

शिल्पा शेट्टी ने बातचीत के दौरान मजाक में कहा, अगर उस समय मैं राज की जगह फिल्म करना चुनतीं तो आज किसी पार्लर में बैठी अपने बाल कलर करा रही होती। शिल्पा ने कहा, मुझे ब्रिटिश टीवी सीरीज ईस्टएंडर्स का भी ऑफर मिला था जिसके साथ लंदन में सेटल होने का चांस भी था। पर मैंने शादी के बाद अपनी जिंदगी की नई शुरुआत करना ज्यादा ठीक समझा।

शादी को पूरे हुए 15 साल

बता दें, शिल्पा शेट्टी ने राज कुंद्रा के साथ साल 2009 में शादी कर ली थी। दोनों का एक बेटा वियान और बेटी समीशा है। हाल ही में दोनों की शादी को 15 साल पूरे हुए है। 22 नवंबर 2024 को कपल ने अपनी 15वीं एनिवर्सरी सेलिब्रेट की है।

सारा अली खान ने बचपन को किया याद

बोलीं- पैरेंट्स के अलग होने से पहले लंदन में छुट्टियां मनाते थे, अब हर साल केदारनाथ जाना पसंद है

सारा अली खान ने हाल ही में अपने प्रोफेशन और अपनी हॉबी को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि एक्टिंग उनका प्रोफेशन है लेकिन उन्हें ट्रेवल करना ज्यादा पसंद है। एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि वह एक शौकीन ट्रेवलर हैं। उन्हें इंडिया के साथ-साथ विदेश घूमना भी काफी पसंद है। हर साल वह केदारनाथ जाती हैं। इस दौरान एक्ट्रेस ने बचपन में परिवार के साथ छुट्टियां पर जाने को भी याद किया।

सारा ने पटौदी पैलेस की यादें की शेयर

सारा अली खान ने हाल ही में अपने पेरेंट्स सैफ अली खान और अमृता सिंह के साथ बचपन के छुट्टियों के दिनों को याद किया। सारा ने बताया कि जब उनके पेरेंट्स साथ रहते थे, तो वह अक्सर छुट्टियां मनाने के लिए लंदन जाते थे। इस दौरान एक्ट्रेस ने पटौदी पैलेस की कुछ पुरानी यादें भी शेयर की। सारा अली खान ने कहा, 'इब्राहिम और मां को लंदन बहुत पसंद है और इसलिए मेरे पिता को भी वो जगह काफी पसंद है। जब मेरे पेरेंट्स साथ रहते थे, तो हम हमेशा गर्मियों की छुट्टियों में लंदन जाते थे और 40-45 दिन तक रहते थे।' साथ ही सारा ने बचपन में पटौदी पैलेस में समय बिताने को लेकर कहा, 'पटौदी से मेरी बचपन की बहुत सारी यादें जुड़ी हैं। मैं बड़ी होने के बाद वहां ज्यादा नहीं जाती हूं, लेकिन अब भी सारे त्योहार क्रिसमस, नया साल और दिवाली वहीं मनाती हूं।'

मुझे ट्रेवल करना काफी पसंद है- सारा

इंडिया में ट्रैवलिंग को लेकर सारा ने कहा, कोलंबिया से ग्रेजुएशन के बाद मैं 2016 से खुद से देश की अलग-अलग जगहों पर ट्रेवल कर रहीं हूं। उन्होंने कहा, मैं अपनी फैमिली से प्यार करती हूं लेकिन मुजे अकेले घूमना काफी पसंद है। उन्होंने कहा, सबसे ज्यादा मुझे उत्तराखंड जाना पसंद है उस जगह से मुझे कुछ कनेक्शन फील होता है।

केदारनाथ जाना काफी पसंद है- सारा

सारा अली खान ने अपने करियर की शुरुआत साल 2018 में फिल्म केदारनाथ से की थी। इसमें उनके अपोजिट सुशांत सिंह राजपूत थे। इस फिल्म की शूटिंग केदारनाथ धाम के आसपास हुई थी। शूटिंग के दौरान सारा अली खान ने वहां काफी समय बिताया। इसके बाद सारा केदारनाथ धाम से इतनी ज्यादा जुड़ गईं कि वह हर साल वहां जाने लगीं। सारा ने बताया कि केदारनाथ धाम से उन्हें कुछ कनेक्शन फील होता है, उन्हें वहां जाकर काफी सुकून मिलता है।

फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आएंगी

सारा अली खान के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ आदित्य रॉय कपूर होंगे। साथ ही फिल्म में पंकज त्रिपाठी, नीना गुप्ता, अनुपम खेर और फातिमा सना शेख भी नजर आएंगे। इस फिल्म का डायरेक्शन अनुराग बसु कर रहे हैं।

'पापा नहीं चाहते थे मैं चंकी पांडे से शादी करूं':भावना पांडे

पिता ने साफ-साफ चेतावनी दी थी, मैं काफी इनसिक्योर हो गई थी

चंकी पांडे की पत्नी भावना पांडे ने हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्टर के साथ अपनी शादी के दौरान आई मुश्किलों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'जब हमारी शादी की बात चल रही थी, उस समय चंकी के करियर का सबसे कठिन दौर था और मेरे पिता ने मुझे उनसे शादी न करने की सलाह दी थी।'

सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में भावना पांडे ने कहा, 'जब हम दोनों शादी करने के बारे में सोच रहे थे, उस समय चंकी अपने करियर के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे थे। इसके चलते मेरे पापा ने कड़ी चेतावनी दी थी कि मैं चंकी से शादी नहीं करूंगी। हालांकि, मुझे चंकी पर यकीन था कि वह मुझे जिंदगी भर खुश रखेंगे।'

भावना ने कहा, 'मेरी, चंकी के साथ चीजें बहुत तेजी से आगे बढ़ीं। हमारी शादी भी जल्दी हो गई थी। इसके बाद मुझे काफी इनसिक्योरिटी महसूस होने लगी थी, क्योंकि लिमिटेड कॉल्स और फ्लाइट्स के कारण मैं उनके साथ ज्यादा नहीं रह पाई थी। लेकिन शादी के बाद जब मैं मुंबई आई, तो अचानक मैं एक ऐसी दुनिया में आ गई थी, जो सुंदर और सफल लोगों से भरी हुई थी। मैं भी सोचती थी कि मेरी भी एक अलग पहचान हो, ताकि चंकी भी अपनी पत्नी पर गर्व महसूस कर सके।'

भावना ने कहा, 'हमारी शादी के ठीक नौ महीने सोलह दिन बाद अनन्या का जन्म हो गया था। यह पूरी तरह से अनप्लान्ड था और सब कुछ बहुत जल्दी हो गया। लेकिन फिर हमारा पूरा ध्यान एक बेटी के माता-पिता बनने पर चला गया। दूसरी बात, उस समय चंकी के पास ज्यादा काम भी नहीं था, जिसका फायदा यह हुआ कि वे एक साथ ज्यादा समय बिता सके, जिससे उनका रिश्ता और मजबूत हुआ। हालांकि, मेरे मामले में चंकी ने मुझे बेहद कंफर्टेबल महसूस करवाया।'

बता दें, चंकी पांडे और उनकी पत्नी भावना की पहली मुलाकात साल 1996 में हुई थी। दोनों ने करीब दो साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। इसके बाद दोनों ने साल 1998 में शादी की थी।

विजय देवरकोंडा के साथ लंच डेट पर दिखीं रश्मिका

दोनों ट्विन करते नजर आए, कुछ समय पहले एक्टर ने कहा था- मैं सिंगल नहीं हूं

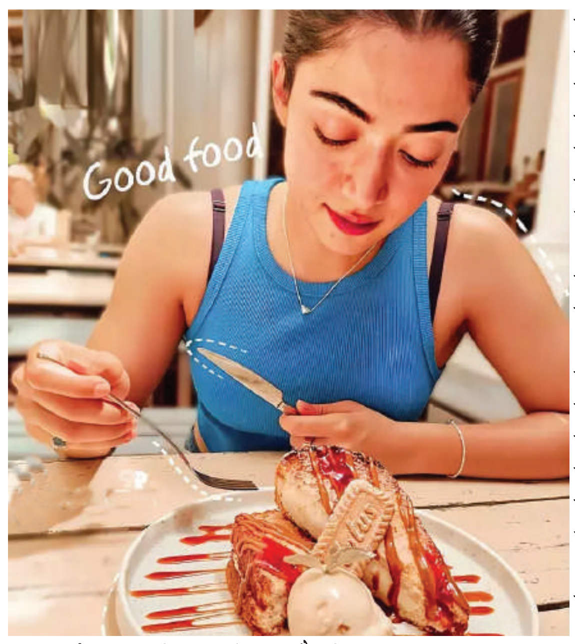

रूमर्ड कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा को एक साथ लंच डेट पर देखा गया। दोनों की साथ की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर सामने आई हैं।

एक तस्वीर में विजय टेबल पर बैठकर खाना खा रहे हैं। रश्मिका उनके सामने और कैमरे की तरफ पीठ करके बैठी दिखीं। वहीं दूसरे फोटो में रश्मिका अपना फूड इन्जॉय करती नजर आईं।

ट्विनिंग करते दिखे रश्मिका और विजय

इस मौके पर दोनों ट्विनिंग करते दिखे। रश्मिका जहां स्लीवलेस क्रॉप ब्लू टॉप और ब्लू डेनिम में दिखीं। वहीं विजय को नीली जैकेट में स्पॉट किया गया।बीते लंबे समय से खबरें हैं कि विजय और रश्मिका रिलेशनशिप में हैं। अभी हाल ही में विजय ने कर्ली टेल्स को दिए इंटरव्यू में पर्सनल लाइफ के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था- मैं जानता हूं कि प्यार करना क्या होता है। मैं पहले भी एक को-स्टार को डेट कर चुका हूं। मैं 35 साल का हूं, क्या आपको लगता है कि मैं सिंगल रहूंगा? हम सभी को कभी न कभी शादी करनी ही पड़ती है, जब तक कि ऐसा न करने का कोई विकल्प न हो।

रश्मिका बोली थीं- बुरे समय में विजय ने मदद की

रश्मिका और विजय ने 2018 में आई फिल्म 'गीता गोविंदम' में पहली बार साथ काम किया था। इसके बाद इनकी ऑन स्क्रीन जोड़ी को 2019 में आई 'डियर कॉमरेड' में भी काफी पसंद किया गया था। इन फिल्मों की शूटिंग के दौरान ही दोनों की डेटिंग की खबरें आने लगीं। हालांकि, इन्होंने इससे इनकार कर दिया।

विजय के साथ अपनी बॉन्डिंग पर रश्मिका ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'जब मैं रक्षित से ब्रेकअप के बाद परेशान थी तो विजय ने ही मुझे इससे उबरने में मदद की थी। उन्होंने उस दौरान मेरी केयर की और मेरे इमोशंस समझे।'साल 2024 की शुरुआत में ऐसी खबरें थीं कि विजय और रश्मिका सगाई करने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन अभी तक इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों के बीच कम्पैटिबिलिटी इश्यू थे, जिसकी वजह से इनका रिश्ता टूट गया। ब्रेकअप के बाद सोशल मीडिया यूजर्स रश्मिका को रक्षित के साथ ब्रेकअप का जिम्मेदार मानकर ट्रोल करने लगे थे। मामला बढ़ता देख रक्षित ने पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा था- आप सबने रश्मिका के लिए अपने ओपिनियन बना लिए हैं, लेकिन मैं उन्हें ढाई साल से जानता हूं।

प्लीज आप सब उन्हें जज करना बंद कीजिए। एक इंटरव्यू में रक्षित ने बताया था कि ब्रेकअप के बाद भी वे और रश्मिका टच में हैं। रक्षित ने कहा था, हम लगातार टच में नहीं रहते, लेकिन जब भी मेरी फिल्म रिलीज होती है, बर्थ डे होता है तो रश्मिका मुझे और मैं रश्मिका को विश जरूर करता हूं।

परीक्षा से पहले पढ़ाई के लिए टाइम टेबल ऐसे बनाएं

चाहे आप स्कूल में हो याफिर कॉलेज में आपके लिए पढ़ाई करना जरूरी है और सभी स्टूडेंट्स अपने हिसाब से पढ़ाई करते भी है लेकिन फिर भी कई सारे स्टूडेंट्स की ये दिक्कत होती है की वो पढ़ाई के लिए अपना समय सही से मैनेज नहीं कर पाते और इस वजह से उन्हें पढ़ाई के लिए पर्याप्त वक़्त नहीं मिल पाता।

कुछ स्टूडेंट्स ऐसी भी होते है जो आपने आलस के कारण पढ़ाई के ऊपर ज्यादा ध्यान नहीं देते और अपना कीमती समय यूँही जाया कर देते है। ऐसे में अगर आप को सारा टाइम सही से मैनेज कर के अपनी पढ़ाई को पूरा करना है तो आप को अपना पढने का समय बनाना होगा जिससे की आप पढ़ाई के लिए अपने टाइम को सही से मैनेज कर पाएंगे और वक़्त पर अपनी सारी पढ़ाई पूरी कर पाएंगे।

1) अपनी दिनचर्या को सही करो

पढने का समय बनाने से पहले आपको अपनी दिनचर्या को सही करना होगा जैसे की समय पर सोना, सुबह जल्दी उठना, योगा, मैडिटेशन और एक्सरसाइज करना, स्वस्थ आहार लेना। इसके अलावा आपको पुरे दिन में जो भी ज़रूरी काम करने है उनकी लिस्ट बनाओ और उस हिसाब से अपने दिन को बिताओ। जब आप अपनी दिनचर्या को सही बनाते हो तब आप अपने समय का सही से इस्तेमाल कर पाते हो और अपने समय को सही कामों में लगा पाते हो और आप अनुशासन में रहने लगते हो।

2) पढ़ाई का समय निश्चित करो

स्कूल/कॉलेज और कुछ अन्य ज़रूरी कामों को छोड़कर आप को अपने दिन भर के समय में पढ़ाई के लिए कितना समय मिल पाता है ये देखो। इसके लिए आप एक क्या करना है की लिस्ट बनाओ जिसमे आप अपनी दिन भर की सभी गतिविधियों को शामिल करो और उसमे से अपने पढ़ाई के लिए एक सही समय निश्चित करो। जैसे की सुबह स्कूल/कॉलेज जाने से पहले दो से तीन घंटे और स्कूल/कॉलेज से आने के बाद दो से तीन घंटे तक आप पढ़ाई कर सकते हो।

3) पढने का टाइम टेबल

यहा पर मैंने दो सिचूएशन के हिसाब से पढने का टाइम टेबल बनाया है ताकि आप को पढने का टाइम टेबल बनाने का अंदाज़ा हो जाए वैसे आप अपने हिसाब से इसमें बदलाव कर सकते हो।

रेगुलर स्कूल/कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स के लिए पढने का टाइम टेबल

सुबह 5 से 8 बजे तक पढ़ाई उसके बाद 8 से 10 बजे तक अपना मॉर्निंग रूटीन अपनाना जैसे की ब्रश करना, एक्सरसाइज करना, नहाना और नाश्ता करना और उसके बाद स्कूल जाने की तैयारी में लग जाओ। 10 से 5 (यहां मैंने स्कूल का एक कॉमन टाइम लिया है आप अपने हिसाब से इसमें बदल कर सकते है।) स्कूल से आने के लगभग एक से डेढ़ घंटे बाद आप पढ़ाई के लिए बैठ सकते हो और लगभग रात 7 से लेकर 8.30 तक आप पढ़ सकते हो। उसके बाद रात का भोजन कर के रात 10 से सुबह 5 बजे तक आप नींद ले सकते हो।

जो स्टूडेंट्स स्कूल/कॉलेज नहीं जा रहे है और घर में ही बोर्ड एग्जाम की या फिर किसी गवर्नमेंट एग्जाम की तैयारी कर रहे है उनके लिए पढने का टाइम टेबलः

सुबह 5 से 8 बजे तक पढ़ाई उसके बाद 8 से 10 बजे तक मॉर्निंग रूटीन अपनाया करो जैसे की ब्रश करना, एक्सरसाइज करना, नहाना और नाश्ता करना और फिर सुबह 10 से दोपहर के 1 बजे तक पढ़ाई और फिर दोपहर 1 से 2 तक भोजन, 3 से 5 तक पढ़ाई उसके बाद शाम 5 से 6 तक थोड़ा विश्राम इसमें आप अपने मनोरंजन के लिए टाइम दे सकते है, थोड़ी नींद ले सकते है, बाहर टहलने जा सकते है या फिर अपने पसंद की चीजें खा सकते है। उसके बाद रात 6 से 8 तक पढ़ाई और फिर रा त 8 से 9 तक रात का भोजन और उसके बाद 10 से सुबह 5 तक आप नींद ले सकते हो।

4) सब्जेक्ट के अनुसार टाइम टेबल बनाओः

पढ़ाई का सही समय निश्चित होने के बाद आपको कौनसे सब्जेक्ट की पढ़ाई कब करनी है और कौनसे सब्जेक्ट को कितना समय देना है ये निश्चित करना है और उस हिसाब से अपना पढने का टाइम टेबल बनाना है। अगर आपको कोई सब्जेक्ट थोडासा कठिन लगता है तो उस सब्जेक्ट को पढ़ने के लिए आप ज्यादा समय दे सकते हो और कोई सब्जेक्ट आप को पसंद है और आप को जल्दी समझ में आता है तो आप उसके लिए थोडा कम समय दे सकते हो।

5) पढ़ने का टाइम टेबल बनाते वक्त ये बात ध्यान में रखो

अगर आप सोच रहे हो की ज्यादा समय तक पढ़ाई करने से आपकी पढ़ाई अच्छी तरिके से हो पाएगी तो ये बात पूरी तरिके से गलत है क्योंकि आप चाहे दिन भर में तीन घंटे पढ़ो या दस घंटे पर आप जो पढ़ रहे हो वो अगर अच्छे से सोच समजकर नहीं पढोगे तो उस पढ़ाई का कोई फायदा नहीं है।

कहने का मतलब ये है की अपनी पढ़ाई कितीन की पर नहीं मतलब आपने कितने घंटे पढ़ाई की इससे ज्यादा पढ़ाई के क्वालीटी पर मतलब आपने जो भी पढ़ा है वो आप को कितना समझमें आया है इस पर ध्यान दो तभी आपकी पढ़ाई प्रभावी तरिके से हो पाएगी।

6) एक डायरी रखो

आप को अगले दिन किन किन सब्जेक्ट्स को पढ़ना है और उनमें कौन कौनसे चैप्टर्स को पढ़ना है, उस चैप्टर्स के क्या क्या महत्वपूर्ण पॉइंट्स है इन सबके बारे में रात को सोने से पहले आप डायरी में लिखकर रखें।

इसके अलावा पढ़ाई के दौरान आपको कोई शंकाये आ गयी हो या फिर पढ़ाई से संबंधित कोई महत्वपूर्ण बात हो तो आप उस डायरी में लिख सकते हो और पढ़ाई के अलावा आप अपने दिनचर्या के कुछ महत्वपूर्ण बातें उसमे शामिल कर सकते हो।

'एन्वायरनमेंटल साइंस' में रोजगार के अवसर

आज के वैज्ञानिक युग में नित नए अनुसंधानों द्वारा मानव अपनी हर इच्छा को साकार कर रहा है। इसके विपरीत, इन वैज्ञानिक आविष्कारों के हानिकारक लक्षणों के कारण मानव जीवन की परेशानियां भी बढ़ी हैं। मानव विकास के लिए स्वच्छ वातावरण आवश्यक है। पेड़-पौधे, जल, मिट्टी, वायुमंडल एवं अन्य प्राकृतिक संसाधन सभी मिल कर संतुलित चक्र के रूप में जो स्वस्थ वातावरण निर्मित करते हैं, उसे ही पर्यावरण कहते हैं। पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ है परि आवरण अर्थात हमारे चारों ओर छाया हुआ आवरण।

प्रदूषित पर्यावरण की समस्या से आज सम्पूर्ण विश्व चिंतित है। पर्यावरण संरक्षण, प्रबंधन और जन-जागृति से संबंधित अनेक कार्य हैं, जिनमें रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं- पर्यावरण इंजीनियर, वैज्ञानिक, स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यकर्त्ता, परामर्शदाता, कानूनविज्ञ, सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों द्वारा प्रदूषण नियंत्रण, मशीन एवं तकनीक के क्षेत्र द्वारा स्वच्छ वातावरण बनाने में योगदान देकर आजीविका कमाई जा सकती है। वन एवं पर्यावरण के क्षेत्र में रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं।

पर्यावरण इंजीनियरिंग पर्यावरण में नए-नए आविष्कारों के हानिकारक प्रभावों को कम एवं समाप्त करने में पर्यावरण इंजीनियर एक प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।

पर्यावरण इंजीनियरिंग में विभिन्न पाठ्यक्रम :

बी.ई/बी.टैक पाठ्यक्रम पर्यावरण इंजीनियरिंग में बी.ई./बी. टैंक पाठ्यक्रम संचालित करने वाले कालेजों में प्रवेश हेतु साधारणतः भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं गणित विषयों के साथ-साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होनी जरूरी है। इसके अतिरिक्त इंजीनियरिंग में दाखिले हेतु कई स्थानों पर प्रवेश परीक्षा भी ली जाती है, जिसमें मैरिट के आधार पर चयन किया जाता है।

एम.ई./एम.टैकः पर्यावरण इंजीनियरिंग में स्नातक पाठ्यक्रम (बी.ई./बी. टैंक पर्यावरण) करने के पश्चात एम.ई. अथवा एम. टैंक (पर्यावरण विज्ञान) में किया जा सकता हैं। ये पाठ्यक्रम कुछ स्थानों पर पूर्णकालिक हैं तो कुछ स्थानों पर अंशकालिक भी हैं। अंशकालिक पाठ्यक्रम को सामान्य कार्यों/ अन्य रोजगार करते हुए भी किया जा सकता है।

पर्यावरण में अन्य पाठ्यक्रम पर्यावरण विज्ञान में इंजीनियरिंग के अतिरिक्त एम.एस.जी. (पर्यावरण विज्ञान) तथा कई प्रकार के डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी विभिन्न संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों में सामान्यतः जीव विज्ञान विषयों वाले प्रत्याशियों का ही चयन किया जाता है।

एम.एससी. पाठ्यक्रम इसके लिए न्यूनतम योग्यता सामान्यताः बी.एस.सी. बायोलाजी / लाइफ साइंस है।

- पर्यावरण विज्ञान में एम.एससी.
- मुम्बई विश्वविद्यालय, एम.जी. रोड, फोर्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र
- पर्यावरण शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (भारतीय विद्यापीठ) पुणे, महाराष्ट्र

विद्याविहार, रायबरेली रोड, लखनऊ - महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय अजमेर, राजस्थान)

- पांडिचेरी विश्वविद्यालय आर. वेंकटरमन नगर, कलापेट, पांडिचेरी एम.एससी. पारिस्थितिकी
- वन अनुसंधान संस्थान डीड यूनिवर्सिटी, पो. आफिस न्यू फॉरेस्ट, देहरादून, उत्तराखंड एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान एवं पारिस्थितिकी)

डिप्लोमा पाठ्यक्रम :

इंडियन इंस्टीच्यूट आफ मैनेजमैंट, श्री चंद्रशेखर सरस्वती विद्यापुरम प्लाट-1, ई-सैक्टर-5, नेरुल, नवी मुम्बई में प्राकृतिक विज्ञान में स्नातकोत्तर या इंजीनियरिंग में नए स्नातकों/ प्राकृतिक विज्ञान में योग्यता रखने वाले पेशेवर लोगों के लिए पर्यावरण प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाया जाता है।

पर्यावरण शिक्षा, संरक्षण एवं विकास तथा पर्यावरण कानून से संबंधित एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम निम्नलिखित स्थानों पर चलाए जाते हैं :

- मैसूर विश्वविद्यालय, काफोर्ड हाल, मैसूर, कर्नाटक
- चौधरी चरणसिह विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश - मद्रास विश्वविद्यालय, सेंटेनेरी बिल्डिंग, चेपाक,

टिप्लीकेन डाकघर, चेन्नई

इन पाठ्यक्रमों के अलावा आई.आई.एफ.एम. भोपाल, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून एवं इग्नू विश्वविद्यालय (दूरस्थ शिक्षा) आदि के द्वारा भी पर्यावरण विषयक अनेक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

एन्वायरनमैंटल साइंस के फील्ड में अधिक से अधिक युवाओं द्वारा रुचि लेना जरूरी है क्योंकि पर्यावरण के प्रति आमजन में चेतना जाग्रत करने हेतु इस दिशा में अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

'कामयाब' लोगों से सीखें गुण

कामयाब होने के लिए सबसे जरूरी होता है कि आप खुद को मोटिवेट रखें। सफल लोगों का चीजों को देखने और सीखने का नजरिया थोड़ा अलग होता है। आपको वे बातें बता रहे हैं जो सफल लोग सोचते तथा करते हैं और आप भी उनसे बहुत कुछ सीख सकते हैं।

परेशानियों से घबराए नहीं : सफल व्यक्ति कभी भी अपनी परेशानियों से हार मानकर काम को अधूरा नहीं छोड़ते। वे परेशानियों को चैलेंज की तरह देखते हैं और उन्हें हराकर आगे बढ़ते हैं इसलिए जीवन में वे सफल हो पाते हैं।

अकेले समय बिताना जरूरी : सफल व्यक्तियों की एक खास आदत होती है कि वे खुद के साथ समय बिताना पसंद करते हैं। इस दौरान वे तमाम नए आइडिया और चीजों पर काम करते हैं और खुद को सफलता की ओर ले जाते हैं। अक्सर लोग अकेले समय बिताना पसंद नहीं करते। कुछ लोगों को खुश रहने के लिए आस-पास लोगों की जरूरत होती है, लेकिन अगर आप सफलता पाना चाहते हैं तो आपको खुद के साथ समय बिताना आना चाहिए।

सही समय का इंतजार नहीं करतेः सफलता पाने के लिए कोई सही समय नहीं होता है। किसी भी काम के लिए तुरंत एक्शन लेते हैं इसीलिए सफल हो पाते हैं। सीखते रहना जरूरी : सफलता के लिए सबसे जरूरी है कि आप कभी सीखने की चाह को खुद में खत्म न करें। सफल व्यक्ति कभी इस भ्रम में नहीं रहते कि उन्हें सब आता है। वे हर वक्त कुछ नया सीखते रहते हैं और यही बात उन्हें सफलता की ओर ले जाती है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में इंजीनियर्स की 169 वैकेंसी; 12 दिसंबर तक आवेदन करें

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 160 से ज्यादा पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ibpsonline.ibps.in पर जाकर 12 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं।

वैकेंसी डिटेल्स :

असिस्टेंट मैनेजर (सिविल) : 43 पद

असिस्टेंट मैनेजर (इलेक्ट्रिकल) : 25 पद

असिस्टेंट मैनेजर (फायर) : 101 पद

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

संबंधित क्षेत्र में बीई या बीटेक की डिग्री।

आयु सीमा :

21 - 40 साल

फीस :

जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 750 रुपए

एससी,एसटी, पीडब्ल्यूबीडी : निःशुल्क

सैलरी :

पद के अनुसार 48480 - 85920 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :

ऑनलाइन रिटन टेस्ट

इंटरेक्शन

इसके बाद मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट sbi.co.in पर जाएं।

होमपेज पर करिअर टैब पर क्लिक करें।

स्क्रीन पर एक नया पेज खुलेगा। यहां अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरें।

फीस का भुगतान करें।

जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।

फॉर्म सब्मिट करें।

इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

भारतीय पशुपालन निगम में 2246 पदों पर भर्ती, 10वीं पास से लेकर ग्रेजुएट्स करें अप्लाई

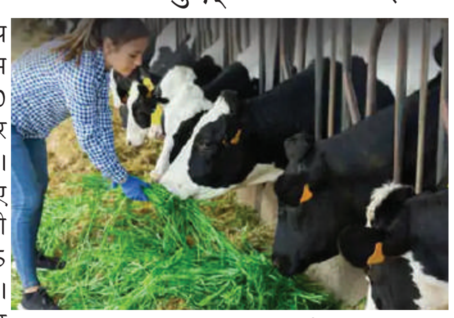

भारतीय पशुपालन निगम लिमिटेड में 2000 से ज्यादा पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 25 नवंबर है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट pay.bharatiyapashupalan.com पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

वैकेंसी डिटेल्स :

लघु उद्यम विस्तार अधिकारी : 562 पद

लघु उद्यम विकास सहायक : 1686 पद

कुल पदों की संख्या : 2246

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

लघु उद्यम विस्तार अधिकारी :

मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्था से 10वीं पास।

लघु उद्यम विकास सहायक :

ग्रेजुएशन की डिग्री।

आयु सीमा :

लघु उद्यम विस्तार अधिकारी : 21-45 वर्ष

लघु उद्यम विकास सहायक : 18 - 40 वर्ष

सैलरी :

लघु उद्यम विस्तार अधिकारी : 40,000 रुपए प्रति माह

लघु उद्यम विकास सहायक : 30,500 रुपए प्रति माह

सिलेक्शन प्रोसेस :

इंटरव्यू के बेसिस पर

फीस :

लघु उद्यम विस्तार अधिकारी : सभी वर्गों के लिए 944 रुपए

लघु उद्यम विकास सहायक : सभी वर्गों के लिए 826 रुपए

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट bharatiyapashupalan.com पर जाएं।

होम पेज पर मौजूद भर्ती लिंक पर क्लिक करें।

जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।

मांगी जाने वाली डॉक्यूमेंट्स की स्कैन कॉपी को अपलोड करें।

फीस का ऑनलाइन भुगतान करें।

एप्लिकेशन फॉर्म सबमिट करें।

इसका प्रिंट आउट निकाल कर रखें।

प्रभावशाली तरीके से इंटरव्यू देने के टिप्स

आप चाहे किसी भी पोस्ट व स्तर पर इंटरव्यू देने जा रहे हो, चाहे आपका पहला इंटरव्यू हो या तीसरा व चौथा लेकिन अमूमन हर कोई अपने इंटरव्यू से पहले नर्वस होता ही है। इंटरव्यू से पहले थोड़ी घबराहट होना स्वाभाविक भी है। यदि आपके मन में इंटरव्यू में अपना चयन सुनिश्चित करने को लेकर ढेरों सवाल है, तो आइए जानते हैं प्रभावशाली तरीकेसे इंटरव्यू देने के टिप्स -

* केवल योग्य होना ही आपके चयन की गारंटी नहीं है। आपका

व्यक्तित्व भी प्रभावशाली होना बेहद जरूरी है। इसके लिए आपको अपने लुक्स पर भी ध्यान देना चाहिए।

* आप खुद का और आपकी बातों की प्रस्तुति किस प्रकार से करते है, यह भी इंटरव्यू में आपकी कामयाबी के लिए बहुत मायने रखता है।

* इंटरव्यू में अक्सर यह सवाल पूछा जाता है कि आप पांच साल बाद खुद को कहां देखते हैं? इस तरह के प्रश्न आपके आत्मविश्वास को पखने के लिए पूछे जाते हैं, इसीलिए उनके जवाब आत्मविश्वास से भरे और तार्किक होने चाहिए।

* हॉल के अंदर जाने के पहले लंबी सांस लेकर रिलैक्स हो जाना चाहिए। इंटरव्यू के पहले अपने प्लान पूरी तरह से तैयार कर लें। अपने जरूरी कागज ध्यान से रख लें। मुंह में च्यूइंगम या फिर दूसरी किसी चीज को रखकर हॉल के अंदर न जाएं।

* सकारात्मक और नकारात्मक बातों का हमेशा ध्यान रखें। अपनी कमजोरी छुपाए नहीं। हां, यह जरूर बताएं कि आप अपने इस नकारात्मक बिंदू को पहचानते हैं और उससे निकलना चाहते हैं।

प्रोफेशनल लाइफ में बातचीत में न करें ये गलतियां

आप किससे कैसे बात करते हैं, इसका बहुत असर आपकी प्रोफैशनल और पर्सनल लाइफ पर पड़ता है। आपको वे गलतियां बता रहे हैं जो लोग अक्सर बातचीत के दौरान करते हैं।

आदेश देना

जब हमें किसी से कोई बात मनवानी होती है या अपना कोई काम करवाना होता है तो हमें कोशिश करनी चाहिए कि हमारी बातचीत के लहजे से यह बिल्कुल न लगे कि हम किसी को कोई आदेश दे रहे हैं। अगर सामने वाले व्यक्ति को हमारे लहजे में ऐसा लगा कि आप उसे आदेश दे रहे हैं तो मुमकिन है कि वह हमारे काम को करने से मना कर दे।

किसी से जबरदस्ती हां बुलवाने की कोशिश

जब आप किसी से भी बातचीत करते हैं तो आपको ध्यान देना चाहिए कि आप किसी भी व्यक्ति को जबरदस्ती अपनी बातों में हां में हां बुलवाने के लिए फोर्स न करें। मुमकिन है कि इससे सामने वाला व्यक्ति आपसे चिढ़ जाए।

सामने वाले का नाम नहीं लेना

ये गलती बहुत ही आम है। हम अक्सर बातचीत के वक्त सामने वाले व्यक्ति का नाम नहीं लेते हैं। हालांकि, अगर आप किसी से प्रभावशाली बातचीत करना चाहते हैं तो आपको सामने वाले व्यक्ति को नाम से बुलाना चाहिए।

लोगों को बीच में टोकना

आपको सामने वाले की पूरी बात सुननी चाहिए और उसके बाद ही कोई राय देनी चाहिए। अगर आप बातचीत के दौरान ही व्यक्ति को टोकते हैं तो हो सकता है कि आप

बदलाव के लिए रहिए तैयार

बचपन में हम आने वाले जीवन के लिए कितने सपने देखते हैं- बड़े होकर ये बनेंगे, ऐसा करेंगे, लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं जीवन की तमाम परेशानियां और विपरीत स्थितियों के चलते हम सपने देखना भूल जाते हैं।

कई लोग परेशानियों में उलझने के बाद भी जीवन का उद्देश्य याद रखते हैं तो कई लोग परेशानियों में इस तरह उलझ जाते हैं कि जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम ही करना बंद कर देते हैं।

लोग इस तरह हताश हो जाते हैं कि जाने-अनजाने खुद का ही जीवन बर्बाद करते जाते हैं। आपको ऐसे संकेत बता रहे हैं जो इस ओर इशारा करते हैं कि आप अपने जीवन को बेकार या बर्बाद कर रहे हैं। अगर आपमें कोई ऐसे लक्षण हैं तो आपको तुरंत उन्हें बदलने की कोशिश करनी चाहिए। फालतू की चीजें करके बर्बाद करते हैं समय अगर आप अपना ज्यादातर समय वह काम करने में बिताते हैं जो आपको नहीं करने चाहिएं तो ये साफ संकेत है कि आप अपने जीवन को बर्बाद कर रहे हैं। बहुत से लोग आजकल ज्यादातर सोशल मीडिया पर वीडियो आदि देखते हुए गुजार देते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो यह समझने की जरूरत है कि बेवजह वीडियो देखना आपके जीवन को कहीं आगे नहीं ले जाएगा। ऐसा काम जो आपकी प्रोडक्टिविटी को नहीं बढ़ाता है और उस काम पर समय लगा रहे हैं तो आप एक तरह से खुद के जीवन को व्यर्थ कर रहे हैं। यदि आप हर छोटी-छोटी बातों पर शिकायत करते हैं तो खुद को नैगेटिव विचारों से घेर लेते हैं। अपनी इस आदत को भी आपको बदलना होगा।

दिवालिया होगा अमेरिका !

रोजाना 6.3 अरब डालर बढ़ रहा कर्ज, हर आदमी पर कितना बोझ?

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। डॉनल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति बनने से पहले ही देश का कर्ज रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका का कर्ज 36 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका है। इस साल इसमें दो ट्रिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। पिछले 316 दिन में अमेरिका के कर्ज में रोजाना 6.3 अरब डॉलर यानी करीब 5,31,94,85,78,490 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसका मतलब है कि अमेरिका के हर नागरिक पर 108,000 डॉलर का कर्ज है। जीडीपी के परसेंटेज के रूप में डेफिसिट स्पेंडिंग दूसरे विश्व युद्ध के स्तर पर पहुंच चुका है। कोरोना महामारी शुरू होने के बाद से अमेरिका के कर्ज में करीब 16 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। अमेरिका के इतिहास में ऐसा कभी

नहीं हुआ है कि सरकार को इतना कर्ज लेना पड़ा है। अमेरिका का कर्ज पिछले 24 साल में छह गुना बढ़ा है। साल 2000 में अमेरिका पर 5.7 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था। साल 2010 में यह 12.3 ट्रिलियन डॉलर और 2020 में 23.2 ट्रिलियन डॉलर था। यूएस कांग्रेस के बजट दस्तावेजों के मुताबिक अगले दशक तक देश का कर्ज 54 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने का अनुमान है। देश का कर्ज जीडीपी का करीब 125% है। स्थिति यह हो गई है कि अमेरिका को रोज 1.8 अरब डॉलर से ज्यादा ब्याज के भुगतान में खर्च करने पड़ रहे हैं। साफ है कि सरकार की कमाई कम हो रही है और खर्च बढ़ गया है।

क्या होगा असर?

जानकारों का कहना है कि यह देश की इकॉनमी और नेशनल सिक्योरिटी के लिए अच्छी बात नहीं है। माना जा रहा है कि अगले कुछ साल में अमेरिका का डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 200% तक पहुंच सकता है। मतलब देश का कर्ज इकॉनमी से दोगुना पहुंच जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो कर्ज चुकाते-चुकाते ही अमेरिका की इकॉनमी का दम निकल जाएगा। इससे सरकार को रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और शिक्षा पर होने वाले कुल खर्च से ज्यादा पैसा ब्याज चुकाने में देना होगा। चिंता की बात यह है कि अमेरिका का कर्ज ऐसे समय बढ़ रहा है जब देश की इकॉनमी अच्छी स्थिति में है। अमूमन जब इकॉनमी में कमजोरी आती है तो सरकार खर्च बढ़ाती है ताकि ग्रोथ को हवा दी जा सके। बढ़ते कर्ज से देश में एक बार फिर शटडाउन की नौबत आ सकती है। कर्ज को लेकर अक्सर दोनों पक्षों यानी रिपब्लिकन्स और डेमोक्रेट्स में विवाद रहता है। मगर सच्चाई यह है कि दोनों दलों के कार्यकाल में देश का कर्ज बढ़ा है। देश की क्रेडिट रेटिंग पर भी इसका असर दिखना शुरू हो गया है। पिछले साल अगस्त में फिच ने अमेरिका के सॉवरेन डेट की रेटिंग एए+ से घटाकर एएए कर दी थी। मूडीज ने भी चेतावनी दी थी कि वह अमेरिका की एएए में कटौती कर सकती है। पिछले साल जून में अमेरिका पहली बार डिफॉल्ट की दहलीज पर पहुंच गया था और एक बार फिर यह स्थिति बन रही है।ट्रंप ने सरकारी खर्चों में कटौती करने और सरकार की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए एक नया विभाग डिपार्टमेंट ऑफ गवर्मेंट एफिशिएंसी बनाने की घोषणा की है।

नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत ट्रेन को नहीं मिल रहे पैसेंजर, 8 कोच में बदलने की तैयारी

नई दिल्ली,24 नवंबर (एजेंसियां)। देश में इस समय 50 से अधिक वंदे भारत ट्रेन चल रही हैं। लेकिन इनमें से कई ट्रेनों को यात्री नहीं मिल पा रहे हैं। इसमें नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत भी शामिल है। करीब 25% की कम ऑक्यूपेंसी पर चल रही 20 कोच वाली इस वंदे भारत एक्सप्रेस को 8 कोच वाली रेक से बदलने की योजना पर काम चल रहा है। वंदे भारत ट्रेनों की नई खेप आने के बाद इसे रिप्लेस किया जाएगा। इस ट्रेन को इसी साल 19 सितंबर को लॉन्च किया गया था। लेकिन दिवाली की छुट्टियों के आठ दिनों को छोड़ दिया जाए तो यह कभी भी फुल ऑक्यूपेंसी के साथ नहीं चली। नागपुर डिवीजन सेंट्रल रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन को दो हिस्सों में बांटने का प्रस्ताव मुंबई हेडक्वार्टर को भेजा गया है। इसमें से एक ट्रेन सिकंदराबाद सेक्शन पर और एक किसी अन्य सेक्शन पर चलाने का प्रस्ताव है। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने नागपुर से प्रस्थान समय को वर्तमान सुबह 5 बजे से बदलकर सुबह 7 बजे करने का भी प्रस्ताव रखा है। सेंट्रल रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ स्वप्निल नीला ने कहा कि वर्तमान वंदे भारत रेक को बदलने का प्रस्ताव है। चूंकि कोच अलग नहीं किए जा सकते, इसलिए हमें इसे आठ कोच से बदलना होगा, जिन्हें आवश्यकता के अनुसार बढ़ाया जा सकता है।वंदे भारत ट्रेनों में रूट और अपेक्षित यात्रियों की संख्या के आधार पर 8, 16 या 20 कोच हो सकते हैं। नागपुर-सिकंदराबाद के लिए 8 कोच वाली रेक बेहतर विकल्प हो सकती है। 16 कोच वाली मानक ट्रेन में दो एग्जीक्यूटिव क्लास कोच और 14 चेयर कार कोच हैं। नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत में 20 रेक हैं और इसमें 1,440 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। अधिकारियों का कहना है कि 20 कोच वाली वंदे ट्रेनें विशेष रूप से उन मार्गों पर उपयोगी हो सकती हैं, जहां अक्सर भीड़ होती है।

चढ़ते बाजार में भी नुकसान में रही मुकेश अंबानी की रिलायंस, एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली,24 नवंबर (एजेंसियां)। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,536.8 अंक या 1.98 प्रतिशत के लाभ में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 374.55 अंक या 1.59 प्रतिशत चढ़ गया। शुक्रवार को सेंसेक्स 1,961.32 अंक या 2.54 प्रतिशत उछलकर 79,117.11 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 557.35 अंक या 2.39 प्रतिशत बढ़कर 23,907.25 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह कुल मिलाकर 1,55,603.45 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। एचडीएफसी बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय जीवन बीमा निगम के मार्केट कैप में गिरावट आई। अन्य कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में इजाफा हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 40,392.91 करोड़ रुपये बढ़कर 13,34,418.14 करोड़ रुपये हो गया। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक को ही हुआ। टीसीएस की बाजार हैसियत 36,036.15 करोड़ रुपये बढ़कर 15,36,149.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 16,266.54 करोड़ रुपये बढ़कर 9,01,866.22 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस का 16,189.33 करोड़ रुपये बढ़कर 7,90,151.83 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 13,239.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 5,74,569.05 करोड़ रुपये रहा। आईटीसी की बाजार हैसियत 11,508.91 करोड़ रुपये बढ़कर 5,94,272.93 करोड़ रुपये हो गई। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 11,260.11 करोड़ रुपये बढ़कर 8,94,068.84 करोड़ रुपये पर और भारतीय स्टेट बैंक की बाजार हैसियत 10,709.55 करोड़ रुपये बढ़कर 7,28,293.62 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इस रुख के उलट एलआईसी का मूल्यांकन 11,954.24 करोड़ रुपये घटकर 5,62,545.30 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 2,368.16 करोड़ रुपये घटकर 17,13,130.75 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।
0उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एसबीआई, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

कौन हैं जेनसेन हुआंग? जिन्होंने कमाई में दुनिया के सबसे अमीर आदमी को भी छोड़ दिया पीछे

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दिग्गज कारोबारी और टेस्ला के सीईओ भले ही दुनिया के सबसे अमीर आदमी हो सकते हैं, लेकिन एक और शख्स है जिसने साल 2024 में सबसे ज्यादा कमाई करने के मामले में उन्हें पीछे छोड़ दिया है। ऐसा करने वाले व्यक्ति का नाम है जेनसेन हुआंग। हो सकता है कि आपने पहले ये नाम न सुना हो। लेकिन शायद आपने एनवीडिया का नाम तो सुना होगा। समझाने के लिए आसान बात कहूं तो एनवीडिया आपके कंप्यूटर के लिए ग्राफिक कार्ड बनाने वाली कंपनी है और इसी कंपनी के सीईओ हैं जेनसेन हुआंग।

2024 में की सबसे ज्यादा कमाई

फोर्ब्स के अनुसार, हुआंग की वार्षिक कमाई 2023 में 21.1 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2024 में 77 बिलियन डॉलर हो गई। यह मस्क की वार्षिक आय में 15 बिलियन डॉलर की लगभग चार गुना वृद्धि थी। यह 2023 में 180 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2024 में 195 बिलियन डॉलर हो गई। साल 2024 की कमाई के बाद हुआंग की कुल संपत्ति अब $123.8 बिलियन डॉलर हो गई है। इसके बाद वह फोर्ब्स की रियल-टाइम

अरबपतियों की सूची में नौवें नंबर पर आ गए।

इस साल रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे एनवीडिया के शेयर

इस साल एनवीडिया के शेयर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। इस बढ़ोतरी से हुआंग की संपत्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। एनवीडिया का मार्केट कैप करीब 3.5 ट्रिलियन डॉलर है। इस साल की शुरुआत में $713 मिलियन मूल्य के एनवीडिया स्टॉक बेचने के बाद भी हुआंग कंपनी के सबसे बड़े शेयरधारक बने हुए हैं। गौरतलब है कि एनवीडिया के पास एआई एक्सेलेरेटर में 80 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है, जो अमेज़ॅन, गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और यहां तक कि टेस्ला जैसे तकनीकी दिग्गजों द्वारा उपयोग किए जाने वाले अत्याधुनिक एआई अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण है।

इस कारण लगातार बढ़ रही एनवीडिया के शेयरों की कीमत

लेकिन ऐसा क्या है जो एनवीडिया को आगे बढ़ा रहा है। ऐसा क्या है जिसकी वजह से एनवीडिया का मार्केट कैप इतना हो गया है। इसको समझने के लिए कंप्यूटर को समझना होगा। दरअसल कंप्यूटर में एक सीपीयू होता है यानी सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट। इसको कंप्यूटर का दिमाग माना जाता है। इसमें एक प्रोसेसर की जरूरत होती है। प्रोसेसर को इंटेल और एएमडी जैसी कंपनियां तैयार करती हैं... कंप्यूटर में सीपीयू की तरह ही एक और बेहद खास चीज का इस्तेमाल होता है जिसे जीपीयू कहा जाता है यानि ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट। यूं समझिए कि आपको अपनी स्क्रीन पर जो तस्वीरें, ग्राफिक्स और वीडियो आदि दिखाई देते हैं, उसमें इस जीपीयू का बड़ा हाथ होता है... लेकिन ये तो जीपीयू का केवल एक इस्तेमाल था। जीपीयू की असली ताकत पता चला आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस के दौर में।जब चैट जीपीटी और गूगल जैमिनी जैसे टूल्स को बनाया जाता है, तब बहुत अधिक संख्या में जीपीयू का इस्तेमाल किया जाता है और जैसे-जैसे दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मांग बढ़ रही है, वैसे-वैसे जीपीयू की भी मांग भी बढ़ रही है। एनवीडिया इसी जीपीयू को बनाने वाली कंपनी है। शायद अब आप समझ रहे होंगे कि ये कंपनी कैसे दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। चलिए अब आपको जेनसेन हुआंग के बारे में बताते हैं। ताइवान में जन्मे हुआंग नौ साल की उम्र से अमेरिका में पले-बढ़े हैं। उन्होंने ओरेगॉन स्टेट यूनिवर्सिटी और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में पढाई की। जहां से उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता हासिल की। हुआंग ने 5 अप्रैल 1993 को अपने दो साथियों के साथ मिलकर एनवीडिया को बनाया था। उनकी इस कंपनी का मुख्यालय अमेरिका के कैलिफोर्निया में है। भारत में भी ये कंपनी पिछले 20 सालों से काम कर रही है और देश में इसके करीब 3000 कर्मचारी हैं। दुनियाभर में जितने जीपीयू इस्तेमाल होते हैं उनमें से करीब 88 फीसदी एनवीडिया के ही होते हैं। चैटजीपीटी को बनाने में 10 हजार ग्राफिक चिप लगे हैं और से सभी एनवीडिया के ही हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-30 सूर्यास्त. -17-35
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	वृश्चिक	मे	वृश्चिक-	05-50	बजे
चंद्र-	कन्या	मे	धनु----	08-04	बजे
मंगल	कर्क	मे	मकर...	10-09	बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	कुंभ--	12-00	बजे
गुरु-	वृष	मे	मीन--	10-38	बजे
शुक्र-	धनु	मे	मेष---	15-14	बजे
शनि-	कुंभ	मे	वृष---	16-59	बजे
राहु-	मीन	मे	मिथुन-	19-00	बजे
केतु-	कन्या	मे	कर्क---	21-11	बजे
			सिंह---	23-24	बजे
			कन्या--	01-31	बजे
			तुला---	03-36	बजे

दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- दशमी 01-01 तक उपरान्त एकादशी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण , सोमवार 25 November
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 01-23 तक उपरान्त हस्त
योग - विष्कुंभ 13-11 तक उप प्रीति
करण- वणिज 11-39 तक उप विष्टी
विशेष:-
व्रत -त्योहार - श्री महावीर स्वामी दीक्षा कल्याणक

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 07:52 से 09:16 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:30 - 07:52	शुभ	चंचल	17:35 - 19:15	शुभ
काल	07:52 - 09:16	अशुभ	रोग	19:15 - 20:51	अशुभ
शुभ.	09:16 - 10:39	शुभ	काल	20:51 - 22:27	अशुभ
रोग.	10:39 - 12:03	अशुभ	लाभ	22:27 - 00:03	शुभ
उत्पात	12:03 - 13:27	अशुभ	उत्पात	00:03 - 01:40	अशुभ
चंचल.	13:27 - 14:51	शुभ	शुभ.	01:40 - 03:16	शुभ
लाभ	14:51 - 16:15	शुभ	अमृत.	03:16 - 04:52	शुभ
अमृत	16:15 - 17:35	शुभ	चंचल.	04:52 - 06:30	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप अपने को शांत रखे क्यों की कुछ स्थितियों में आप अपना आपा खो सकते है । कुछ भी क्रोधित तरीके से न बोले की किसी को वो आक्रामक या गलत लगे । इस समय इस बिंदु पर अनभिज्ञ रहे और बाद में एक परिष्कृत तरीके से अपना रोष बाहर निकाले । आप खुश रहे क्योकि आपने काफी धन एकत्रित कर लिया है ,जो की आप विलासिता से भरी वस्तु पर खर्च कर सकते है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप इस समय शांति में नहीं हैं। आपके दिल और दिमाग के बीच एक निरंतर युद्ध है की किस तरह से नैतिक और तार्किक रूप से सही निर्णय लिया जाये । अपने दिल की बात सुने और अपने मन को शांत करने के लिए कुछ करे । अपने आप को एक नई जिम्मेदारी सौपे । अगर आप बिना सोच के खर्च करेंगे तो आपको वित्तीय परेशानी हो सकती है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छा और सफलता से भरपूर है जो किसी भी तरह से शिक्षा या लेखन से जुड़े हैं । छात्रों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों, लेखकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए एक बहुत आनंदमयी एवं अच्छा दिन होने के संकेत है। आज का दिन लंबी अवधि की योजनाओं में निवेश करने के लिए उपयुक्त है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
कार्य क्षेत्र में आपका जीवन संतुलित रहेगा । आप अपने प्रभावशाली नरम कौशल के लिए जाने जायेंगे । आप को और अधिक ज्ञान पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे तथा आप अन्य लोगों के साथ इस ज्ञान को साझा भी कर सकते हैं । लेकिन कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप एक आकर्षक आभा और मीठी वाणी के स्वामी है । इन अलंकारो की वजह से आप अपना रास्ता खुद बना सकते है । आपका बच्चों का सा रवैया हर जगह खुशी फैलाता है और सबके लिए बहुत आसान परिस्थितियों का निर्माण होता है , और आप अपने चुटकुलों और हास्य से सबके मनोविज्ञान को प्रभावित करते है , जो आपके मुख मंडल से अनायास ही निकल पड़ते है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज एक नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है । आप अपनी नौकरी बदलने के बारे मैं नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नौकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नौकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपका धैर्य कर्तव्य और जिम्मेदारी की अपनी भावना आपके रास्ते में आ रही सभी बाधाओं को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी । आपको अपने हास्य क्षमता को जागृत करना होगा ताकि आपका कार्य क्षेत्र में एक अच्छे माहौल का निर्माण हो सके जिससे की आप आराम से अपने कार्य को कर सके ।दिन के अंत में एक गंभीर वित्तीय लाभ का मौका आपको मिल सकता है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
एक दोस्त या एक गाइड के माध्यम से छात्रों को एक नया करियर विकल्प मिल सकता है और आप अपने करियर के रूप में इसे चुन सकते हैं पर आपको एक गहन अनुसंधान की सलाह दी जाती है। आज पेशेवरो में नयी उर्जा का संचार हो सकता है । यह किसी भी परियोजना को शुरू करने के लिए एक अच्छा दिन है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
हाल ही में सह कर्मी आपसे ईर्ष्या के कारण असहयोगी रहे है! लेकिन उनके सामने जोर से न चिल्लाये क्योकि ये अलग रूप में तोड़ मरोड़ कर आपके वरिष्ठ अधिकारियो तक बहुत चालाकी से पहुचाया जाएगा । बस कुछ समय के लिए ऐसे लोगों के साथ दूरी बनाए रखें। आपको आज कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप अपने कार्य क्षेत्र में कुछ भ्रमित है और काफी समय से कुछ प्रश्न आपकी परेशानिया बढ़ा रहे है । आज इसका हल आपको नजर आ सकता है । आप इस विचार पर अडिग रहे और समाधान निकलने की कोशिश करे चाहे वह कितना भी अटपटा या अजीब लगे । अगर आप कुछ जोखिम लेंगे तो आपको अत्यधिक लाभ होगा जो अपने सोचा भी न होगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है । काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है । आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे । अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज के दिन जो लोग सार्वजनिक क्षेत्र में कार्य करते है उन्हें आगे बढ़ने के अच्छे अवसर एवं पदोन्नति मिल सकती है । अगर आपने सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरी के लिए आवेदन किया हुआ है तो आपको शुभ सन्देश मिल सकता है । ये समय किसी दूसरी नौकरी जैसे की प्रशासनिक कार्यो के आवेदन के लिए भी अछा है अगर आप अपनी वर्तमान नौकरी से खुश नहीं है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एमएसपी को कानूनी मान्यता देने पर विचार की सिफारिश

बढ़ते कृषि संकट पर सुप्रीम कोर्ट की समिति चिंतित

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने पिछले दो दशकों में हरियाणा, पंजाब समेत देश में कृषि लागत व कर्ज बढ़ने व उपज उत्पादन घटने पर चिंता जताई है। समिति ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी मान्यता देने और प्रत्यक्ष आय मदद की पेशकश की संभावना पर गंभीरता से विचार करने की सिफारिश की है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने देखी रिपोर्ट

शंभू सीमा पर आंदोलनरत किसानों की शिकायतों का समाधान करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश नवाब सिंह के नेतृत्व में 2 सितंबर को उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि किसानों के विरोध का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने शुक्रवार को समिति की अंतरिम रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लिया। 11 पेज की अंतरिम रिपोर्ट में समिति ने कहा कि यह सर्वविदित तथ्य है कि देश में किसान विशेषकर पंजाब और हरियाणा में पिछले दो दशकों से अधिक समय से लगातार बढ़ते कृषि संकट का सामना कर रहा है। हरित क्रांति के प्रारंभिक उच्च लाभ के बाद 1990 के दशक के मध्य से उपज और उत्पादन वृद्धि में स्थिरता संकट की शुरुआत का संकेत है।

किसानों और कृषि श्रमिकों पर कर्ज कई गुना बढ़ा

समिति ने कहा कि हाल के दशकों में किसानों और कृषि श्रमिकों पर कर्ज कई गुना बढ़ गया है। वर्ष 2022-23 में पंजाब में किसानों का संस्थागत ऋण 73,673 करोड़ रुपये था, जबकि राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड, 2023) के अनुसार, हरियाणा में यह 76,630 करोड़ रुपये से भी अधिक था। किसानों पर गैर-संस्थागत ऋण का एक महत्वपूर्ण बोझ है, जो राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ, 2019) के अनुसार पंजाब में किसानों पर कुल बकाया ऋण का 21.3 प्रतिशत और हरियाणा में 32 प्रतिशत होने का अनुमान है।

1995 से अब तक 4 लाख किसान कर चुके आत्महत्या

समिति ने रिपोर्ट में कहा कि देशभर में कृषक समुदाय आत्महत्या की महामारी से जूझ रहा है। देश में 1995 से लेकर अब तक 4 लाख से ज्यादा किसान और खेत मजदूर आत्महत्या कर चुके हैं। पंजाब में 2000 से 2015 के बीच 15 सालों में किसानों व खेत मजदूरों के बीच 16,606 आत्महत्याएं दर्ज की गईं। आत्महत्याओं का बड़ी वजह कर्ज का बोझ है।

सर्दियों में एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बढ़ाई फ्लाइट्स, कई शहरों तक सीधी उड़ानों से पैसेंजर्स को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। देश में सर्दियों में कोहरे और धुंध-कम तापमान के चलते हवाई विमानों की उड़ानें अक्सर देरी से चलती हैं या कैंसिल हो जाती हैं. इस साल के सर्दी के मौसम का आगाज हो चुका है और टेंप्रेचर में लगातार गिरावट आ रही है. हवाई जहाज से सफर करने वालों को ऐसे में कई बार दिक्कतों का सामना करना पड़ता है क्योंकि फ्लाइट्स या तो देरी से उड़ती हैं या कैंसिल हो जाती है. ऐसे में एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपने यात्रियों के लिए कुछ उड़ानों को बढ़ाने का ऐलान किया है.

कहां से बढ़ रही हैं नई फ्लाइट्स

एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपने शीतकालीन कार्यक्रम (विंटर शेड्यूल) के तहत पूर्वोत्तर के तीन डेस्टिनेशन गुवाहाटी, अगरतला और इंफाल से उड़ानें बढ़ाने की घोषणा की है. यह बजट फ्लाइट्स सर्विस देने वाली एयरलाइन का देशभर में शीतकालीन सेवाओं (विंटर सर्विसेज) में विस्तार कार्यक्रम का हिस्सा है. एयरलाइन ने एक बयान में यह जानकारी दी कि नॉर्थ-ईस्ट से फ्लाइट्स के बढ़ाने का फैसला कर लिया गया है.

एयरलाइन नई सर्विसेज से किन शहरों को जोड़ेगी

यह अगरतला, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली,

सर्दियों में नई फ्लाइट्स से होगी आसानी

हैदराबाद, इंफाल, जयपुर और कोलकाता के आठ घरेलू गंतव्यों के लिए सीधा संपर्क प्रदान करती है.
एयरलाइन गुवाहाटी से 18 घरेलू गंतव्यों और छह अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए वन-स्टॉप संपर्क भी प्रदान करती है. सितंबर 2024 में अगरतला को एक स्टेशन के रूप में जोड़ने के बाद से एयरलाइन ने अपनी वीकली उड़ानों को 14 से बढ़ाकर 21 कर दिया है. यह दो डेस्टिनेशन यानी गुवाहाटी और कोलकाता को सीधे जोड़ती है. इसके अलावा एयरलाइन अगरतला से 11 घरेलू गंतव्यों के लिए वन-स्टॉप संपर्क भी प्रदान करती है.

साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 106 की

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने गुवाहाटी से अपने फ्लाइट ऑपरेशन को पिछली सर्दियों के 63 से बढ़ाकर 106 साप्ताहिक उड़ानें कर दिया है. बयान में कहा गया है कि इंफाल में एयरलाइन ने इस सीजन में अपनी वीकली उड़ानों को बढ़ाकर 34 कर दिया है, जो पिछली सर्दियों की तुलना में 20 ज्यादा है।

बड़ी इलायची के दाम ने बिगाड़ा जायका, 1400 रुपये से बढ़कर 2000 रुपये प्रति किलो हुआ दाम

जम्मू,24 नवंबर (एजेंसियां)। बड़ी इलाचयी के बड़े दाम ने स्वाद बिगाड़ दिया है। थोक बाजार में दाम इस साल दो हजार रुपये प्रति किलो पहुंच गए हैं, जबकि 2023 में 1400 रुपये प्रति किलो थे। दाम बढ़ने का कारण पैदावार कम होना है।प्रदेश में इलायची असम, भूटान और दक्षिण भारत के राज्यों से आती है। प्रदेश में बड़ी इलायची की कुल मांग 30 क्विंटल प्रति वर्ष रहती है। इसमें से अकेले 20 क्विंटल इलायची की खपत कश्मीर घाटी में होती है। इसका इस्तेमाल मसालों और अन्य सामग्री में होता है। कनक मंडी में मसाले का होलसेल बिक्रेता सचिन गुप्ता ने बताया कि इस बार इलायची के दाम बढ़े हैं। महंगी होने के बावजूद भी डिमांड ज्यादा है। यहां से कश्मीर घाटी

और जम्मू संभाग में आपूर्ति की जा रही है। कोटमसालों का जायका बढ़ाने के लिए बड़ी इलायची का इस्तेमाल होता है। ठंडे इलाकों में रहने वाले इसका इस्तेमाल ज्यादा करते हैं। बड़ी इलायची का दाम बढ़ने का कारण असम और भूटान सहित दक्षिण भारत के राज्यों में इसका उत्पादन कम होना है। खुदरा में इलायची 2200 से 2300 के बीच बिक रही है। पिछले साल के मुकाबले दाम में दो हजार रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

भारत ने आसियन देशों के साथ की 6 लाख करोड़ की डील, इन 6 महीने में बढ़ा 5 फीसदी ट्रेड

नई दिल्ली,24 नवंबर (एजेंसियां)। में आयोजित एआईटीआईजीए की बैठक में भारत सरकार की ओर से कहा गया कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के साथ भारत के द्विपक्षीय व्यापार में बढ़ोतरी हुई है. शनिवार को एक बयान जारी करते हुए कहा गया कि भारत और आसियान के देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में 5.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ कुल व्यापार में 73 बिलियन डॉलर यानी करीब 6,16,400 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है. मिनस्ट्री ऑफ कॉमर्स और इंडस्ट्री के डाटा के अनुसार वित्त वर्ष 23-24 के लिए भारत और आसियान के बीच द्विपक्षीय व्यापार 121 बिलियन डॉलर का हुआ था. एक ग्रुप के तौर पर आसियान भारत के प्रमुख बिजनेस भागीदारों में से एक रहा है, जो कि भारत के कुल वैश्विक व्यापार का लगभग 11 फीसदी है.एआईटीआईजीए की संयुक्त समिति की छठी बैठक 15 से 22 नवंबर तक नई दिल्ली में हुई. इस बैठक में आसियान के कार्यक्रम में सभी 10 आसियान देशों- ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम के प्रतिनिधि शामिल हुए थे।

जेएमएम की जबरदस्त जीत के बाद भी चार मंत्रियों को मिली करारी हार

कौन-कहां से और किससे हारा

रांची, 24 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन ने अभूतपूर्व दो तिहाई बहुमत प्राप्त किया है। 81 सीटों वाले इस चुनाव में गठबंधन ने 56 सीटें जीतकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। इस जीत के साथ ही राज्य में भाजपा के विजय रथ को रोक दिया गया। भाजपा को सिर्फ 24 सीटों से संतोष करना पड़ा। हालांकि, चुनाव में हेमंत कैबिनेट के चार मंत्रियों को करारी हार देखनी पड़ी।

इन मंत्रियों को मिली करारी हार

हारने वालों में जल संसाधन मंत्री मिथिलेश ठाकुर, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम और समाज कल्याण मंत्री बीबी देवी शामिल हैं। इधर, इस चुनाव परिणाम के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन को बधाई दी और कहा कि यह नतीजे भाजपा के लिए अप्रत्याशित हैं।

इस योजना को झामुमो को मिला लाभ

बेबी देवी के विभाग ने लोकलुभावन मईयां सम्मान योजना शुरू की थी, जिसने राज्य में झामुमो नीत गठबंधन की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस योजना के तहत, 18-50 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं को 1,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है और झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने इसे बढ़ाकर 2,500 रुपये प्रति माह करने का वादा किया है। वर्तमान में इस योजना का लाभ करीब 57 लाख महिलाएं उठा रही हैं।

इन लोगों ने मंत्रियों को दी मात

जमशेदपुर पश्चिम सीट से कांग्रेस के बन्ना गुप्ता जेडीयू के सरयू राय से 7,863 मतों से हार गए।

गढ़वा में झामुमो के मिथिलेश कुमार ठाकुर को भाजपा के सत्येंद्र नाथ तिवारी ने 16,753 मतों के अंतर से हराया।

लातेहार से चुनाव लड़ रहे झामुमो के बैद्यनाथ राम भाजपा के प्रकाश राम से 434 मतों के मामूली अंतर से हार गए।

झामुमो की बीबी देवी डुमरी सीट से जेएलकेएम के जयराम कुमार महतो से 10,945 के अंतर से हार गईं।

देवी को अप्रैल 2023 में कोविड-19 से संबंधित जटिलताओं के कारण उनके पति जगरनाथ महतो की मृत्यु के बाद मंत्री बनाया गया था।

इन इलाकों में झामुमो की जबरदस्त जीत

झारखंड के छह क्षेत्रों कोल्हान, संताल, कोयलांचल, उत्तरी छोटानागपुर, दक्षिणी छोटानागपुर और पलामू में से पांच में झामुमो और इंडिया गठबंधन को जबरदस्त जीत मिली। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार ने लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी की है जो झारखंड के 24 साल के इतिहास में पहली बार हुआ है। इससे पहले कोई भी सरकार लगातार दो बार सत्ता में नहीं आ सकी थी।

भाजपा को पिछले चुनाव के मुकाबले चार सीटों पर नुकसान

दूसरी ओर, भाजपा पिछले चुनाव के मुकाबले चार सीटों के नुकसान पर 21 सीट ही जीत सकी, जबकि 68 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे। एनडीए की दूसरी बड़ी सहयोगी पार्टी आजसू दस सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन एक सीट ही जीत सकी। आजसू अध्यक्ष सुदेश महतो खुद चुनाव हार गए।

झारखंड में विपक्षी गठबंधन को हेमंत सोरेन का सहारा

सीएम प्रत्याशी न उतारना भाजपा को भारी पड़ा

रांची, 24 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाला गठबंधन लगातार दूसरी बार सत्ता में लौट आया है। राज्य की जनता ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को नकारते हुए इंडिया गठबंधन को दो तिहाई से अधिक बहुमत से सत्ता सौंपी। पिछली बार की 48 सीटों के मुकाबले इस बार गठबंधन की सीटें 56 हो गईं। सोरेन ने गठबंधन के प्रदर्शन को लोकतंत्र की परीक्षा में उत्तीर्ण होने जैसा बताया। राज्य में पहली बार कोई गठबंधन लगातार दूसरी बार सत्ता में आया है।

81 सदस्यीय विधानसभा में झामुमो ने अपने दम पर पिछली बार के 30 के मुकाबले इस बार 34 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने पिछली बार जितनी ही 16 और राजद ने 4 सीटें जीती हैं। गठबंधन ने 4 सीटें माकपा को दी थी और उसने दो सीटें जीतीं। इस बार चुनाव जीतने को लेकर आश्वत भाजपा की सीटें पिछली बार की 25 से घटकर इस बार 21 पर सिमट गई। एनडीए को सम्मिलित रूप से 24 सीटें मिली हैं। भाजपा ने 68 सीटों पर चुनाव लड़ा था। एनडीए के अन्य दलों की बात करें, तो एक सीट पर लड़ी लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) जीतने में सफल रही। वहीं, जदयू को अपने कोटे की दो में एक सीट पर जीत मिली। पार्टी की ओर से पूर्व भाजपाई सरयू राय जमशेदपुर पश्चिम सीट पर जीते। सबसे बुरी गति हुई सुदेश महतो के नेतृत्व वाले ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन की, जिसे अपने कोटे की 10 में से सिर्फ एक सीट पर जीत मिली। सुदेश को खुद हार का सामना करना पड़ा।

छत्तीसगढ़ में भाजपा संगठन चुनाव की रूपरेखा तय

अगले महीने चुने जाएंगे जिला स्तर पर पदाधिकारी

रायपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा के संगठन चुनाव की रूपरेखा तय हो गई है। छत्तीसगढ़ में चुनाव 1 से 15 दिसंबर तक मंडल स्तर और 15 से 30 दिसंबर तक जिला स्तर पर होंगे। 30 नवंबर को संगठन चुनाव पर चर्चा के लिए बैठक होगी। सदस्यता अभियान में प्रदेश में 60 लाख लक्ष्य में से 53 लाख सदस्य बने हैं। बेहतर प्रदर्शन करने वाले नेताओं को आगामी निकाय चुनावों में प्राथमिकता मिलेगी।

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, रायपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संगठन चुनाव की रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया है। छत्तीसगढ़ में यह चुनाव 1 से 15 दिसंबर के बीच मंडल स्तर पर और 15 से 30 दिसंबर तक जिला स्तर पर आयोजित होंगे। इसके पहले, 30 नवंबर को एक अहम बैठक होगी, जिसमें संगठनात्मक विषयों और चुनाव प्रक्रिया पर चर्चा की जाएगी।

दिल्ली में आयोजित सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक में भाजपा को दिशा-निर्देश मिले हैं।

बैठक में बताया गया कि छत्तीसगढ़ में सदस्यता अभियान के तहत 60 लाख सदस्यों के लक्ष्य में से 53 लाख सदस्य बनाए जा चुके हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, सदस्यता अभियान की सफलता पार्टी नेताओं के भविष्य को तय करेगी। आगामी निकाय चुनावों में उन्हीं नेताओं को महत्व मिलेगा, जिन्होंने अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया होगा।

बैठक में दिग्गज नेता शामिल

बैठक में कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे, जिनमें क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, और विधायक लता उसेंडी शामिल थे।

राष्ट्रीय स्तर पर सदस्यता अभियान के आंकड़े

सदस्यता अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी और भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने सदस्यता से जुड़े आंकड़े साझा किए। उनके अनुसार, देशभर में भाजपा के 11 करोड़ 96 लाख 16 हजार 392 सदस्य हैं, जबकि सात लाख आठ हजार 29 सक्रिय सदस्य हैं। बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम और राष्ट्रीय चुनाव प्रभारी डॉ. के. लक्ष्मण ने भी अपने विचार रखे।

प्रदेश संगठन चुनाव पर जानकारी

भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश स्तर पर संगठन चुनाव 1 दिसंबर से शुरू होंगे और पूरे महीने चलेंगे। छत्तीसगढ़ में सक्रिय सदस्यों की संख्या 52,110 है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि संगठन चुनाव प्रक्रिया जल्द शुरू करने के लिए सभी आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे।

नेताओं का प्रदर्शन अहम

यह स्पष्ट हो गया है कि सदस्यता अभियान में बेहतर प्रदर्शन करने वाले नेताओं को संगठन में प्राथमिकता दी जाएगी। इससे न केवल संगठन को मजबूती मिलेगी, बल्कि आगामी चुनावों में पार्टी की रणनीति भी तय होगी।

नक्सलियों के मंसूबों पर फिरा पानी

सुरक्षाबलों ने आईईडी बरामद कर किया निष्क्रिय, एक जवान घायल

सुकमा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। सुकमा जिले के थाना चिंतलनार क्षेत्र के तहत एरिया डोमिनेशन के लिए जवानों की संयुक्त टीम रवाना हुई थी। अभियान के दौरान चिंतलनार-नरसापुरम मार्ग में माओवादियों द्वारा लगाये गये आईईडी को बरामद किया गया। वहीं सुरक्षाबलों ने बरामद आईईडी को निष्क्रिय किया।

इस आईईडी ब्लास्ट में एक जवान घायल हुआ है, जिसका प्राथमिक उपचार करने के बाद अस्पताल भेजा गया है। घायल जवान डीआरजी का बताया जा रहा है। उसके पैर में गंभीर चोट आई है फिलहाल अन्य जवानों ने उसका प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला अस्पताल पहुंचाया।

हाल ही में सुरक्षाबलों ने चिंतलनार के रायगुड़ा में एक नया कैंप बनाया है। आज सुबह में जवान सर्चिंग पर निकले थे। इस दौरान जवान विनोद आईईडी की चपेट में आ गया। जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। फिलहाल, वह खतरे से बाहर है।

इस क्षेत्र में जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए, नक्सलियों ने पहले से ही आईईडी प्लांट कर रखा है।

लगातार एनकाउंटर किए जाने से नक्सली बौखलाए हुए हैं । अभी सुकमा में दो दिन पहले ही जवानों ने 10 नक्सलियों का एनकाउंटर किया था।

47वां राउत नाचा महोत्सवः पारंपरिक वेशभूषा में दिखे सीएम साय

बोले- यह समृद्धि सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक

रायपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बिलासपुर के लाल बहादुर शास्त्री स्कूल में आयोजित 47वें राउत नाचा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान सीएम साय नाचा की पारंपरिक वेशभूषा में दिखे। गड़वा बाजा की धुन पर अस्त्र शस्त्र और श्रृंगार के साथ जमकर थिरके।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बिलासपुर के लाल बहादुर शास्त्री स्कूल में आयोजित 47वें राउत नाचा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान सीएम साय नाचा की पारंपरिक वेशभूषा में दिखे। गड़वा बाजा की धुन पर अस्त्र शस्त्र और श्रृंगार के साथ जमकर थिरके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यादव समाज के लोग भगवान कृष्ण के वंशज हैं। इस पावन अवसर पर कामना करता हूं कि यादव समाज एकता के सूत्र में बंध कर उत्तरोत्तर विकास करें और बेहतर शिक्षा प्राप्त करें। हमारी सरकार छत्तीसगढ़ के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। राउत नाचा पर्व इसी भव्यता के साथ हमेशा आयोजित होता रहे। इस मौके पर उन्होंने सभी को राउत नाचा पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू ने कहा कि राउत नाचा महोत्सव हमारे छत्तीसगढ़ के संस्कृति की पहचान और छत्तीसगढ़ के गौरव का प्रतीक है।

हमारे यादव समाज के भाई-बहन गौ माता की सेवा और संवर्धन करते हैं। उन्होंने इस अवसर पर राउत परिवार के सुख और समृद्धि की कामना करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

'विद्या के मंदिर में विद्यार्थी ही सुरक्षित नहीं'

शराब के नशे में पंच ने स्कूल में घुसकर की छात्र से मारपीट

रायपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में इन दिनों लगातार सरकारी स्कूलों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्कूल के अंदर शिक्षकों को शराब पीना या फिर स्कूल में शिक्षक या शिक्षिका का आराम फरमाना। इससे हटकर अब सरकारी स्कूल में छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। गांव के पंच ने शराब के नशे में मिडिल स्कूल के एक बच्चे के साथ मारपीट किया। पूरा मामला दुर्ग जिले के पाटन थाना क्षेत्र के खुड़मुड़ी का है।

ग्राम खुड़मुड़ी के शासकीय मिडिल स्कूल में गांव के ही पंच ने स्कूली बच्चे के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। शराबी पंच ने आठवीं कक्षा के छात्र से मारपीट किया। महेश साहू ग्राम खुड़मुड़ी के वार्ड क्रमांक 17 के पंच हैं। पंच के बेटे का नवोदय विद्यालय में चयनित होने पर स्कूल के शिक्षकों को मिठाई देने पहुंचा हुआ था। वह शराब के नशे में था। इस दौरान वह पढ़ाई कर रहे छात्रों के कक्षा में घुस गया। इतना ही नहीं शराब के नशे में बच्चों को पढ़ने लगा।

इस दौरान नशे की हालत में आठवीं कक्षा के विद्यार्थी के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया। इतना ही शराबी ने गाली-गलौज भी की है। छात्र का आरोप है कि शराब के नशे में क्लास में घुसकर छात्रों के साथ बदतमीजी की। उसके साथ मारपीट की और गाली-गलौज भी की है। घटना के समय लगभग 50 विद्यार्थी मौजूद थे। अभी शिक्षक कार्यालय में थे। बच्चे के परिजनों का कहना है कि इससे बच्चे के मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ा है। अभी तक स्कूल के शिक्षकों या ग्राम के सरपंच की ओर से किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की है।

परिजनों का आरोप है कि शराबी स्कूल में घुसकर मौजूद छात्र के साथ मारपीट की घटना हो रही है। वहां के शिक्षक, प्राचार्य कोई भी मामले में संज्ञान नहीं ले रहे हैं। आरोप यह भी है कि मामले को दबाया जा रहा है। शिकायत करने से मना किया जा रहा है। उनका कहना है कि विद्या के मंदिर में विद्यार्थी ही सुरक्षित नहीं है।

निर्मल महतो बोले- सुदेश के लिए छोड़ दूंगा सीट

आजसू प्रमुख की हार पर मांडू से जीते एकमात्र एमएलए ने इस्तीफा की पेशकश की

रांची

रामगढ़ के मांडू विधानसभा सीट से आजसू विधायक निर्मल महतो ने अपने बयान से सियासत में हलचल मचा दी है। उनका कहना है कि वो मांडू सीट से इस्तीफा देंगे। ताकि इस सीट से सुदेश महतो फिर से चुनाव लड़ सकें। उनसे मिलकर वो जल्द इस सीट से इस्तीफा देंगे।

निर्मल महतो आजसू के एक मात्र विधायक हैं। आजसू 10 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, पर जीत केवल मांडू में मिल सकी। आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने सिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। पर उन्हें झामुमो के अमित महतो ने हरा दिया। वहीं, मांडू विधानसभा सीट पर निर्मल महतो ने कांग्रेस के जयप्रकाश पटेल को मात्र 231 वोट से हराया है।

कार्यकर्ता चुनाव की तैयारी करें- निर्मल महतो

निर्मल महतो ने कहा- यह जीत मैं सुदेश महतो, चंद्र प्रकाश चौधरी, बीजेपी-आजसू के तमाम नेता और मांडू विधानसभा के एक-एक लोगों को देता हूं। लेकिन मैं स्वेच्छा से मांडू विधानसभा सीट सुदेश महतो के लिए छोड़ने के लिए तैयार हूं। मैं जल्द सुदेश महतो से मिलकर रिजाइन करूंगा और मेरा आग्रह है तमाम कार्यकर्ताओं से कि वो चुनाव की तैयारी करें। हम लोग सुदेश महतो को मांडू से विधायक बनकर विधानसभा भेजेंगे।

'सुदेश महतो से बड़ा नेता झारखंड में पैदा नहीं हुआ'

उन्होंने कहा- आप लोगों को मालूम है कि सुदेश महतो विधानसभा में जो बात उठाते हैं, गरीबों की बात उठाते हैं, वैसा कोई नेता नहीं करता है। हारना-जीतना अलग बात है। लेकिन सही बात को उठाने वाला नेता चाहिए। हमारे नेता सुदेश महतो हैं और जीवन भर रहेंगे। सुदेश महतो से बड़ा नेता झारखंड में पैदा नहीं हुआ है। ना जीवन में पैदा होगा।

मंदिर गई युवती पर दो युवकों ने किया चाकू से हमला

कोरबा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। कोरबा में दीपका थाना क्षेत्र के बड़े शिव मंदिर गेवरा ऊर्जानगर में चाकूबाजी की घटना सामने आई है। जहां इस घटना के बाद हड़कंप मच गया, घायल युवती को अस्पताल में भर्ती किया गया है। बताया जा रहा है कि दो युवती एक्टिवा में सवार होकर पूजा करने शिव मंदिर आई हुई थी पूजा करने के बाद वो घर वापस लौट जिसमें पूजा करने आई एक युवती घायल हो गई। घटना उस समय हुई जब युवती और उसकी सहेली स्कूटी स्टार्ट करने का प्रयास कर रही थीं। इसी दौरान दो युवक, जिनके मुंह पर स्कार्फ बंधे हुए थे, अचानक वहां पहुंचे और चाकू से हमला कर फरार हो गए।

छत्तीसगढ़ में बढ़ने लगी कड़ाके की ठंडी

आगामी दिनों में न्यूनतम तापमान रहेगा सामान्य, आईएमडी का अलर्ट

रायपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आगामी कुछ दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। लगातार न्यूनतम तापमान में गिरावट होने की वजह से प्रदेश में ठंड बढ़ने लगी है। दिसंबर में कड़ाके की ठंड पड़ने वाली है। वहीं प्रदेश में हवा की दिशा बदल रही है, जिसके वजह से प्रदेश में मौसम में आगामी कुछ दिनों तक बदलाव की कोई संभावना नहीं है।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अब न्यूनतम तापमान में परिवर्तन की कोई संभावना नहीं है। न्यूनतम तापमान में अब ज्यादा

वृद्धि भी नहीं होगी, और न ही गिरावट आएगी। आगामी तीन दिनों में दक्षिण छत्तीसगढ़ में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि आगामी तीन दिनों के बाद प्रदेश में न्यूनतम तापमान में वृद्धि होने की संभावना है। प्रदेश के दक्षिण भागों में दो डिग्री सेल्सियस तक न्यूनतम तापमान बढ़ सकता है। वहीं प्रदेश के शेष भागों में तापमान में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

इन दिनों सबसे ज्यादा ठंड अंबिकापुर में है। प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान 08.4 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज किया गया। वहीं सबसे अधिक तापमान 30.8 डिग्री सुकमा में रहा। अब दक्षिण छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिन बाद न्यूनतम तापमान में एक-दो डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है। राजधानी रायपुर में रविवार को बादल रहने की संभावना है। यहां अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

अमेरिका में राष्ट्रपति बदलते ही रुकेगा गाजा युद्ध?

डोनाल्ड ट्रंप के खुद 'प्रमुख वार्ताकार' बनकर काम करने का दावा

वॉशिंगटन, 24 नवंबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यभार संभालने से पहले गाजा में बंधक इजरायलियों के परिवारों को उनकी रिहाई की उम्मीद जगी है। ट्रंप हमास के कब्जे से इजरायली बंधकों को छुड़ाने के लिए मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के मुकाबले ज्यादा आक्रामक कदम उठा सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की प्रेस सचिव ने इस संबंध में जानकारी दी है। ट्रंप गाजा बंधकों के लिए मुख्य वार्ताकार की भूमिका में सकते हैं।

व्हाइट हाउस में ट्रंप की नई प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने कहा है कि नए अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान पर सख्त प्रतिबंध बहाल करेंगे और इजरायल का मजबूती से समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के मुख्य वार्ताकार के रूप में काम करेंगे और निर्दोष नागरिकों को बंधक बनाकर रखे जाने के मामले में उन्हें घर वापस लाने का काम करेंगे।'

इजरायली राष्ट्रपति से ट्रंप की बातचीत

इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग के साथ फोन पर बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप को बताया गया कि इजरायली खुफिया विभाग का मानना है कि सात अमेरिकियों सहित 101 बंधकों में से आधे यानी 50 से 55 बंधक अभी भी गाजा में जिंदा हैं। हर्जोग ने ट्रंप से जोर देकर कहा कि आपको बंधकों को बचाना होगा। ट्रंप ने इस पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि उनको लगा था कि ज्यादातर बंधक मर चुके हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा युद्ध को जल्द समाप्त करने का आह्वान किया है। इजरायली के कुछ अधिकारी ट्रंप को नेतन्याहू पर बाइडेन की तुलना में ज्यादा प्रभाव रखने वाले राष्ट्रपति के रूप में देखते हैं। फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज के सीईओ मार्क डबोविट्ज ने कहा है कि ट्रंप को सभी बंधकों की रिहाई की स्पष्ट मांग करते हुए तुरंत एक बयान जारी करना चाहिए।

इजरायल के लिए गाजा में एक साल से भी ज्यादा की लड़ाई के बावजूद अपने बंधकों को छुड़ाना संभव नहीं हो सका है। इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम और बंधक रिहाई के लिए बातचीत तीन महीने से अधिक समय से रुकी हुई है। इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने बंधक सौदे के बदले युद्ध समाप्त करने का विरोध किया है। वह इसे इजरायल की हार के संकेत की तरह देखते हैं। ऐसे में बंधकों की रिहाई पर अनिश्चित्ता है।

इलॉन मस्क ने भारत में वोट काउंटिंग की तारीफ की

बोले- वहां एक दिन में 64 करोड़ वोट गिने; कैलिफोर्निया में अभी भी गिनती जारी

वॉशिंगटन,24 नवंबर (एजेंसियां)। टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क ने भारत के इलेक्टोरल सिस्टम की तारीफ की है। मस्क ने कहा है कि भारत ने एक ही दिन में 64 करोड़ वोट गिनकर चुनाव का फैसला सुना दिया। वहीं अमेरिका के कैलिफोर्निया में अभी भी 5 नवंबर को हुए चुनावों के लिए गिनती जारी है। भारत में 23 नवंबर को महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा समेत 13 राज्यों में विधानसभा उप-चुनावों की गिनती हुई है।

मस्क ने भारत की मतगणना की तारीफ में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट की। इस पोस्ट में सवाल किया गया था कि भारत ने एक दिन में कैसे 64 करोड़ वोट गिने। मस्क ने एक दूसरा पोस्ट शेयर किया जिसमें यूजर ने लिखा था कि भारत ने 640 मिलियन वोट एक दिन में गिन लिए और कैलिफोर्निया 18 दिन से 15 मिलियन वोट गिन रहा है। मस्क ने इसे दुखद बताया।

अमेरिका में ज्यादातर वोटिंग बैलेट पेपर या ईमेल बैलेट से होती है। 2024 के राष्ट्रपति चुनावों में सिर्फ 5% क्षेत्रों में वोटिंग के लिए मशीन का उपयोग किया गया था। ऐसे में यहां काउंटिंग में काफी समय लगता है। कैलिफोर्निया अमेरिका का सबसे बड़ा राज्य है। यहां 3.9 करोड़ लोग रहते हैं। 5 नवंबर को हुए राष्ट्रपति चुनावों में 1.6 करोड़ लोगों ने वोट डाले थे। मतदान के दो हफ्ते बाद भी अभी तक लगभग 3 लाख वोटों की गिनती होना बाकी है। अमेरिका में हर साल वोटों की गिनती में हफ्ते लग जाते हैं।

जयशंकर तीन दिवसीय दौरे पर इटली जाएंगे

जी 7 के विदेश मंत्रियों की आउटरीच बैठक में हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली,24 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर आज तीन दिवसीय दौरे के लिए इटली रवाना होंगे । 24 से 26 नवंबर तक चलने वाले इस दौरे में वे जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की आउटरीच बैठक का हिस्सा बनेंगे। इटली ने इस बैठक के लिए भारत को गेस्ट कंट्री (मेहमान देश) के तौर पर न्योता भेजा है। विदेश मंत्रियों की ये बैठक इटली के फिउग्गी में होगी। इस दौरान जयशंकर इटली समेत तमाम दूसरे देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात और द्विपक्षीय बैठक करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान वे रोम में भारतीय दूतावास के नए परिसर का उद्घाटन भी करेंगे। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित 'मेडिटेरेनियन डायलॉग' के 10वें संस्करण में भी हिस्सा लेंगे। रोम में हर साल मेडिटेरेनियन डायलॉग का आयोजन होता है। इसे आमतौर पर मैड डायलॉग के तौर पर जाना जाता है। इस बार इसका आयोजन 25 से 27 नवंबर को होगा।

इस साल 14 जून को इटली में जी7 देशों के राष्ट्राध्यक्षों की आउटरीच बैठक का आयोजन हुआ था। इस बैठक के लिए इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया था। इस समिट के दौरान उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के अलावा, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक और वैटिकन सिटी के प्रमुख पोप फ्रांसिस से मुलाकात की थी। समिट में मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच भी मुलाकात हुई थी।

इसके अलावा जयशंकर ने भी 2 और 3 नवंबर को इटली का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी के साथ बातचीत की थी। इस बातचीत में दोनों देशों के बीच 2023-27 के लिए सांस्कृतिक साझेदारी को बढ़ाने पर सहमति बनी थी।

कुवैत में 7700 साल पुरानी ज्वेलरी फैक्ट्री की खोज साथ में मिले 'खौफनाक मास्क' ने एक्सपर्ट को चौंकाया

कुवैत सिटी,24 नवंबर (एजेंसियां)। खाड़ी देश कुवैत में पुरातत्वविदों ने एक बेहद खास खोज की है। एक्सपर्ट को यहां 7700 साल पुरानी ज्वैलरी बनाने की एक फैक्ट्री मिली है। यह आभूषण कारखाना प्रागैतिहासिक उबैद काल (5500-4000 ईसा पूर्व) का है। यह खोज बहरा-1 नाम की साइट से हुई है, जो कुवैत के उत्तरी सुबिया रेगिस्तान में है। एक्सपर्ट ने इस खोज के आधार पर दावा किया है कि यह क्षेत्र खाड़ी क्षेत्र में सबसे पुरानी जगह हो सकती है, जहां मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल होता था।कुवैत के राष्ट्रीय संस्कृति कला परिषद में महासचिव मोहम्मद बिन रेडा ने रविवार को इस खोज की घोषणा करते हुए कहा कि यह सांस्कृतिक और औद्योगिक विकास का प्रमाण है।

द मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, साइट से खुदाई के दौरान पोलिश और कुवैती शोधकर्ताओं की टीम को मिट्टी की एक मूर्ति मिली, जिसमें एक लंबा मानव सिर दिखाया गया है। इसकी विशेषताएं उबैद संस्कृति की खासियत हैं। ये मास्क एक्सपर्ट को हैरान कर रहा है। कार्यशाला में कई सीप के आभूषण और मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े मिले हैं। ये टुकड़े तकरीबन 7,000 साल पुराने हैं।

क्यों खास है ये खोज?

कुवैती-पोलिश मिशन के प्रोफेसर पिओटर बायलिंस्की ने कहा कि मूर्ति और फैक्ट्री ने उबैद समाज में उनकी प्रतीकात्मक या कर्मकांडीय भूमिकाओं के बारे में दिलचस्प सवाल खड़े किए हैं। ये उबैद काल के जटिल सांस्कृतिक और आर्थिक नेटवर्क पर प्रकाश डालती हैं। साथ ही क्षेत्रीय इतिहास को आकार देने में प्रारंभिक मानव बस्तियों के महत्व को उजागर करती हैं। यह चौंकाने वाली खोज इस्तांबुल में ईसाई चर्च के खंडहरों की खुदाई के दौरान भूमिगत कमरों और एक सुरंग के अवशेषों की खोज के बाद हुई है। ये कमरे 1,500 साल पुराने हैं, जब शहर बीजान्टिन साम्राज्य की राजधानी थी और इसे कॉन्स्टेंटिनोपल के नाम से जाना जाता था। ये कमरे सेंट पॉलीएक्टस के चर्च के नीचे स्थित थे। इस्तांबुल मेट्रोपॉलिटन म्युनिसिपैलिटी महिर पोलाट ने बताया कि 1960 के दशक में सड़क निर्माण के दौरान भूमिगत कमरों की खोज की गई थी, लेकिन अधिकारियों ने कमरों को संरक्षित करने के लिए उन्हें वापस बंद कर दिया था। किंग्स कॉलेज लंदन के एक पुरातत्वविद् केन डार्क ने लाइव साइंस से कहा कि इस ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण और एक समय के शानदार चर्च के खंडहरों को फिर से प्रदर्शित करने से लोगों में इसके बारे में जागरूकता आएगी।

इमरान के ऐलान के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू

राजधानी इस्लामाबाद की तरफ बढ़ रहे प्रदर्शनकारी; खान बोले- ये आखिरी मौका

इस्लामाबाद,24 नवंबर (एजेंसियां)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मांग पर आज उनके समर्थक देश भर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इमरान ने 13 नवंबर को को एक संदेश दिया था, इसमें उन्होंने समर्थकों से 24 नवंबर रविवार को देशभर में प्रदर्शन करने की मांग की थी। इमरान ने इस प्रदर्शन को फाइनल कॉल बताया था।

इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ और समर्थक 3 मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। पहली मांग है कि इमरान खान और कार्यकर्ताओं की जल्द रिहाई की जाए। इसके अलावा 2024 में हुए चुनाव के नतीजों को मानना और पाकिस्तानी संसद में पास अदालतों की ताकत कम करने वाले 26वें संविधान संशोधन एक्ट को वापस लेना।

इमरान खान के ऐलान के बाद शुक्रवार को ही पाकिस्तान में अलर्ट जारी कर दिया गया था। राजधानी इस्लामाबाद के कई इलाकों में मोबाइल और इंटरनेट सुविधाएं सस्पेंड कर दी गई है। प्रोटेस्ट में शामिल होने वालों को अरेस्ट करने की चेतावनी दी गई है। राजधानी इस्लामाबाद आने वाले मुख्य रास्तों को ब्लॉक कर दिए गया है। खान ने प्रोटेस्ट का ऐलान तब किया है जब एक दिन बाद 25 नवंबर को बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको पाकिस्तान आ रहे हैं। इससे पहले आज उनका डेलिगेशन पाकिस्तान पहुंचेगा।

विरोध प्रदर्शन का ऐलान करते हुए इमरान खान ने समर्थकों से कहा- आपको निर्णय लेना होगा कि आप मार्शल लॉ में रहना चाहते हैं या आजादी में। इमरान ने कार्यकर्ताओं से 24 नवंबर को विरोध प्रदर्शन में शामिल होने या पार्टी छोड़ने के लिए कहा।सितंबर से लगातार इमरान खान के समर्थक उनकी रिहाई के लिए किसी न किसी स्तर पर प्रोटेस्ट कर रहे हैं। इमरान खान के प्रोटेस्ट के ऐलान के बाद पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने इसे रोकने की तैयारियां की हैं। राजधानी इस्लामाबाद, रावलपिंडी और पंजाब प्रांत में जनसभाओं पर रोक लगा दी गई है। 1200 कंटेनरों के जरिए राजधानी इस्लामाबाद आने वाली मुख्य सड़कों को ब्लॉक किया गया है। प्रोटेस्ट रोकने के लिए इस्लामाबाद पुलिस के 6,325 कर्मियों के अलावा अन्य सेनाओं के 21,500 कर्मियों की तैनाती की गई है।

इमरान खान पर 100 से ज्यादा मामले चल रहे हैं। इस्लामाबाद की स्थानीय कोर्ट ने उन्हें 5 अगस्त, 2023 को तोशाखाना के केस में दोषी करार दिया था। इसके बाद उन्हें इस्लामाबाद के जमान पार्क स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। बाद में उन्हें 2 और मामलों में दोषी करार दिया गया था। अंग्रेजी अखबार डॉन के मुताबिक, अगर इमरान जेल से बाहर आते हैं तो, वे पाकिस्तान में दोबारा चुनाव की मांग को उठाएंगे।

इस साल हुए आम चुनाव में इमरान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी आधिकारिक तौर पर हिस्सा नहीं ले पाई थी। इमरान खान के एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर 5 जुलाई को हुई एक पोस्ट में इस साल 8 फरवरी को हुए आम चुनावों को फर्जी बताया गया था। ऐसे में शहबाज सरकार या फौज नहीं चाहेगी की खान किसी भी कीमत पर रिहा हों।

अमेरिकी राजनीति में भूचाल की तैयारी!

जॉन कैनेडी की हत्या से जुड़े गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक करेंगे ट्रंप?

वॉशिंगटन ,24 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि उनकी नई सरकार पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की हत्या से जुड़े गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक कर सकती है। गौरतलब है कि साल 2016 में जब पहली बार ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए थे, उस दौरान भी ट्रंप ने जॉन एफ कैनेडी की हत्या से जुड़े दस्तावेजों को सार्वजनिक करने का एलान किया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपने वादे को पूरा नहीं किया। अब ट्रंप ने एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान संकेत दिए हैं कि नई सरकार में गोपनीय दस्तावेजों को सार्वजनिक किया जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो इससे अमेरिकी राजनीति में भूचाल आने की आशंका है क्योंकि कैनेडी की हत्या को लेकर साजिश के कई दावे किए जाते हैं।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की 1963 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कैनेडी की हत्या से जुड़े अधिकतर गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक हो चुके हैं, लेकिन कुछ

दस्तावेज अभी भी गोपनीय रखे गए हैं। चूंकि ट्रंप पहले भी इन दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की बात कह चुके हैं, ऐसे में उम्मीद है कि इस बार वे अपने वादे को पूरा कर सकते हैं। विशेषकर ट्रंप की सरकार में जॉन एफ कैनेडी के भतीजे रॉबर्ट एफ कैनेडी भी शामिल हैं और रॉबर्ट एफ कैनेडी भी इन गोपनीय दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग को लेकर काफी मुखर रहे हैं।

बीते दिनों एक पॉडकास्ट के दौरान ट्रंप ने कहा था कि पिछले कार्यकाल के दौरान उनकी सरकार के पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पियो सहित कई लोगों ने इन गोपनीय दस्तावेजों को सार्वजनिक न करने की सलाह दी थी। इन लोगों ने सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। इस पॉडकास्ट के दौरान ट्रंप ने संकेत दिए कि जल्द ही जॉन एफ कैनेडी की हत्या से जुड़े बाकी गोपनीय दस्तावेजों को भी सार्वजनिक किया जा सकता है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की हत्या अमेरिकी इतिहास के सबसे चर्चित मामलों में से एक है। 22 नवंबर, 1963 को टेक्सास के डलास शहर में एक काफिले से गुजरने के दौरान कैनेडी की गोरी मारकर हत्या कर दी गई थी। कैनेडी को दो गोलियां लगीं, एक ऊपरी पीठ में और दूसरी सिर में, जिससे उनकी मौत हुई। कैनेडी को गोली मारने के आरोप में ली हार्वे ओसवाल्ड नाम के एक पूर्व मरीन को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि गिरफ्तार के दो दिन बाद ही एक नाइट क्लब के मालिक जैक रूबी ने पुलिस हिरासत में ओसवाल्ड की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्या के साथ ही कैनेडी की हत्या को लेकर कई सवाल अनसुलझे ही रह गए।

धरती को कई बार तबाह कर सकते हैं रूस के परमाणु बम

कौन करता है कंट्रोल, पुतिन ने नाटो को दी धमकी

मॉस्को,24 नवंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी देशों पर हमला करने की सीधी चेतावनी दी है। गुरुवार को यूक्रेन पर मध्यम दूरी की नई बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया था। यह एक हाइपरसोनिक मिसाइल थी, जिसे पुतिन ने रूस के अंदर हमला करने के लिए अमेरिका और ब्रिटेन की मिसाइल के इस्तेमाल का जवाब बताया था। इसके साथ ही पुतिन ने चेतावनी दी कि जिन देशों ने यूक्रेन को अपनी मिसाइल रूस के खिलाफ दागने की अनुमति दी है, उनके विरूद्ध मास्को अपनी नयी मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकता है।

इसके पहले पुतिन ने मंगलवार को एक नई परमाणु नीति पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें घोषणा की गई है कि किसी भी परमाणु शक्ति द्वारा समर्थित देश अगर रूस पर हमला करता है तो इसे उनके देश पर संयुक्त हमला माना जाएगा। रूसी राष्ट्रपति पहले भी परमाणु युद्ध की धमकी दे चुके हैं। ऐसे में इस नीति पर हस्ताक्षर ने इसकी आशंका को और बढ़ा दिया है। रूस के परमाणु शस्त्रागार में इतने हथियार हैं जो धरती को कई बार तबाह कर सकते हैं।

रूस के पास कितने हथियार?

रूस के पास दुनिया में परमाणु बमों का सबसे बड़ा भंडार है। रूस को ये परमाणु हथियार सोवियत संघ से विरासत में मिले हैं। दिलचस्प बात ये है कि सोवियत संघ के विघटन के बाद यूक्रेन को भी हजारों परमाणु हथियार मिले थे, लेकिन वो सारे बाद में रूस के पास आ गए। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स के अनुसार पुतिन के नियंत्रण में वर्तमान में 5580 परमाणु हथियार हैं।

एफएएस के अनुसार, इनमें से लगभग 1200 को लगभग हटा दिया गया है, लेकिन वे काफी हद तक बरकरार हैं। लगभग 4380 को ऑपरेशन फोर्सेज के लिए भंडार में रखा गया है। शस्त्रागार में रखे गए परमाणु हथियारों में से 1710 स्ट्रैटेजिक वारहेड्स हैं, जिसमें लगभग 870 जमीन से हमला करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों, 640 पनडुब्बी से लॉन्च होने वाली बैरिस्टिक मिसाइलों और संभवतः 200 भारी बमवर्षकों के ठिकानों पर हैं।

इस मात्रा में परमाणु हथियारों का मतलब है कि रूस दुनिया को कई बार नष्ट कर सकता है। हालांकि, अमेरिका के पास भी अपने परमाणु भंडार से ऐसा करने की क्षमता है। हालांकि, वर्तमान में रूस के परमाणु बमों की संख्या सोवियत काल के मुकाबले बहुत छोटी है। शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ के पास अधिकतम 40000 परमाणु हथियार थे। वहीं, अमेरिका के पास अधिकतम 30000 परमाणु हथियार थे।

रूस किन हालात में इस्तेमाल करेगा परमाणु बम?

साल 2020 में रूस ने परमाणु सिद्धांतों को प्रकाशित किया था, जिसमें उन शर्तों को बताया गया है जिनके तहत रूसी राष्ट्रपति परमाणु हथियार का उपयोग करने पर विचार करेगा। इसमें परमाणु या सामूहिक विनाश के अन्य हथियारों से किए गए हमले की प्रतिक्रिया के रूप में या पारंपरिक हथियारों से हमले के खिलाफ जब रूसी राज्य का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाता है। रूस में राष्ट्रपति पुतिन के पास ही रूस के परमाणु हथियारों के उपयोग पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति के पास हमेशा एक परमाणु ब्रीफकेस रहता है। इसे चेगेट (काकेशस पर्वत में माउंट चेगेट के नाम पर) कहा जाता है। रूसी रक्षा मंत्री और जनरल स्टाफ के प्रमुख के पास भी ऐसा ही ब्रीफकेस होने का अनुसमान है। यह ब्रीफकेस इलेक्ट्रॉनिक कनेक्टिंग डिवाइस है, जो राष्ट्रपति को शीर्ष सैन्य अधिकारियों और फिर रॉकेट बलों से जोड़ता है।

जापान के हाथ लगा 26 अरब डॉलर का खजाना

उगते सूरज के देश की बदल जाएगी किस्मत, चीन का टूटेगा दबदबा

टोक्यो,24 नवंबर (एजेंसियां)। जापान ने 23 करोड़ टन मैंगनीज के भंडार की खोज की है। मैंगनीज का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहन की बैटरी और स्मार्टफोन बनाने में खासतौर पर किया जाता है। टोक्यो विश्वविद्यालय और गैर लाभकारी निप्पॉन फाउंडेशन के शोधकर्ताओं ने टोक्यो से लगभग 1200 मील दक्षिण पूर्व में स्थित मिनामी-तोरीशिमा द्वीप पर इस भंडार को खोजा है। शोधकर्ताओं के अनुसार, पानी के नीचे के खनिज क्षेत्र में 740000 मीट्रिक टन निकेल और 610000 मीट्रिक टन कोबाल्ट का भंडार भी है, जो देश की किस्मत बदल सकता है।

75 साल तक पूरी होगी जरूरत

शोधकर्ताओं की टीम ने बताया कि निकेल का विशाल भंडार जापान के लिए अगले 11 वर्षों और कोबाल्ट का भंडार 75 वर्षों की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। निकेल और कोबाल्ट का इस्तेमाल ऊर्जा भंडारण, खास तौर पर लिथियम आयन बैटरी बनाने में किया जाता है। इस भंडार को वर्तमान बाजार कीमतों पर बेचा जाए, तो इसका मूल्य 26 अरब डॉलर होने का अनुमान है।

बेहद जरूरी है ये खनिज

कोबाल रिचार्जेबल बैटरी के लिए आवश्यक है और अर्द्धचालक उत्पादन में भूमिका निभाता है। मैंगनीज के साथ ही यह दोनों धातुएं इलेक्ट्रिक वाहन में इस्तेमाल होने वाली लिथियम आयन बैटरी की तकनीक के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जापान ऊर्जा के नए स्रोतों की तलाश के लिए तेजी से काम कर रहा है। हालांकि ऐसा करने वाला वह अकेला नहीं है। अमेरिका और कई अन्य देश भी टंगस्टन, मैंगनीज और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों (रेयर अर्थ ऑब्जेक्ट) जैसी दुर्लभ धातुओं और खनिजों के नए स्रोतों की तलाश कर रहे हैं। इनमें से कई पर चीन का कब्जा है।

चीन का टूटेगा दबदबा

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे की इसी साल जून की रिपोर्ट में चीन के कोबाल्ट प्रभुत्व को एक प्रमुख आपूर्ति श्रृंखला जोखिम के रूप में बताया गया है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि 'महत्वपूर्ण खनिज निर्यात प्रतिबंध गैर चीनी बैटरी उत्पादक और उपभोग करने वाले उद्योगों के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा कर सकते हैं।'दुर्लभ पृथ्वी तत्वों पर एकाधिकार को चीन दबाव बनाने के हथियार के रूप में इस्तेमाल करता है।

जापान पर इस प्रभाव को हथियार बनाने का आरोप लगाया गया है। विवादित सेनकाकू द्वीप समूह में जापानी तट रक्षक के साथ एक चीनी मछली पकड़ने वाली नाव की टक्कर के बाद कूटनीतिक विवाद पैदा हो गया, जिसके बाद बीजिंग ने कथित तौर पर अपने पड़ोसी को आरईई शिपमेंट को रोकना शुरू कर दिया था। ऐसे में जापान के हाथ इस धातु के लगने से चीन के दबदबे को भी चुनौती मिलेगी।

जॉर्डन में इजराइली दूतावास पर फायरिंग, हमलावर की मौत

3 पुलिसकर्मी घायल, लेबनान में इजराइल के हमले में 20 मारे गए

अम्मान,24 नवंबर (एजेंसियां)। जॉर्डन की राजधानी अम्मान में मौजूद इजराइली दूतावास पर रविवार सुबह फायरिंग हुई है। फायरिंग करने वाले बंदूकधारी शख्स को पुलिस ने मार गिराया है। हालांकि इस कार्रवाई में 3 पुलिसकर्मी भी घायल हुए है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने दूतावास के आस-पास के एरिया को बंद कर घेराबंदी बढ़ा दी है। मौके पर अधिक पुलिस बल और एंबुलेस को भेजा गया है। साथ ही लोगों से घरों में रहने के लिए कहा है। पुलिस हमले में शामिल अन्य लोगों की तलाश कर रही है। फायरिंग की घटना वाले इलाके में अक्सर इजराइल के विरोध में प्रदर्शन होते हैं। गाजा जंग के बाद से यहां इजराइल के खिलाफ कई प्रदर्शन हुए हैं।

इजराइल ने शनिवार देर रात लेबनान की राजधानी बेरूत पर हवाई हमला किया। इस हमले में एक रिहायशी इमारत को निशाना बनाया गया, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई। इजराइली अधिकारियों के मुताबिक ये हमला हिजबुल्लाह के एक टॉप कमांडर मोहम्मद हैदर को मारने के लिए किया गया था।

हालांकि हिजबुल्लाह ने कहा कि हमले में उसके किसी भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है। हिजबुल्लाह ने बयान जारी कर कहा कि हमले वाली वाली जगह पर उसका कोई भी कमांडर मौजूद नहीं था। हमले में मरने वालों लोगों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक हमले में 66 लोगों घायल हुए हैं, इनमें से कई गंभीर रुप से घायल हैं।

इजराइल की राजधानी तेल अवीव और यरूशलम में शनिवार देर रात हमास की कैद में मौजूद बंधकों की रिहाई को लेकर प्रदर्शन शुरु हुए। देर रात हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे। इससे पहले हमास ने दावा किया कि नॉर्थ गाजा में कैद एक इजराइली महिला बंधक की मौत हो गई है।

हमास की अल कासिम ब्रिगेड के एक प्रवक्ता ने कहा कि दुश्मन की एक महिला कैदी मारी गई है। प्रवक्ता ने कहा कि अभी भी उस इलाके में एक और महिला कैदी मौजूद है, जिसकी जान को खतरा है।

इजराइल के मुताबिक इस इलाके में इजराइली सेना बड़े पैमाने पर सैन्य ऑपरेशन चला रही है। इजराइल डिफेंस फोर्सेस ने महिला की मौत से जुड़ी जानकारी पर किसी भी तरह की पुष्टि करने से मना कर दिया। महिला की मौत से जुड़ी जानकारियां जुटाई जा रही हैं।

जयपुर, जोधपुर और कोटा नगर निगम फिर एक होंगे

सरकार ने बढ़ाया पहला कदम

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर, जोधपुर और कोटा शहर के दो-दो नगर निगम को फिर एक करने की कवायद शुरू हो गई है। राज्य सरकार ने प्रदेश के निकायों में जनसंख्या के आधार पर नए सिरे से वार्ड निर्धारण कर दिया है। अब एक निकाय की जनसंख्या 35 लाख से ज्यादा होगी तो ही 150 से ज्यादा वार्ड बनेंगे।

तीनों ही शहरों में हर निकाय की जनसंख्या इससे कम है। जबकि, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 15 लाख से ज्यादा आबादी पर ही 150 वार्ड निर्धारित कर दिए थे। भाजपा सरकार ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की अधिसूचना को निरस्त कर दिया है। ऐसे में माना जा रहा है कि इन तीनों शहरों में फिर से एक ही नगर निगम बनाने की दिशा में सरकार ने पहला कदम बढ़ा लिया है। स्वायत्त शासन विभाग ने नगर निगम, परिषद व पालिकाओं में जनसंख्या के आधार वार्ड निर्धारण की अधिसूचना जारी कर दी है।

जनसंख्या स्लैब ये

5 से 8 लाख जनसंख्या के स्लैब को बढ़ाकर 10 लाख तक कर दिया है। इसके आगे भी दो अलग-अलग स्लैब में बांट दिया। पहले 8 से 10 और 10 से 15 लाख जनसंख्या का एक स्लैब था, लेकिन अब 10 से 13, 13 से 15, 15 से 25 और 25 से 35 लाख जनसंख्या का अलग-अलग स्लैब बनाया गया है। इसी आधार पर वार्ड तय किए गए हैं।

कार्यकर्ताओं के सामने बेनीवाल ने घर का दरवाजा बंद किया

कहा- गजेंद्र खींवसर रोए कि मेरी मूंछ कट जाएगी, इससे भाजपा के वोट बढ़े

नागौर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। नागौर विधानसभा उपचुनाव में पत्नी कनिका बेनीवाल की हार के बाद हनुमान बेनीवाल ने भाजपा सरकार पर सरकारी तंत्र के दुरुपयोग का आरोप लगाया। शनिवार को चुनाव परिणाम के बाद नागौर में उनके आवास के बाहर कार्यकर्ता जुटे थे। भाजपा पर आरोप लगाने के बाद बेनीवाल ने कार्यकर्ताओं के सामने घर का दरवाजा बंद कर लिया।

दरअसल, खींवसर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कनिका बेनीवाल की हार के बाद बड़ी संख्या में हनुमान बेनीवाल के समर्थक उनके घर के बाहर इकट्ठा हुए थे। बेनीवाल घर से बाहर आए। वे दरवाजा पकड़ कर गेट पर ही खड़े रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा- भाजपा सरकार और कांग्रेस ने मिलकर हमारे खिलाफ लड़ाई में सरकारी तंत्र का दुरुपयोग किया। इसके बावजूद हमें पिछले चुनाव से 15 हजार वोट ज्यादा मिले हैं। इतना कहकर उन्होंने दरवाजा बंद कर लिया। बेनीवाल के दरवाजा बंद करने के बाद समर्थक थोड़ी देर खड़े रहे और फिर चले गए। इससे पहले हार घोषित होने के तुरंत बाद कार्यकर्ताओं के सामने शनिवार को बेनीवाल ने कहा कि हार के बाद भी आप लोग मेरे साथ हो। आने वाले 4 साल में हमें पेपर लीक, बजरी माफिया, अपराध के मुद्दों पर राजस्थान को बचाने के लिए सड़कों पर लड़ना होगा। हम जीरो पर आ गए हैं। इस चुनाव में कांग्रेस की दुर्दशा हुई है। कांग्रेस के वोट के हालात देखो। राजा साहब (गजेंद्र सिंह खींवसर) रोए कि मूंछ कट जाएगी, इस वजह से भी भाजपा के वोट बढ़े।

बेनीवाल ने कहा कि नौजवानों को धन्यवाद देता हूं कि इस चुनाव में मेरा साथ दिया। भाजपा ने जीतने के लिए धनबल और सत्ता का दुरुपयोग किया। एमएलए कोटे का पैसा खर्च नहीं होने दिया। एमपी कोटे का पैसा अटका दिया। बिजली विभाग में रातों-रात काम कराकर आचार संहिता की धज्जियां उड़ाईं। बेनीवाल ने कहा कि हम हारकर भी जीते हैं, पिछली बार करीब 80 हजार वोट मिले थे, इस बार 15 हजार वोट बढ़े हैं और करीब 95 हजार वोट मिले हैं, हमें निराश होने की जरूरत नहीं हैं। हनुमान बेनीवाल ने बीजेपी प्रत्याशी रेवंतराम डांगा पर निशाना साधा। कहा- मेरी पीठ पर धुरा घोंपा गया है। मेरे स्कूल में पढ़े व्यक्ति को ले गए और दुल्हा बना दिया। बीजेपी के पास तो खुद का प्रत्याशी भी नहीं था।

नागौर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा की जीत हुई। जीत के तुरंत बाद डांगा ने कहा था कि हनुमान बेनीवाल जीरो पर आ गए हैं। वे हमेशा गठबंधन के सहारे जीतते आए थे। कभी भाजपा से गठजोड़ किया और कभी कांग्रेस से। खुद के दम पर वे नहीं जीत सकते थे। अब उन्हें घर बैठा दिया है। विधानसभा में उनका नाम लेने वाला कोई नहीं है।

बता दें कि खींवसर विधानसभा सीट के उपचुनाव कांग्रेस से डॉ. रतन चौधरी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी से कनिका बेनीवाल, भारतीय जनता पार्टी से रेवंतराम डांगा समेत कुल 12 प्रत्याशी के बीच मुकाबला था। जिसमें भाजपा के रेवंतराम डांगा ने कनिका बेनीवाल को 13901 वोटों से हरा दिया। हनुमान बेनीवाल के लिए यह चुनाव कितना जरूरी था, इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपनी पत्नी को ही चुनाव मैदान में खड़ा किया था।

हनुमान बेनीवाल की हार के बाद डेगाना के पूर्व विधायक रिछपाल मिर्धा ने आरएलपी प्रमुख और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि हनुमान को 'विभीषणों' के दम पर हराया है, उनके विभीषण हमारे साथ थे।

उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा की जीत के बाद मिर्धा ने कहा- खींवसर में आज जो हुआ। ये जीत भाजपा के शीर्ष नेतृत्व, सीएम भजनलाल शर्मा और खींवसर की जनता की वजह से संभव हुई है। जो लोग पहले चुनाव जीतते आए, उनको इतना घमंड हो गया था कि ऊपर भगवान, नीचे हनुमान।

मैच फिक्सिंग की चर्चाओं के बीच चाणक्य बनकर उभरे मुरारी

भाजपा के हो-हल्ले में चुपचाप काम कर गई कांग्रेस

दौसा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की सात सीटों पर हुए विधानसभा उपचुनाव में एकमात्र दौसा सीट जीतकर कांग्रेस अपना गढ़ बचाने में कामयाब रही है। सांसद मुरारीलाल मीना के सांसद चुने जाने के कारण हुए उपचुनाव के दौरान सबसे पहले तो मुरारी के विकल्प के तौर पर टिकट देने की चुनौती पार्टी के समक्ष थी। इस बार सामान्य सीट पर भाजपा की ओर से पहले ही एसटी वर्ग को टिकट देकर कांग्रेस को झटका दिया था, क्योंकि गत दो चुनाव में कांग्रेस एससी-एसटी के बहुतायत में वोट लेकर चुनाव जीत रही थी। भाजपा ने रणनीति बदलकर कांग्रेस को झटका दिया, लेकिन यह बदलाव सामान्य वर्ग को रास नहीं आया।

बूथवार मतगणना से पता लगा है कि हर बार की तरह इस बार सामान्य वर्ग को वोट भाजपा से टूटा है। साथ ही भाजपा के कद्दावर नेता डॉ. किरोड़ीलाल मीना के भाई जगमोहन मीना को टिकट देकर एकतरफा एसटी वोट हथियाने की चाल भी कामयाब नहीं हो सकी। कांग्रेस को भी एसटी बाहुल्य बूथों पर अच्छे मत मिले। इसके चलते भाजपा आखिर तक कांग्रेस की लीड को पाट नहीं सकी।

प्रचार अभियान में मचता रहा 'मैच फिक्सिंग' का शोर

चुनाव की शुरुआत से ही जिले सहित प्रदेश के राजनीतिक हलकों में दौसा में 'मैच फिक्सिंग' होने का हल्ला मचा। कांग्रेस-भाजपा के नेताओं ने भी यह बात कही। आरोप लगे कि मुरारीलाल मीना ने डॉ. किरोड़ीलाल मीना से मैच फिक्स कर दौसा में नए चेहरे डीसी बैरवा को टिकट दिलवा दिया है। हालांकि मुरारीलाल शुरू से इस बात से इनकार करते रहे। इस बीच प्रचार अभियान में मुरारीलाल के कम सक्रिय होने पर बार-बार 'मैच फिक्सिंग' का शोर मचता रहा। अब परिणाम देखकर स्पष्ट हुआ है कि डीसी बैरवा की जीत में मुरारीलाल मीना चाणक्य बनकर उभरे हैं। उन्होंने अपने प्रभाव से एसटी वर्ग का अच्छा खासा वोट कांग्रेस में डलवाकर जीत तय की है। कुछ एसटी बाहुल्य गांव-ढाणी तो ऐसे भी हैं, जहां से कांग्रेस को जीत मिली है।

प्रचार अभियान में भाजपा रही आगे

विधानसभा उपचुनाव के पूरे प्रचार अभियान में भाजपा आगे रही। हर तरफ भाजपा का हल्ला नजर आया। डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने पूरे चुनाव प्रचार की कमान संभाली। इसके अलावा प्रदेश के भी दर्जनों नेताओं की टीम ने दौसा में डेरा डाले रखा। प्रत्येक समाज व संगठन की बैठक लेकर समर्थन जुटाने का प्रयास किया। प्रचार देखकर एकबारगी सवाल उठने लगा था कि कांग्रेस क्यों ठंडी पड़ी है, लेकिन परिणाम देखकर स्पष्ट हुआ है कि भाजपा शोर मचाती रह गई और कांग्रेस अंदर ही अंदर अपना काम सफलतापूर्वक कर गई।

बैकफुट पर दिखी कांग्रेस की जीत बनी चर्चा का विषय

उपचुनाव के प्रचार के दौरान बैकफुट पर दिखी कांग्रेस की जीत हर किसी के मन में चर्चा का विषय बन गई है। देश और प्रदेश में भाजपा की सत्ता होने के बावजूद मौन रहकर लोगों ने कांग्रेस को वोट दे दिया। इससे मतदाताओं में अंडर करंट स्पष्ट नजर आया है। अब अंडर करंट किस बात को लेकर रहा, यह भाजपा के लिए विश्लेषण का विषय है। कांग्रेस को हर वर्ग का वोट मिला है।

16 साल बाद खींवसर विधानसभा सीट पर बीजेपी ने जीता चुनाव

कांग्रेस की जमानत जब्त होने पर बोले गोविंद सिंह डोटासरा

नागौर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। खींवसर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में राष्ट्रीय पार्टी कही जाने वाली कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद शर्मनाक रहा। करीब छह साल पहले यही से चुनाव लड़े सवाई सिंह चौधरी के मुकाबले उनकी पत्नी डॉ रतन चौधरी को इस बार दस फीसदी वोट भी नहीं मिल पाए। अब शोर हार का नहीं इस बात का मच रहा है कि आखिर कांग्रेस की इस दुर्दशा के लिए जिम्मेदार कौन है? आखिर डॉ. चौधरी को प्रत्याशी बनाया भी गया तो किस आधार पर?

इस शर्मनाक हार की समीक्षा भी बेहद जरूरी है। वो इसलिए भी कि वर्ष 2018 से 2023 तक राज्य में कांग्रेस की सरकार रही तो खींवसर के हिस्से आया क्या? यहां की जनता की खैर-खबर लेने मंत्री/मुख्यमंत्री तो छोड़ों जो चुनाव के दौरान चहल कदमी करने वाले गिने-चुने कथित नेता भी यहां दिखे क्या? इस बार के परिणाम से कांग्रेस की भद्द पिट गई।

कांग्रेस प्रत्याशी को मिले मात्र 5454 वोट

डॉ रतन चौधरी को 5454 वोट मिले जो मात्र ढाई फीसदी है। बरसों पुरानी कांग्रेस चुनावी रेस में इतना पीछे, जमानत तक जब्त हो गई। आखिर उसके वोटर किधर तितर-बितर हो गए। मतदाता को लुभाने या फिर वोट बैंक बढ़ाने के लिए कांग्रेस के बड़े-बड़े स्टार प्रचारकों ने खींवसर में आकर किया क्या? वर्ष 2018 में यहां हुए चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी सवाई सिंह चौधरी को 66 हजार से अधिक तो वर्ष 2019 के उप चुनाव में हरेंद्र मिर्धा को करीब 74 हजार वोट मिले। पिछले साल के चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी रहे तेजपाल मिर्धा ने 27 हजार से अधिक वोट हासिल किए थे। आखिर वोट इतने कम कैसे हो गए?

असल में कांग्रेस ने खींवसर में अपना संगठन मजबूत बनाने के लिए कई बरसों से कुछ किया ही नहीं। ब्लॉक स्तर की मीटिंग को तो छोड़िए यहां के पदाधिकारी कभी नागौर जिले में होने वाली मीटिंग तक में शामिल नहीं होते। जब-जब कांग्रेस सरकार रही तब भी खींवसर को हाशिए पर रखा गया। कई वर्षों से जिला अध्यक्ष पद का निर्वाह कर रहे जाकिर हुसैन गैसावत हों या सरकार के दौरान जिला प्रभारी मंत्री अथवा अन्य ने यहां की जनता की सुध-बुध पूछी ही नहीं। कभी लोकसभा तो कभी विधानसभा में टिकट के दावेदार बने पदाधिकारी भी खींवसर के नाम से छींकते नजर आते हैं।

आखिर यहां की जनता से ऐसी दूरी क्यों? क्या इस बार प्रत्याशी खड़ा करना केवल रस्म अदायगी थी? इस सीट पर क्यों फोकस नहीं करते कांग्रेसी नेता, पिछले साल हुए विधानसभा में हरेंद्र मिर्धा को नागौर से टिकट दे दिया गया, जबकि उन्होंने दावेदारी खींवसर से की थी। किसी को राजनीतिक लाभ पहुंचाने या फिर अपनी गोटी फिट करने के लिए ऐसे समझौते कांग्रेस को फायदे पहुंचाएंगे। बिना किसी मेहनत/समर्पण के किसी को प्रत्याशी बनाने से कांग्रेस मजबूत होगी? कार्यकर्ताओं को कभी संगठित कर यहां के विकास या फिर समस्या पर चर्चा ही नहीं की जाती। आखिर सबसे कम वोट हासिल करने वाली इस प्रत्याशी की हार पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को खुद का आकलन करना चाहिए।

हम अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाए

हमने नागौर एमपी चुनाव गठबंधन से लड़ा था, उसमें कांग्रेसियों ने रालोपा को वोट दिए। खींवसर विधानसभा उप चुनाव में गठबंधन नहीं हुआ। फिर हमने जो उम्मीदवार दिया तो उसके हिसाब से परिवर्तन नहीं कर पाए। इसके चलते चुनाव हनुमान बेनीवाल या फिर भाजपा पर हुआ। इसलिए हम वहां ज्यादा अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाए।

चित्तौड़गढ़ में पूर्व राजपरिवार के उत्तराधिकारी चयन को लेकर विवाद

उदयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ में पूर्व राजपरिवार के उत्तराधिकारी चयन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। डॉ. अम्बेडकर अनुसूचित जाति अधिकारी-कर्मचारी एसोसिएशन (अजाक) ने नाथद्वारा से भाजपा विधायक विश्वराज सिंह को महाराणा मेवाड़ की कथित गद्दी पर बैठाने के कार्यक्रम पर आपत्ति व्यक्त की है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर कहा कि यदि लोकतंत्र में ऐसा आयोजन किया जाता है तो इसके खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा।

दरअसल, प्रज्ञातसिंह देलवाड़ा की ओर से वितरित निमंत्रण पत्र में विश्वराज सिंह को मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार का 77वां 'उत्तराधिकारी' बताते हुए लोगों को आमंत्रित किया है। निमंत्रण पत्र सामने आने के बाद अजाक एसोसिएशन इस आयोजन के खिलाफ उठ खड़ी हुई है। संगठन के अध्यक्ष श्रीराम चौरड़िया ने कहा कि स्वतंत्रता के अमृतकाल में संवैधानिक और लोकतांत्रिक प्रणाली के विपरीत इस तरह का सामंती आयोजन स्वीकार नहीं है। निमंत्रण पत्र में चित्तौड़गढ़ दुर्ग के फतेह प्रकाश महल में सोमवार को उत्तराधिकारी चयन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। अजाक संगठन का तर्क है कि सरकारी परिसर में आयोजन करना लोकतंत्र का अपमान है। उधर, उदयपुर में भी प्रस्तावित धूणी दर्शन को लेकर पूर्व राजपरिवार के बीच करीब 40 साल से चल रहा संपत्ति विवाद गहराने की आशंका बन गई है। वर्तमान में सिटी पैलेस महेंद्र सिंह मेवाड़ के छोटे भाई अरविंद सिंह मेवाड़ के पास है।

दरअसल, पूर्व राजपरिवार के सदस्य महेंद्रसिंह मेवाड़ के निधन के बाद उनके बेटे विश्वराजसिंह मेवाड़ का 25 नवंबर को चित्तौड़ में पगड़ी दस्तूर के बाद उदयपुर के सिटी पैलेस में धूणी दर्शन के लिए जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसे लेकर विश्वराजसिंह मेवाड़ पक्ष की ओर से पूर्व विधायक रणधीर सिंह भिंडर ने पुलिस से मुलाकात कर व्यवस्था की मांग की है। वहीं सिटी पैलेस का संचालन करने वाले ट्रस्ट की ओर से इसकी सहमति नहीं दी गई है।

वसुंधरा बोलीं- पीठ में छुरा घोंपने में माहिर होते हैं लोग

पार्टी की जीत पर दी बधाई

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने पांच सीटें जीतकर अप्रत्याशित परिणाम हासिल किया है। इन्हीं अप्रत्याशित परिणामों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की जोड़ी की जमकर तारीफें हो रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की सादगी एवं संगठन और सरकार के बीच में उनके द्वारा बैठाया गया तालमेल कुछ इस तरीके से काम करता नजर आया कि इन दोनों नेताओं के आगे विपक्ष धराशायी हो गया। जिन दोनों नेताओं को चुनावी प्रचार के दौरान अनुभवहीन बताया जा रहा था, उन्हीं दोनों नेताओं ने कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाली झुंझुनू सीट को कांग्रेस के मुंह से छीन लिया और दूसरी तरफ राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की राजधानी मानी जाने वाली खींवसर सीट को जीतकर विधानसभा में हनुमान बेनीवाल और उनकी पार्टी को जीरो पर लाकर खड़ा कर दिया।

इधर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने सोशल मीडिया X पर जीत की बधाई दी परंतु राजे की बधाई से ज्यादा उनका झालावाड़ में एक कार्यक्रम के दौरान दिया गया भाषण ज्यादा चर्चाओं में आ गया। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे महाराणा प्रताप की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के दौरान महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़ी बातों पर चर्चा करते हुए कुछ ऐसा कह गईं, जिसकी चर्चा हर तरफ चल पड़ी है।

मंच से बोलते हुए उन्होंने कहा- महाराणा प्रताप के जीवन से हमें सीखना चाहिए है कि लोग पीठ में छुरा घोंपने में माहिर होते हैं। महाराणा कभी ऐसा नहीं करते थे और निहत्थे पर वार करने की बजाय अपने साथ दो तलवारें रखते थे, एक अपने लिए और एक निहत्थे के लिए। उन्होंने महाराणा प्रताप के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए और समझना चाहिए कि समय का चक्र पहिये सा घूमता है। महलों में मखमल पर सोने वाले राजा को भी जंगल में कांटों पर भी सोना पड़ता है।

तस्करों का वेरिफिकेशन नहीं, इसलिए मकान मालिक पर केस

स्टूडेंट को किराए पर दिया घर; 2 साल से कर रहे थे ड्रग्स का कारोबार

बाड़मेर, 24 नवंबर (एजेंसियां)।बाड़मेर में किराए के मकान में रहने वाले 2 कॉलेज स्टूडेंट्स के पास 2 करोड़ रुपए की ड्रग्स मिली। जांच में सामने आया है कि मकान मालिक हेमराज ने बिना वेरिफिकेशन के तस्करों को मकान किराए पर दिया था। ऐसे में पुलिस ने मकान मालिक को भी आरोपी बनाया है।

पुलिस मकान मालिक के खिलाफ भी एनडीपीएस एक्ट की धारा 27-ए के तहत कार्रवाई करेगी। इसमें मकान मालिक को 10 से 20 साल तक की सजा हो सकती है। उधर, पुलिस ने आज (रविवार) दोनों आरोपियों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट 2 में पेश किया और 1 दिन की रिमांड पर लिया है।

एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया- बाड़मेर के शास्त्री नगर मोहल्ले में शनिवार को ऑपरेशन भौकाल के तहत डीएसटी प्रभारी, कोतवाली और सदर पुलिस की टीमों ने एक साथ हेमराज के मकान पर रेड की थी। यहां किराए पर रहने वाले 2 स्टूडेंट को गिरफ्तार किया था। दोनों स्टूडेंट्स यहां दो साल से नशे का कारोबार कर रहे थे। पुलिस ने दोनों स्टूडेंट के पास से 987 ग्राम एमडी, 189 ग्राम अफीम का दूध बरामद किया, जिनकी बाजार कीमत करीब 2 करोड़ रुपए है। साथ ही 71 हजार रुपए नकदी, 2 गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, 11 फर्जी नंबर प्लेट और 3 मोबाइल (बंद हालत में) बरामद किए।

एसपी ने बताया- पुलिस ने किराएदार स्टूडेंट मनोहर लाल (19) निवासी सोमारड़ी सेड़वा (बाड़मेर) और भरत सिंह (27) निवासी धांधलों की ढाणी बाखासर (बाड़मेर) को गिरफ्तार किया। मनोहर लाल वेटरनरी की पढ़ाई कर रहा है और सेकेंड ईयर का स्टूडेंट है। भरत सिंह बी-फार्मा का फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट है। मामले में मकान मालिक को भी आरोपी बनाया गया है। फिलहाल मामला कोतवाली थाने में दर्ज है, जिसकी जांच रीको थाना पुलिस को सौंपी गई है।

एसपी नरेंद्र मीना ने बताया- इसी मकान में दूसरे कमरे में सगे भाई अशोक और पीराराम पुत्र रामकिशन भी रहते थे। ये दोनों बाड़मेर के धोरीमन्ना इलाके के माणकी गांव के रहने वाले हैं। अशोक और पीराराम, मनोहर और भरत के दोस्त है। दोनों भाई इन्हें नशे की खेप सप्लाई करते थे। रेड के दौरान दोनों फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है।

एसपी ने बताया- दोनों स्टूडेंट के पास से माप-तौल कांटा, प्लास्टिक की थैलियां मिली है। एमडी की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर बाड़मेर शहर और आसपास के इलाकों में सप्लाई करते थे। फिलहाल दोनों आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है।

जंगल में मृत मिले 5 मोर, एक घायल का उपचार जारी

जहरीला दाना डालकर मारने का अंदेशा

अजमेर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। केकड़ी के सावर उपखंड क्षेत्र में मोड़ी गांव के जंगल में पांच राष्ट्रीय पक्षी मोर मृत हालत में मिले, वहीं एक मोर घायल हालत में मिला। राष्ट्रीय पक्षी की यह हालत देखकर गांव वाले द्रवित हो गए। गांव वालों द्वारा मृत मोरों और घायल मोर को सावर के पशु चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद वन विभाग की मौजूदगी में मृत मोरों को दफनाया जाएगा। जब ग्रामीण खेत पर जा रहे थे तो उन्हें जंगल में मृत मोर दिखाई दिए। मोड़ी निवासी सांवरा मीणा ने बताया कि गांव वालों ने मौके पर जाकर देखा तो पांच मोर मृत और एक मोर घायल हालत में मिला। मृत और घायल मोर को सावर के पशु अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर अनिल जांगिड़ ने घायल मोर का इलाज शुरू किया। डॉ. अनिल जांगिड़ के अनुसार मोर प्रथम दृष्टया जहरीला दाना खाने से मरे हैं। हालांकि पूरा खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगा। घटना के बाद वन विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और मामले की जांच-पड़ताल की। मृत मोरों का पोस्टमार्टम करने के बाद वन विभाग को सौंपा जाएगा। इधर वन विभाग मामले की जांच कर रहा है, आशंका जताई जा रही है कि शिकारियों ने संभवतः मोरों का शिकार करने के लिए जहरीला दाना डाला है।

रात के पारे में लगातार गिरावट

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में रात के पारे में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। सबसे कम न्यूनतम तापमान माउंट आबू में पांच डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा आठ शहरों में रात का पारा 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। फतेहपुर में 8.4 डिग्री, जालोर में 8.7 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। भीलवाड़ा में 9.4, सीकर में 9.8, चित्तौड़गढ़ में 9.6, डबोक में 9.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। जयपुर में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री दर्ज किया गया।राजधानी जयपुर में रात के पारे में उतार-चढ़ाव जारी है। एक दिन पहले शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री पर दर्ज किया था। लेकिन रात पारा 13 डिग्री पर आ गया। ऐसे में तीन डिग्री की बढ़ोतरी देखी गई। वहीं, शहर में दिन का अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार शहर में इस सप्ताह रात और दिन के तापमान में और गिरावट देखने को मिलेगी।

मेहंदीपट्टनम गैरिसन ग्राउंड में 76वां एनसीसी दिवस समारोह

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनसीसी निदेशालय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना द्वारा मेहंदीपट्टनम गैरिसन ग्राउंड में 76वां एनसीसी दिवस मनाया गया, जो राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एयर कमोडोर वीएम रेड्डी, उप महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना ने भाग लिया, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में एनसीसी कैडेटों और कर्मियों के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया।

समारोह की शुरूआत एनसीसी कैडेटों की भव्य परेड से हुई, जिसमें उनके अनुशासन, सटीकता और समर्पण का प्रदर्शन किया गया। परेड के बाद एक शानदार हॉर्स शो हुआ, जिसमें घुड़सवारी के पारंपरिक कौशल को दर्शाया गया।

एनसीसी कैडेटों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम की उत्सवी भावना को और बढ़ा दिया, जिसमें समृद्ध परंपराओं और आधुनिक रचनात्मकता का मिश्रण प्रदर्शित किया गया। डीडीजी ने विभिन्न कैडेटों और एनसीसी कर्मियों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को पहचानने और पुरस्कृत करने का अवसर लिया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने एनसीसी बिरादरी के प्रदर्शन और कड़ी मेहनत की सराहना की और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने कैडेटों की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला, जिन्होंने एनसीसी ढांचे के भीतर और बाहर दोनों ही क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। 76वें एनसीसी दिवस समारोह एक शानदार सफलता थी, जो एनसीसी की समर्पण, अनुशासन और देशभक्ति की भावना को दर्शाता है।

आज बीसी समर्पित आयोग से मिलेंगी कविता

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के. कविता, तेलंगाना जागृति और यूनाइटेड फुले फ्रंट के नेताओं के साथ मिलकर सोमवार को बीसी डेडिकेटेड कमीशन के अध्यक्ष बुसानी वेंकटेश्वर राव को जाति सर्वेक्षण पर विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगी। उन्होंने रविवार को अपने आवास पर यूनाइटेड फुले फ्रंट और बीसी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में प्रतिनिधित्व किए जाने वाले मुद्दों पर चर्चा की।

आयोग के साथ बैठक का उद्देश्य जाति सर्वेक्षण के निष्कर्षों और तेलंगाना में पिछड़े समुदायों के लिए इसके निहितार्थों पर चर्चा करना था। नेताओं से पिछड़े समुदायों के कल्याण और विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख मुद्दों और सिफारिशों को उजागर करने की उम्मीद है। रिपोर्ट प्रस्तुत करने का समय कल सुबह 11 बजे निर्धारित है।

एक माह के बच्चे का अपहरण करने वाले तीन गिरफ्तार

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बच्चा सकुशल बरामद

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली पुलिस ने निलोफर अस्पताल, नामपल्ली, हैदराबाद से एक महीने के बच्चे का अपहरण के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस मामले में पीड़िता हसीना बेगम पत्नी गफूर बाशा, निवासी, शेखापुर, जहीराबाद ने शिकायत दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता हसीना बेगम ने 25 अक्टूबर को एरिया अस्पताल जहीराबाद में बच्चे सौकलैन को जन्म दिया, लेकिन वह पीलिया के कारण बीमार था। डॉक्टरों की सलाह पर बच्चे को पीलिया के इलाज के लिए निलोफर चिल्ड्रन अस्पताल में भर्ती कराया गया। 23 नवंबर को बच्चे को डिस्चार्ज करने के बाद, काले बुर्के एक महिला ने आई और उसने कहा कि वह अस्पताल में हर चीज को जानती है। आरोग्य श्री वार्ड में जब शिकायतकर्ता और उसकी माँ डिस्चार्ज पेपर पर हस्ताक्षर कर रही थीं, तो अज्ञात महिला ने उसकी माँ को बहकाया और एक महीने के बच्चे का अपहरण कर लिया और बच्चे के साथ मौके से भाग गई। पुलिस ने इस मामले में शाहीन बेगम, निवासी मुदिगुब्बा, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश, अब्दुल्ला उर्फ वेंकटेश निवासी इंद्र नगर, पोचम्मा बस्ती, फर्स्ट लांसर, हैदराबाद, रेशमा उर्फ रेणुका पत्नी अब्दुल्ला, निवासी इंद्र नगर, पोचम्मा बस्ती, फर्स्ट लांसर, हैदराबाद (मूल निवासी मेकलचेरुवु, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश) को गिरफ्तार किया है। आरोपी अब्दुल्ला उर्फ वेंकटेश और रेशमा उर्फ रेणुका की शादी वर्ष 2009 में हुई थी और उनकी तीन बेटियां हैं। वर्तमान में, उनकी पत्नी 8 महीने की गर्भवती है, लेकिन शाहीन बेगम अपनी बहन रेशमा के अनुरोध पर उसकी मदद करने के लिए हैदराबाद आई थी, क्योंकि वह गर्भवती है। लड़के की चाहत में, उन सभी ने निलोफर चिल्ड्रन हॉस्पिटल से एक लड़के का अपहरण करने की योजना बनाई।

योजना के अनुसार आरोपी शाहीन और अब्दुल्ला अपनी योजना को अंजाम देने के लिए निलोफर हॉस्पिटल गए। जब अब्दुल्ला अस्पताल के पास इंतजार कर रहा था, शाहीन ने एक महिला को चुना, जिसके पास एक बच्चा था और वह अस्पताल से बाहर आ रही थी। दोनों ने बच्चे को अगवा कर लिया और एक ऑटो में भाग गए। नामपल्ली पुलिस ने आरोपी व्यक्तियों को पकड़ने के लिए पांच टीमें बनाई हैं और मसाबटैंक तक सीसीटीवी फुटेज की जांच की है और सीसीटीवी फुटेज में मिले सुरागों के आधार पर, एक वाहन का विवरण एकत्र किया है। जैसा कि देखा गया कि वे एनएच 44 राजमार्ग पर कर्नूल की ओर बढ़ रहे थे।

डीसीपी सेंट्रल ज़ोन अक्षांश यादव ने एसपी गदवाल को सूचित किया। इसके बाद डीएसपी गदवाल और कर्नूल राजमार्ग यानी मनापाडु, उंडावल्ली पर संबंधित स्थानीय पुलिस स्टेशनों को सतर्क किया। एसआई पुट्टा महेश गौड़, पीएस उंडावल्ली और एसआई चंद्रकांत ने पुल्लूर टोल प्लाजा पर मारुति ओमनी असर संख्या एपी 28 एवी 0785 को रोका, जिसमें आरोपी व्यक्तियों के साथ अंदर बच्चा मिला। शिकायतकर्ता/पीड़ित मां के साथ बच्चे के फोटो की पुष्टि करने के बाद, आज सुबह जांच अधिकारी एसआई साई कुमार और नामपल्ली पीएस की पुलिस टीम ने जोगुलम्बा गदवाल जिले के पुल्लूर टोल प्लाजा के पास आरोपियों को पकड़ लिया।

आरोपियों को न्यायिक हिरासत में रिमांड पर लिया गया है। इंस्पेक्टर नामपल्ली पीएस एम. अप्पला नायडू, डीआई नामपल्ली पीएस एम. सैदेश्वर, इंस्पेक्टर सैफाबाद पीएस पी. राघवेंद्र, सब-इंस्पेक्टर नामपल्ली पीएस पी. साई कुमार, डी. शांति कुमार और पी. प्रदीप, कांस्टेबल नागराजू, सागर, पीएस नामपल्ली और सेंट्रल ज़ोन पीसी दीपक, रवि वर्मा ने बच्चे को खोजने के लिए कड़ी मेहनत की।

स्कूलों में करी पत्ता, मोरिंगा का पौधारोपण अभियान

आयरन की कमी से निपटने के लिए पहल

सिद्दीपेट, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूली बच्चों, विशेषकर लड़कियों में आयरन और हीमोग्लोबिन की कमी को रोकने के लिए सिद्दीपेट जिला प्रशासन ने उन्हें अपने दैनिक आहार में करी पत्ते और मोरिंगा के पत्तों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए स्वास्थ्य सर्वेक्षण के दौरान लगभग 35 प्रतिशत बच्चों में हीमोग्लोबिन की कमी पाई गई, जिसके बाद कलेक्टर मनु चौधरी ने अधिकारियों से सुझाव मांगे कि इस समस्या का समाधान कैसे किया जाए, न कि केवल नियमित पूरक आहार दिया जाए। जिला पंचायत अधिकारी (डीपीओ) देवक देवी ने सुझाव दिया कि अगर वे इन दो पत्तियों को अपने आहार में नियमित रूप से शामिल करें तो इस समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि स्कूलों के परिसर में करी पत्ते और मोरिंगा के पौधे लगाने से बच्चों को नियमित रूप से इनका सेवन करने में मदद मिलेगी।

कलेक्टर ने डीपीओ को जिले भर के सरकारी स्कूलों में इन पौधों को लगाने की जिम्मेदारी लेने का सुझाव दिया। देवकी देवी ने 499 ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिवों और पंचायत कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्र के सभी स्कूलों में करी पत्ता के पौधे लगाने के निर्देश जारी किए। देवकी देवी ने कहा कि उन्होंने हाई स्कूलों में 10 पौधे और प्राइमरी स्कूलों में 5 पौधे लगाने को कहा। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने स्कूल प्रबंधन को मिड-डे मील में करी पत्ता पाउडर परोसने का सुझाव भी दिया।

डीपीओ ने कहा कि वे जल्द ही जिले के सभी सरकारी स्कूलों में मोरिंगा के पौधे लगाएंगे ताकि छात्रों को नियमित रूप से इनका सेवन करने के लिए प्रेरित किया जा सके।

हालांकि, इन पौधों को पानी देने और उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन की होगी, उन्होंने कहा कि वे छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित करने की भी योजना बना रहे हैं, जिसमें विशेषज्ञों को शामिल किया जाएगा ताकि वे बता सकें कि इन पत्तियों के सेवन से कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, फॉस्फोरस, जिंक, विटामिन सी और बी की कमी कैसे दूर होगी और छात्रों का स्वास्थ्य कैसे बेहतर होगा? पिछले सप्ताह 75 प्रतिशत स्कूलों में पौधारोपण अभियान पूरा हो चुका है। अगले 25 प्रतिशत कार्य अगले सप्ताह पूरा हो जाएगा।

आसिफाबाद में सर्दी का सितम जारी, ठंड में ठिठुरे लोग

जिले में सिरपुर यू में सबसे न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री दर्ज

कुमरमभीम आसिफाबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरमभीम आसिफाबाद जिले में सर्दी का सितम जारी है। शीतलहर से जनजीवन प्रभावित है तो सड़क पर साथ चल रहे आम से खास की खायी ठंड ने पाट दी है। दोनों ही ठिठुर रहे हैं और कहीं अलाव दिख गया तो संग बैठ कर राहत भी पा रहे हैं। पशु पक्षी तक ठिठुर गए हैं। ठंड के चलते बाजारों में मंदी है। नवंबर माह के आखिरी दिनों से ही ठंड ने भयावह रूप ले लिया है। कम होने का नाम नहीं ले रही है। वहीं लोग सुबह शाम अपने अपने घरों में आग जलाकर ठंड से राहत पा रहे हैं। शीतलहर के चलते सड़कों पर आवागमन भी कम रहा। ठंड हवाओं के प्रभाव से शनिवार, रविवार को हाड़ कंपाने वाली सर्दी से लोग परेशान रहे। कुमरमभीम आसिफाबाद जिले में सिरपुर यू में तो रात का न्यूनतम पारा 9.4 डिग्री सेल्यिस दर्ज किया गया। दिन और रात के तापमान में अंतर कम होने से ठंड का कहर बढ़ गया। तापमान इस मौसम के न्यूनतम दर्जे का अनुभव कराता रहा। अचानक मौसम के बदले मिजाज ने आमजन की परेशानी बढ़ा दी है। सुबह से ही चल रही हल्की सर्द हवा ने लोगों की रफ्तार कम कर दी। कड़ाके की ठंड के कारण किसानों को भी खासी परेशानी हुई। पशुओं के चारे की व्यवस्था में उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

भारतीय नौसेना बैंड ने हैदराबाद में शानदार संगीत कार्यक्रम से समा बांधा

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्वी नौसेना कमान (विशाखापट्टनम) के भारतीय नौसेना बैंड द्वारा रविवार को सारथ सिटी मॉल (कोंडापुर), हैदराबाद में एक बैंड संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह शानदार कार्यक्रम एक बड़ी सफलता थी, जिसमें भारतीय नौसेना बैंड के 39 कर्मियों ने तेलुगु और पश्चिमी संगीतमय गीतों सहित यादगार धुनों के संयोजन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह कार्यक्रम 1971 में भारत-पाक युद्ध के दौरान जीत का जश्न मनाने की भारतीय नौसेना की परंपरा के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम को आम जनता ने भी देखा और इस आकर्षक प्रदर्शन का आनंद लिया।

सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर जोर दिया जाना चाहिए : जैन

आईआरआईएसईटी ने मनाया 67वां वार्षिक दिवस

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग और दूरसंचार संस्थान, आईआरआईएसईटी, भारतीय रेलवे का प्रमुख केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान (जो सिग्नलिंग और दूरसंचार प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण में विशेषज्ञता रखता है) ने 24 नवंबर को अपना 67वां वार्षिक दिवस मनाया। आईआरआईएसईटी नव भर्ती अधिकारियों और पर्यवेक्षकों, सेवारत कर्मियों और सार्वजनिक और निजी कंपनियों के अधिकारियों को प्रशिक्षण देता है। संस्थान ने इस वर्ष 74,800 प्रशिक्षु दिनों की उत्पादकता के साथ 221 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करके रिकॉर्ड संख्या में 5195 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया है।

संस्थान को इस वर्ष कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के क्षमता निर्माण आयोग द्वारा उत्कृष्ट प्रशिक्षण संस्थान के रूप में मान्यता दी गई है। संस्थान ने सिग्नलिंग एवं दूरसंचार, यातायात और विद्युत धाराओं के सामान्य प्रशिक्षुओं के साथ-साथ इलेक्ट्रिक लोको शेड पर्यवेक्षकों और मैकेनिकल अधिकारियों जैसे प्रशिक्षुओं के नए समूहों के लिए कवच पर प्रशिक्षण शुरू किया है। संस्थान ने 45 कार्यक्रमों के माध्यम से 1014 कर्मियों को कवच पर प्रशिक्षण दिया। संस्थान ने बी.टेक छात्रों के लिए रेलवे सिग्नलिंग और कवच पर खुले ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए 3 विश्वविद्यालयों और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस तकनीक की तैनाती में शामिल वरिष्ठ अधिकारियों के लक्षित वर्गों के लिए कार्यशालाएं और अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम और इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्रोफेसरों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम क्षमता निर्माण उपायों के रूप में आयोजित किए गए थे। संस्थान में स्थापित उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) ने तकनीकी सलाह जारी करने और सकल-रूट कर्मियों को साइट पर प्रशिक्षण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एस.के. श्रीवास्तव ने इस वर्ष कम समय में 877 मुख्य लोको निरीक्षकों के लिए रेलवे सिग्नलिंग और कवच पर 11 विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए संस्थान की त्वरित कार्रवाई पर प्रकाश डाला। संस्थान ने इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, डिजिटल एक्सल काउंटर का उपयोग करके स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग, आईपी-एमपीएलएस (इंटरनेट प्रोटोकॉल- मल्टी प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग), एलटीई (लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन) मोबाइल वायरलेस ब्रॉडबैंड संचार प्रौद्योगिकी और ओपन सोर्स एस्टरिस्क आधारित वीओआईपी (वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल) एक्सचेंज जैसी नई तकनीकों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर जोर दिया।

संस्थान ने उपकरणों के रखरखाव और समस्या निवारण और डिजाइन संशोधनों पर पाठ्यक्रम संचालित किए हैं। संस्थान रेलवे प्रौद्योगिकियों पर बुनियादी ढांचे के निर्माण से जुड़े निजी उद्योग के अधिकारियों के प्रशिक्षण को भी प्रोत्साहित करता है। संस्थान ने संगठन में प्रौद्योगिकी उन्नयन के लिए उपयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को संशोधित किया है और उपयुक्त शिक्षण संसाधन तैयार किए हैं। संस्थान ने वर्ष के दौरान आईआईटी मद्रास के सहयोग से 5जी टेस्ट बेड की स्थापना की है।

संस्थान ने व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए आईपीएमपीएलएस और एलटीई प्रौद्योगिकियों पर प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं। इस अवसर पर मुख्य भाषण देते हुए, आईआईटी मद्रास के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डॉ. राधा कृष्ण गंटी ने क्षमता बढ़ाने के लिए रेलवे सिग्नलिंग तकनीकों में इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। स्वदेशी दूरसंचार मानकों, 5जी प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और सरकारी समर्थन के विकास की कहानी बताते हुए, डॉ. राधा कृष्ण ने एसएंडटी इंजीनियरों को मानकों और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की दिशा में काम करने की वकालत की। उन्होंने उल्लेख किया कि समस्याओं की जटिलताएं चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं, लेकिन लोगों को शामिल करना और समाधानों पर काम करने वाले विभिन्न समूहों के बीच तालमेल लाना देश के लिए उपयोगी परिणाम देगा।

उन्होंने संगठन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए स्टार्टअप के साथ काम करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। डॉ. राधा कृष्ण ने इरिसेट को नई पीढ़ियों के लिए सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए एआई प्रौद्योगिकियों और चैटजीपीटी का उपयोग करने की सलाह दी।

नोटिस देने के बाद भी अवैध निर्माण कब्जा नहीं हटाया

कुमरमभीम आसिफाबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरमभीम आसिफाबाद जिला केंद्र में अवैध निर्माण चल रहा है। आरोप है कि इन घरों का निर्माण आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र के एक कांग्रेस नेता की मदद से अवैध रूप से किया जा रहा है। आसिफाबाद आरडीओ लोकेश्वर राव के नेतृत्व में राजस्व अधिकारियों ने हाल ही में आसिफाबाद के जिला केंद्र में टीआर नगर में कब्जा किए गए नाले के अतिक्रमण को हटा दिया। वहीं, वंगाला साशी, सरोजना, जिन्होंने बीडीपीपी सरकारी जमीन पर अवैध घरों का निर्माण शुरू किया है।

वड्डेपल्ली हरीश को अवैध निर्माण कब्जा घरों को हटाने के लिए 15 दिनों का नोटिस जारी किया। और कहा कि यदि अवैध निर्माण कब्जा नहीं हटाया गया तो राजस्व अधिकारियों ने नोटिस जारी किया कि वे उन्हें जेसीबी से ध्वस्त कर देंगे। दूसरी ओर जिन लोगों को नोटिस मिला है, वे लोग राजस्व अधिकारियों के नोटिस पर ध्यान दिये बगैर मनमर्जी से मकान निर्माण का कार्य कर रहे हैं।

राज्य में साइबर धोखाधडी के समूल उन्मूलन हेतु

देश की अग्रणी बैंक एसबीआई द्वारा पूरे तेलंगाना में साइबर धोखाधडी संबंधित जागरूकता अभियान संचालित

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में साइबर धोखाधडी के समूल उन्मूलन हेतु देश की अग्रणी बैंक एसबीआई द्वारा पूरे तेलंगाना में साइबर धोखाधडी संबंधित जागरूकता अभियान का संचालन किया।

इस संदर्भ में, स्टेट बैंक आफ इण्डिया (एसबीआई) के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, आम लोगों में साइबर धोखाधडी के प्रति जागरूकता अभियान के तहत एसबीआई बैंक ने पूरे तेलंगाना राज्य के बगीचों या पार्कों, रेलवे स्टेशनों, इंडूर स्टेडियम्स, रिटेल आउटलेट्स, पंचायत कार्यालयों, विद्यालयों सहित पेन्शनर्स एसोसिएशनों आदि स्थानों पर साइबर धोखाधडी से बचने हेतु अभियान चलाया।

तत्संबंधित जागरूकता अभियान के तहत पूरे तेलंगाना राज्य के सौ स्थानों से बैंक के एक हजार से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया। जिसमें तत्संबंधित बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों ने आगे बताया कि, साइबर धोखेबाजों से आम जनता की गाढी कमाई की सुरक्षा के लिए, एसबीआई बैंक द्वारा उपरोक्त सबसे बडे जागरूकता अभियान को, जनहित में संचालित किया गया है।

जिसमें संबंधित अधिकारियों ने यह भी बताया कि, यह खुशी की बात है कि, उपरोक्त अभियान में तेलंगाना राज्य के सभी क्षेत्रों की आम जनता ने भारी संख्या में भाग लिया है। इस जागरूकता अभियान के तहत राज्य में साइबर धोखाधडी, फ्राड काल्स तथा बचकाने मेसेजेस की आधिक्यता के चलते भारी संख्या के लोगों द्वारा बैंक द्वारा संचालित की जा रही जागरूकता अभियान की काफी सराहना की जा रही है। इस अभियान के तहत विभिन्न आडियों एण्ड वीडिया क्लिप्स सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात संबोधन में डिजीटल एरेस्ट स्कैम्स या डिजीटल धोखाधडी से जुडे वीडियो का भी प्रदर्शन किया गया। इसके चलते कई ग्राहकों ने फ्राडुलेन्ट लिन्क्स से संबंधित फ्राड काल्स व टेक्स्ट्स से जुडे स्वयं के अनुभव को आम जनता को अवगत किया।

सिद्धमुखी विनायक सूर्यमुखी हनुमान मंदिर मीर आलम पार्क में अन्नकूट प्रसाद का वितरण किया गया। जिसका श्रद्धालुओं ने लाभ लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कोहली का 30वां टेस्ट शतक डॉन ब्रैडमैन से आगे निकले

भारत की दूसरी पारी 487/6 पर घोषित, ऑस्ट्रेलिया को 534 रन का टारगेट

पर्थ, 24 नवंबर (एजेंसियां)। विराट कोहली ने टेस्ट करियर का 30वां शतक जमा दिया है। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले मुकाबले की दूसरी पारी में नाबाद 100 रन की पारी खेली। वे सबसे ज्यादा टेस्ट शतक के मामले में ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैंडमैन (29 शतक) से आगे निकल गए हैं। कोहली और यशस्वी जायसवाल (161 रन) के शतकों के दम पर भारत ने अपनी पारी 487/6 पर घोषित की। इससे ऑस्ट्रेलिया को 534 रन का टारगेट मिला।

रन चेज में ऑस्ट्रेलिया ने स्टंप्स तक 12 रन पर 3 विकेट गंवा दिए हैं। उस्मान ख्वाजा 3 रन पर नाबाद है, जबकि मार्नस लाबुशेन 3, कप्तान पैट कमिंस 2 और नाथन मैकस्वीनी बिना खाता खोले पवेलियन लौट चुके हैं। जसप्रीत बुमराह ने 2 और मोहम्मद सिराज ने एक विकेट लिया।

भारतीय पारी में जायसवाल-कोहली के अलावा, नीतीश रेड्डी 38 रन बनाकर नाबाद लौटे है। वॉशिंगटन सुंदर 29 रन, देवदत्त पडिक्कल 25 रन और केएल राहुल ने 77 रन बनाए। नाथन लायन को 2 विकेट मिले। टीम इंडिया ने सुबह 172 रन के स्कोर से खेलना शुरू किया। जायसवाल ने 90 और केएल राहुल ने 62 रन से अपनी-अपनी पारी को आगे बढ़ाया। ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 104 रन पर ऑलआउट हो गई थी। इस तरह भारत को पहली पारी के बाद 46 रन की बढ़त मिली थी। भारतीय टीम ने पहली पारी में 150 रन बनाए थे।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारतः जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, नीतीश रेड्डी, हर्षित राणा और मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलियाः पैट कमिंस (कप्तान), नाथन मैकस्वीनी, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लायन।

ऋषभ पंत को लखनऊ ने 27 करोड़ की बोली लगाकर खरीदा, श्रेयस को पंजाब ने 26.75 करोड़ दिए

जेद्दा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे क्रिकेटर बन गए हैं। सऊदी अरब के जेद्दाह में चल रहे मेगा ऑक्शन में लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें 27 करोड़ रुपए में खरीदा। इसी ऑक्शन में आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी श्रेयस अय्यर बने। उन्हें पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ की बोली लगाकर उन्हें खरीदा। इस ऑक्शन में बिकने वाले पहले कप्तान हैं। ऋषभ पंत पर बोली लग रही है। केएल राहुल पर बोली लगना अभी बाकी है।

पंत अब लखनऊ के लिए खेलेंगे

भारतीय विकेटकीपर बैट्समैन ऋषभ पंत को लखनऊ ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा। इसके साथ ही वे आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे प्लेयर बन गए हैं। पंत से पहले अय्यर को पंजाब ने 26.75 करोड़ रुपए में खरीदा है। पंत के लिए शुरुआत में लखनऊ और बैंगलुरु ने बोली लगाई। 11.75 करोड़ रुपए के बाद में सनराइजर्स हैदराबाद ने एंट्री की, लेकिन आखिरी बोली लखनऊ ने 20.75 करोड़ रुपए की लगाई। इसके बाद दिल्ली से अपना आरटीएम कार्ड यूज किया, जिसके बाद ऑक्शनर ने लखनऊ से उनकी फाइनल बिड पूछी, जिसपर टीम ने सबसे बड़ी बोली लगाकर उन्हें अपनी टीम में शामिल किया।पंत को 2020 में दिल्ली ने अपना कप्तान बनाया था। इसके बाद अगले साल कार एक्सीडेंट हो जाने की वजह से वे टीम से बाहर हो गए थे। 2024 में वापसी करते हुए पंत ने दोबारा दिल्ली की कप्तानी की थी। उन्होंने 13 मैचों में 446 रन बनाए थे, जिसमें 3 फिफ्टी शामिल थीं।

110 करोड़ में बिके शुरुआती 6 खिलाड़ी

पहले सेट में 6 खिलाड़ियों पर बोली लगी। 4 टीमों ने इन प्लेयर्स पर 110 करोड़ रुपए खर्च कर दिए। लखनऊ सुपरजायंट्स ने 27 करोड़ में ऋषभ पंत और पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपए में श्रेयस अय्यर को खरीदा। अर्शदीप सिंह 18 करोड़, जोस बटलर 15.75 करोड़, मिचेल स्टार्क 11.75 और कगिसो रबाडा 10.75 करोड़ रुपए में बिके।

स्टार्क को दिल्ली ने 11.75 करोड़ में खरीदा

ऑस्ट्रेलियन पेसर मिचेल स्टार्क को दिल्ली कैपिटल्स ने 11.75 करोड़ रुपए में खरीदा। स्टार्क पिछली बार हुए मिनी ऑक्शन में IPL इतिहास के सबसे महंगे प्लेयर बने थे, उन्हें कोलकाता ने 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। स्टार्क पिछले सीजन कोलकाता के लिए खेले थे, उन्होंने 14 मैचों में 17 विकेट लिए थे।

जोस बटलर अब गुजरात में, 15.75 में खरीदा

मार्की लिस्ट में नंबर-1 प्लेयर जॉस बटलर को गुजरात टाइटंस ने 15.75 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए था। इंग्लैंड के व्हाइट बॉल कैप्टन जॉस पिछले सीजन में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेले थे। उन्होंने 2024 के 11 मैचों में 359 रन बनाए थे, इसमें 2 शतक शामिल थे।

मार्की लिस्ट से तीसरे कैप्ड प्लेयर श्रेयस अय्यर को पंजाब ने 26.75 करोड़ रुपए में खरीदा उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए था। अय्यर से पहले ऑस्ट्रेलियन पेसर मिचेल स्टार्क को पिछले मिनी ऑक्शन में कोलकाता ने 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। अय्यर ने एक दिन पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई से खेलते हुए गोवा के खिलाफ 57 बॉल में नाबाद 130 रन बनाए थे। अय्यर पिछले साल कोलकाता के लिए खेले थे और उन्होंने टीम की कप्तानी कर IPL-15 का टाइटल भी जिताया था।

कगीसो रबाडा गुजरात टीम में, 10.76 करोड़ मिले

मार्की लिस्ट से दूसरे कैप्ड प्लेयर्स कगिसो रबाडा को गुजरात ने 10.76 करोड़ रुपए में खरीदा। कगिसो पहले पंजाब के लिए खेलते थे।

रोहित ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना

दूसरे टेस्ट में टीम का हिस्सा होंगे

पहले टेस्ट से ब्रेक लिया था

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। कप्तान रोहित शर्मा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना हो गए हैं। मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। रोहित ने 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले से ब्रेक लिया था।

रोहित की गैरमौजूदगी में पहले टेस्ट में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टीम की कमान संभाली। वहीं केएल राहुल ओपनिंग का जिम्मा संभाले। रोहित दूसरे टेस्ट में टीम का हिस्सा होंगे।

रोहित के अलावा बाकी भारतीय टीम 10-11 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुई थी। रोहित ने बीसीसीआई और सिलेक्शन कमेटी को पहले ही बता दिया था कि वे पर्थ टेस्ट को मिस कर सकते हैं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट कल से शुरू होगा। दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होगा, जो डे-नाइट मैच है।

दूसरी बार पिता बने रोहित

टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित दूसरी बार पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी रितिका सजदेह ने 15 नवंबर को देर रात बेटे को जन्म दिया। रोहित ने अपने बच्चे के जन्म के लिए टीम इंडिया से ब्रेक लिया था।

2015 में की थी शादी

रोहित ने 13 दिसंबर 2015 को रितिका सजदेह से शादी की थी। 30 दिसंबर 2018 को रितिका ने बेटी समायरा को जन्म दिया। समायरा अब 5 साल की हो चुकी है।

ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट खेलेगी टीम इंडिया

टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया में 32 साल बाद 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने गई है। सीरीज का पहला मैच 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा, टीम फिर 6 दिसंबर से एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट खेलेगी।

सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को ऑस्ट्रेलिया में 4 टेस्ट जीतने ही होंगे।

गुकेश के पास होगा सबसे युवा विश्व चैंपियन बनने का मौका

लिरेन से मिलेगी चुनौती

सिंगापुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश सोमवार से होने वाले विश्व शतरंज चैंपियनशिप के लिए तैयार हैं और उनकी नजरें इस दौरान इतिहास रचने पर टिकी होंगी। विश्व चैंपियनशिप में गुकेश का सामना चीन के गत चैंपियन डिंग लिरेन से है। इसमें कोई संदेह गुकेश का पलड़ा लिरेन पर भारी है, लेकिन शीर्ष खिलाड़ियों का मानना है कि चीन के इस अनुभवी खिलाड़ी को कम आंकना चूक हो सकती है।

विश्व चैंपियनशिप में सोमवार से शुरू हो रहे पहले मैच के साथ ही खिलाड़ियों को अधिकतम 14 क्लासिकल मुकाबले खेलने हैं और पहले 7.5 अंक हासिल करने वाला खिलाड़ी चैंपियनशिप जीतेगा। मुकाबला टाई रहने पर कम अवधि के मैच के जरिये विजेता का फैसला होगा। अतीत में हमेशा गत चैंपियन को चैलेंजर पर तरजीह मिलती आई है, लेकिन गुकेश और लिरेन के मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए 18 वर्ष के गुकेश का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। वह सबसे युवा चैलेंजर हैं और उनके पास सबसे युवा विश्व चैंपियन बनने का मौका है।

लिरेन 2023 में खिताब जीतने के बाद से लगातार औसत प्रदर्शन के बाद विश्व रैंकिंग में खिसककर 23वें स्थान पर आ गए। दूसरी ओर, गुकेश विश्व रैंकिंग में पांचवें नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने अप्रैल में कैंडिडेट्स खिताब जीतकर लिरेन के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप मुकाबला खेलने की पात्रता हासिल की। लिरेन मानसिक स्वास्थ्य मसलों को लेकर अवसाद में रहे और 2023 में कई टूर्नामेंट नहीं खेल पाए। वह 2024 में लौटे और कुछ समय पहले स्वीकार भी किया कि वह विश्व चैंपियनशिप मुकाबला हार सकते हैं।

विश्व चैंपियनशिप मुकाबला मानसिक दृढ़ता की भी कसौटी है और लिरेन का इसमें कोई सानी नहीं। उन्होंने पिछले साल रूस के दिग्गज इयान नेपोम्नियाश्चि को हराया था जबकि गुकेश के पास बड़े मुकाबलों का उतना अनुभव नहीं है। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी का मानना है कि गुकेश इस मुकाबले में लिरेन को हरा सकते हैं, लेकिन दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन का मानना है कि लिरेन की चुनौती को कमतर नहीं आंका जा सकता।

फाइनल में पहुंचने से चूकी सात्विक-चिराग की जोड़ी

सेमीफाइनल में कोरियाई जोड़ी ने हराया

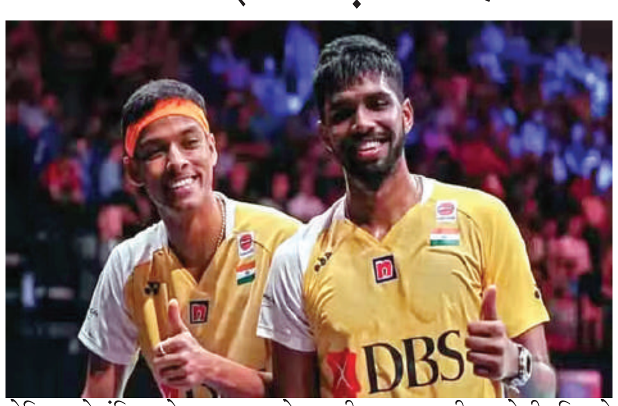

शेनझेन, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कोरिया के जिन योंग और सियो सेउंग जे से तीन गेम में हारकर बाहर हो गई। विश्व नंबर एक रह चुकी भारतीय जोड़ी 74 मिनट तक चले मुकाबले में दबाव बरकरार नहीं रख सकी और गैर वरीय कोरियाई जोड़ी से 18-21, 21-14, 16-21 से हार गई। पेरिस ओलंपिक के बाद अपने पहले टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रही यह भारतीय जोड़ी पिछले चरण के फाइनल में पहुंची थी।

प्रियांश आर्या के शतक से जीती दिल्ली

रिंकू सिंह ने नीलामी से ठीक पहले खेली तूफानी पारी, लेकिन यूपी को मिली हार

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 में ग्रुप सी के मुकाबले में दिल्ली की टीम ने उत्तर प्रदेश (यूपी) को 47 रन से हराने में सफलता हासिल की। दिल्ली के लिए इस मैच में प्रियांश आर्या का प्रदर्शन कमाल का रहा जिन्होंने शतक लगाया। यूपी के लिए रिंकू सिंह ने जरूर बेहतरीन पारी खेली, लेकिन वो टीम को जीत का स्वाद नहीं चखा पाए।

इस मैच में यूपी ने टॉस जीता और दिल्ली को पहले बल्लेबाजी करने को कहा। इसके बाद दिल्ली ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 233 रन बनाए और यूपी को जीत के लिए 234 रन का बड़ा टारगेट मिला। यूपी ने दूसरी पारी में 20 ओवर में 8 विकेट पर 186 रन बनाए और इस टीम को हार मिली।

प्रियांश आर्या ने लगाया शतक

दिल्ली की तरफ से इस मैच मे यूपी के खिलाफ ओपनर बल्लेबाज प्रियांश आर्या ने 10 छक्के और 5 चौकों की मदद से 102 रन की पारी खेली और उन्होंने 43 गेंदों का सामना किया। यश ढुल ने इस मैच में 6 रन बनाए जबकि कप्तान आयुष बदोनी ने 26 रन की पारी खेली। इसके बाद हिम्मत सिंह ने 6 छक्के और 4 चौकों की मदद से 34 गेंदों पर नाबाद 77 रन की पारी खेली। यूपी की तरफ से कप्तान भुवनेश्वर कुमार और नितीश राणा को एक-एक सफलता मिली।

रिंकू और नितीश राणा ने लगाए अर्धशतक

दिल्ली ने यूपी को जीत के लिए बड़ा टारगेट दिया था। इस टीम के शुरुआती 3 विकेट 34 रन पर ही गिर गए तो इसके बाद नितीश राणा और रिंकू सिंह ने पारी को संभाला। नितीश राणा ने 2 छक्के और 7 चौकों की मदद से 42 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली जबकि रिंकू सिंह ने 4 छक्के और 8 चौकों की मदद से 38 गेंदों पर तूफानी 70 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। दिल्ली के लिए इशांत शर्मा, सिमरजीत सिंह और प्रिंस यादव ने 2-2 विकेट लिए।

मैक्स वेरस्टापेन ने चौथी बार एफ-1 विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीता, बना दिया खास रिकॉर्ड

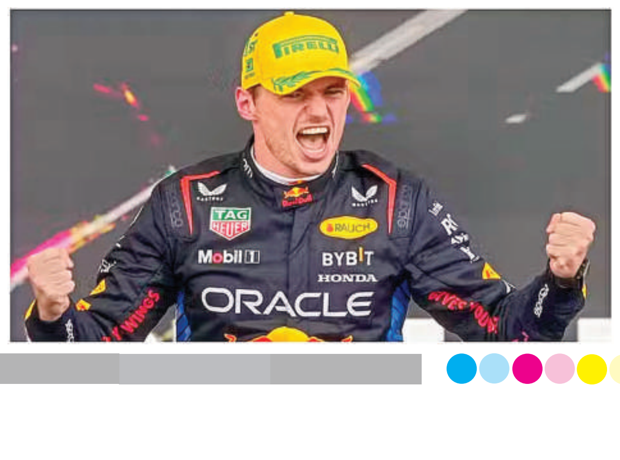

लास वेगास, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मैक्स वेरस्टापेन फॉर्मूला वन के इतिहास में चार विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतने वाले सिर्फ छठे रेसर बन गए हैं। उन्होंने रविवार को लास वेगास ग्रां प्री में पांचवें स्थान पर रहकर प्रतिद्वंद्वी लैंडो नोरिस को विश्व खिताब जीतने से वंचित कर दिया। वेरस्टापेन अब जुआन मैनुअल फैंगियो (पांच खिताब), एलेन प्रोस्ट (चार), माइकल शूमाकर (सात), सेबेस्टियन वेटेल (चार) और लुईस हैमिल्टन (सात) की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वेरस्टापेन ने तीन हफ्ते पहले ब्राजील में ग्रिड पर जीत हासिल करके 10-रेस के जीत के सूखे को समाप्त कर दिया था और यह सुनिश्चित किया था कि उनका खिताब बचा रहे।

मोहम्मद शमी इंजेक्शन लगवाकर खेला था वर्ल्ड कप

दांव पर था करियर, अब मोटी रकम में सनराइजर्स टीम ने खरीदा

हैदराबाद, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को सनराइजर्स हैदराबाद ने 10 करोड़ रुपये की मोटी रकम देकर अपने साथ जोड़ा। दो करोड़ के बेस प्राइस वाले शमी ने गुजरात टाइटंस को उसके पहले ही सीजन में आईपीएल चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

जेद्दाः भारत के स्टार गेंदबाज मोहम्मद शमी अब गुजरात टाइटंस नहीं बल्कि सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलेंगे। 34 वर्षीय दाएं हाथ के बल्लेबाज को काव्या मारन ने 10 करोड़ रुपये में खरीदा। मार्की सेट नंबर 2 की शुरुआत मोहम्मद शमी से हुई। 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस वाले प्लेयर पर पहली बोली केकेआर ने लगाई। जल्द ही सीएसके भी दौड़ में शामिल हो गई, लेकिन आखिरी लड़ाई लखनऊ सुपरजायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुई। हैदराबाद ने सबसे बड़ी 10 करोड़ की बोली लगाई। गुजरात टाइटंस के पास आरटीएम का विकल्प उपलब्ध था, लेकिन उन्होंने इसका इस्तेमाल नहीं किया।

भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज ने अपना पहला मैच 2013 में खेला था। पहले सीजन में उन्हें सिर्फ तीन मैच खेलने का मौका मिला, जिसमें महज एक विकेट ही हाथ आया था। ओवरऑल करियर की बात करें तो शमी के नाम 110 मैच में 127 विकेट हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11 रन देकर चार विकेट है। उन्होंने 2019, 2020, 2021, 2022 और 2023 में क्रमशः 19, 20, 19, 20 और 28 विकेट झटके हैं।

दम्पति ने विकाराबाद में की आत्महत्या

वित्तीय ऋण वहन करने में थे असमर्थ

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के यालाल मंडल में शनिवार रात एक दंपत्ति ने आर्थिक तंगी के कारण अपने घर में आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, यदप्पा (42) और उनकी पत्नी ज्योति (38) विकाराबाद जिले के यालाल मंडल के नागसमुंदर गांव में रहते थे। दोनों खेतिहर मजदूर के तौर पर काम करते थे। शनिवार रात दोनों ने अपने घर में जहरीला पदार्थ खा लिया और रविवार सुबह ग्रामीणों ने दोनों को मृत पाया।

यदप्पा और ज्योति के परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि दंपत्ति आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे और उन्हें कर्ज चुकाना था।

संकट से निपटने में असमर्थ होने के कारण उन्होंने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने घर का दौरा किया और पूछताछ के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय सरकारी अस्पताल भेज दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

राज्यपाल ने मेगा मेडिकल स्क्रीनिंग कैंप का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल, जिष्णु देव वर्मा ने राजभवन कर्मचारियों और उनके परिवारों के लाभ के लिए एक मेगा मेडिकल स्क्रीनिंग कैंप का उद्घाटन किया। रविवार को राजभवन सामुदायिक हॉल में कलोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (केएनआरयूएचएस) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) सेल के सहयोग से आयोजित किया गया था।

सभी के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवा के माननीय राज्यपाल के दृष्टिकोण से प्रेरित इस पहल ने व्यापक चिकित्सा जांच प्रदान करने के लिए एलोपैथी, आयुर्वेद, दंत चिकित्सा और पैरामेडिकल टीमों के विशेषज्ञ डॉक्टरों को एक साथ लाया। राज्यपाल ने नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व पर जोर दिया और राजभवन परिवार के सदस्यों के साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत की, जो उनकी भलाई के लिए उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रतिभागियों ने शिविर के आयोजन के लिए राज्यपाल के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिसमें राजभवन समुदाय के स्वास्थ्य और कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए निःशुल्क चिकित्सा परामर्श और दवाएं प्रदान की गईं। शिविर के दौरान केएनआरयूएचएस के डॉक्टरों, तकनीशियनों और पैरामेडिकल स्टाफ की एक समर्पित टीम ने अपनी सेवाएं दीं। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव बी. वेंकटेशम, राज्यपाल के संयुक्त सचिव जे. भवानी शंकर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

टीटीडी कार्तिक दीपोत्सव का आयोजन करेगा

तिरुपति, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) 25 नवंबर को शाम 5 बजे से 8 बजे तक विशाखापट्टनम में एमवीपी कॉलोनी में स्थित टीटीडी कल्याण मंडपम में शुभ कार्तिक दीपोत्सव का आयोजन करने जा रहा है।

भक्त इस दिव्य आयोजन में भाग लेंगे और श्री वेंकटेश्वर स्वामी का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

इस आयोजन के तहत श्रीवरु की पंचधातु मूर्तियों की पूजा की जाएगी, जिसमें टीटीडी के पुजारी पारंपरिक वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा और अनुष्ठान करेंगे। टीटीडी के हिंदू धर्म प्रचार परिषद (एचडीपीपी) विंग के तत्वावधान में आयोजित इस दीपोत्सव में टीटीडी के वरिष्ठ अधिकारी भी भाग लेंगे।

सर्वेक्षण डेटा की प्रविष्टि के दौरान सभी एहतियाती उपाय करें : भट्टी

डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि व्यापक घरेलू सर्वेक्षण अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है, इसलिए अधिकारियों को सावधान रहना चाहिए और सर्वेक्षण डेटा की प्रविष्टि के दौरान सभी एहतियाती उपाय करने चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने रविवार को झारखंड की राजधानी रांची से जिला कलेक्टरों के साथ व्यापक घरेलू सर्वेक्षण पर एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की। इस अवसर पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वेक्षण डेटा प्रविष्टि में गुणवत्ता बहुत महत्वपूर्ण है और सरकार ने इस मामले पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने निर्देश दिया, सर्वेक्षण चरण के दौरान, शहरी क्षेत्रों में दरवाजे

के ताले और घर पर अनुपलब्धता जैसी कुछ समस्याएं उत्पन्न हुईं। फिर, लोगों को कॉल करके और उन्हें सर्वेक्षण के बारे में सूचित करके और उन्हें उपलब्ध होने के लिए कहकर विवरण को नियमित किया जा सकता है। भट्टी ने आगे कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पलायन करने वालों का ब्यौरा सावधानीपूर्वक नियमित किया जाना चाहिए। भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि कुछ छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों में खाद्य विषाक्तता के मामले सामने आ रहे हैं, इसलिए अधिकारियों को भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उचित कार्रवाई करनी चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि राज्य सरकार ने छात्रावासों में खाद्य विषाक्तता जैसी समस्याओं को रोकने के लिए मेस और सौंदर्य प्रसाधन शुल्क में वृद्धि की है। भट्टी ने कहा, आने वाले दिनों में खाद्य विषाक्तता और अस्वास्थ्यकर स्थितियों जैसी समस्याओं को रोकने के लिए कार्य योजना तैयार करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी।

नशेड़ी ने की पुलिस पर हमला करने की कोशिश

हैदराबाद, 24 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात चंपापेट में नशे में धुत एक व्यक्ति ने ड्रंक एंड ड्राइव चेकिंग के दौरान यातायात पुलिस अधिकारियों पर हमला करने का प्रयास किया। जब वह व्यक्ति स्कूटर चला रहा था, तभी मिरचौक पुलिस की टीम ने उसे चंपापेट में रोका। ब्रीथलाइजर टेस्ट से पता चला कि वह शराब के नशे में था।

जब पुलिस ने वाहन को जब्त करने की कोशिश की तो वह व्यक्ति आक्रामक हो गया और सड़क पर हंगामा करने लगा। एक समय तो उसने पत्थर उठाकर पुलिसकर्मियों पर हमला करने की कोशिश की। उसने वाहन को आग लगाने की भी कोशिश की। ट्रैफिक पुलिस ने आखिरकार गाड़ी को जब्त कर लिया और उसे थाने ले गई। शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में उस व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

आज महबूबाबाद में बीआरएस का महाधरना

पुलिस ने नहीं दी थी अनुमति, अदालत ने किया हस्तक्षेप

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस सोमवार को महबूबाबाद में महाधरना आयोजित करने जा रही है। इस प्रदर्शन का उद्देश्य मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के कोडंगल विधानसभा क्षेत्र के लागाचेरला गांव के निवासियों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता की पृष्ठभूमि में आदिवासी, दलित और गरीब किसानों पर कांग्रेस सरकार के अत्याचार को उजागर करना है। राज्य सरकार की भूमि अधिग्रहण नीतियों, खास तौर पर निजी फार्मा कंपनियों के लिए विरोध कर रहे बीआरएस नेतृत्व ने आदिवासी और दलित किसानों के साथ एकजुटता का आह्वान किया है।

विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य प्रभावित ग्रामीणों के लिए न्याय की मांग करना और सरकारी लापरवाही और पुलिस की बर्बरता के व्यापक मुद्दों को संबोधित करना है। शुरू में 21 नवंबर के लिए निर्धारित इस विरोध प्रदर्शन को पुलिस ने अनुमति नहीं दी थी।

इसके जवाब में, महबूबाबाद में बीआरएस के युवा अध्यक्ष येल्ला मुरलीधर रेड्डी ने अदालत से हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने तर्क दिया कि विकाराबाद पुलिस ने महिलाओं, बच्चों और अनुसूचित जाति और जनजाति के सदस्यों सहित लागाचेरला के ग्रामीणों पर क्रूरतापूर्वक हमला किया था।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने महबूबाबाद के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) को बीआरएस को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति देने का निर्देश दिया। न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं के अधिकारों को स्वीकार किया और प्रदर्शन के लिए सशर्त अनुमति दी। धरने में भाग लेने वालों की संख्या 1,000 लोगों तक सीमित है। महबूबाबाद के धरना चौक पर सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक विरोध प्रदर्शन की अनुमति है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव प्रभावित समुदायों के साथ एकजुटता दिखाते हुए विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने इस विरोध प्रदर्शन के महत्व पर जोर दिया, राज्य बनने से पहले के दिनों से समानताएं बताईं और लोगों से राष्ट्रीय दलों, भाजपा और कांग्रेस को सबक सिखाने का आग्रह किया।

बी शंकर नाइक, मलोथ कविता, रेड्या नाइक और सत्यवती राठौड़ समेत बीआरएस के अन्य प्रमुख नेता भी महाधरना में भाग लेंगे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और वफादारों से अपील की कि वे सुनिश्चित करें कि विरोध शांतिपूर्ण रहे।

भाकपा नेता नारायण ने घोटाले की जांच कराने की मांग की

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राष्ट्रीय सचिव के. नारायण ने आज कहा कि भारत के कॉरपोरेट दिग्गज गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिका के न्यूयॉर्क की एक अदालत में रिश्वतखोरी का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने आंध्र प्रदेश सरकार से अणानी द्वारा राज्य में किए गए घोटाले की विस्तृत जांच कराने और दोषियों को दंडित करने की मांग की। एक बयान में उन्होंने कहा कि अणानी घोटाला राजनीतिक और आर्थिक भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है। भ्रष्टाचार की जड़ अणानी है, लेकिन इसका शिकार आंध्र प्रदेश के लोग हैं। भारत के विपरीत अमेरिका में मामलों को बिना देरी के जल्दी पूरा किया जाता है। अणानी के भ्रष्टाचार ने आंध्र प्रदेश में राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। इसकी आंच पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी पर पड़ी और दिल्ली तक फैल गई। अणानी को पीएम मोदी का दाहिना कंधा माना जाता है। अमेरिका में अणानी के खिलाफ दर्ज मामला आंध्र प्रदेश से लेकर पूरे भारत में हलचल पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर पीएम मोदी इस मामले में बाधा नहीं बनेंगे तो उनकी छवि साफ हो जाएगी। अमेरिकी सरकार और पीएम मोदी के लिए इस भ्रष्टाचार के मामले को खत्म करने की कोशिश करना सही नहीं है। इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए बड़े पैमाने पर जन आंदोलन की जरूरत है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या अमेरिका आंध्र प्रदेश में राजनीतिक और आर्थिक भ्रष्टाचार की जड़ है? उन्होंने कहा, यह आश्चर्यजनक है कि भ्रष्टाचार का मतलब अमेरिका से आंध्र प्रदेश तक है। क्या आंध्र प्रदेश के लोगों को सिर्फ 1,750 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के लिए 1 लाख करोड़ रुपये की कीमत चुकानी चाहिए? क्या पीएम मोदी के पास उद्योगपति अदाणी को दंडित करने की शक्ति है? अगर उन्हें दंडित किया जाता है, तो मोदी का पतन तय है। आरोप है कि पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी इस तरह के भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं जो इसका समर्थन करते दिख रहे हैं।

बीआरएस दीक्षा दिवस 29 नवंबर को

मेडचल में लगेगी तेलुगु तल्ली की मूर्ति

हैदराबाद, 24 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में दमनकारी कांग्रेस शासन के चंगुल से 4 करोड़ तेलंगानावासियों को मुक्त कराने का आह्वान करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने रविवार को राज्य की प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करने और इसे फिर से पटरी पर लाने के लिए एक और संकल्प दीक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। तेलंगाना भवन में पार्टी नेताओं के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने घोषणा की कि राज्य में 29 नवंबर को दीक्षा दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। यह दिन 2009 में के. चंद्रशेखर राव द्वारा शुरू की गई महत्वपूर्ण भूख हड़ताल की वर्षगांठ है, जिसने तेलंगाना को राज्य का दर्जा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राज्य के सामने आज मौजूद चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने राज्य आंदोलन की विरासत को संरक्षित करने के लिए अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में भाग लेने और दीक्षा दिवस को व्यापक रूप से सफल बनाने की अपील की। उन्होंने घोषणा की कि दीक्षा दिवस तेलंगाना के सभी 33 जिलों में आयोजित किया जाएगा। आगामी कार्यक्रम को पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक और संकल्प दीक्षा बताते हुए उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेताओं को प्रत्येक जिले का प्रभारी नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए 26 नवंबर को जिला स्तरीय तैयारी बैठकें आयोजित की जाएंगी।

प्रतिमा का अनावरण 9 दिसंबर को

हैदराबाद, 24 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु तल्ली का अनावरण 9 दिसंबर को मेडचल में किया जाएगा, जो दीक्षा दिवस समारोह के समापन का प्रतीक होगा और साथ ही निम्स अस्पताल के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा, जो राज्य के दर्जे की लड़ाई के अंतिम चरण के दौरान केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करता था। बीआरएस निम्स में इसके हिस्से के रूप में बड़े पैमाने पर 'अन्न दानम' (गरीबों को भोजन) और अन्य स्मारक गतिविधियों का आयोजन करेगा, जो राज्य के दर्जे की लड़ाई की भावना का जश्न मनाएगा। रामा राव ने राष्ट्रीय पार्टियों, भाजपा और कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि राज्य की मौजूदा स्थिति राज्य बनने से पहले के दिनों की भयावह याद दिलाती है।

एनटीपीसी रामागुंडम ने जीते चार पुरस्कार

पेड्डापल्ली, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम, रामागुंडम ने 9वें एपेक्स इंडिया एचआर और सुरक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार-2024 में चार पुरस्कार जीते। एनटीपीसी ने प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता में प्लेटिनम पुरस्कार जीता, जबकि ताप विद्युत क्षेत्र श्रेणी में मानव संसाधन उत्कृष्टता, प्रशिक्षण उत्कृष्टता और व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा में स्वर्ण पदक जीता। एनटीपीसी के अधिकारियों को शनिवार को गोवा में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कार प्राप्त हुए।

बीआरएस ने एनआरआई यूके सेल के लिए बनाई नई समिति

नवीन रेड्डी नियुक्त किए गए अध्यक्ष

हैदराबाद, 24 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने रविवार को नवीन रेड्डी को पार्टी की एनआरआई यूके कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया। बीआरएस पार्टी के एनआरआई समन्वयक महेश बिगाला ने एनआरआई बीआरएस के संस्थापक अध्यक्ष अनिल कुर्माचलम के साथ मिलकर नए अध्यक्ष और सेल की कमेटी की नियुक्ति की घोषणा की।

नेताओं ने नए समिति सदस्यों को बधाई दी और उनसे बीआरएस के एनआरआई सेल के अच्छे काम को जारी रखने की अपील की। बिगाला और कुर्माचलम ने सेल से एक बौद्धिक समूह के रूप में सोशल मीडिया पर अधिक सक्रिय होने और बीआरएस द्वारा शुरू की गई प्रत्येक गतिविधि में भाग लेने के लिए कहा।

महेश बिगाला ने पार्टी में योगदान के लिए मौजूदा बीआरएस एनआरआई यूके अध्यक्ष अशोक कुमार गौड़ दुसारी की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि अशोक के छह साल के कार्यकाल के दौरान बीआरएस ने पार्टी और केसीआर के नेतृत्व को मजबूत करने के लिए कई कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित कीं।

ऐतिहासिक तेलंगाना आंदोलन में एनआरआई सेल के योगदान को याद करते हुए बिगाला ने कहा कि बीआरएस पार्टी का पहला एनआरआई चैप्टर 14 साल पहले लंदन में स्थापित किया गया था और तब से उन्होंने तेलंगाना राज्य आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

डिस्कॉम में बिजली उपकरणों की कमी

हैदराबाद, 24 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। नए कनेक्शन मिलने में देरी या मौजूदा औद्योगिक इकाइयों में अतिरिक्त लाइनें लेने की समस्या राज्य संचालित बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के विभिन्न हलकों में एक मुद्दा रही है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि सामग्री की कमी के कारण भी लंबे समय से आवेदनों का ढेर लगा हुआ है। सूत्रों का कहना है कि डिस्कॉम से जुड़े निजी बिजली ठेकेदार महत्वपूर्ण उपकरणों और घटकों की अनुपलब्धता के कारण समय पर काम पूरा नहीं कर पा रहे हैं। पता चला है कि उपभोक्ताओं को डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) का भुगतान करने के बाद कई दिनों और महीनों तक इंतजार करना पड़ता है।

उपभोक्ता निर्माण के चरण में ही विभिन्न उपकरणों और सामग्रियों के लिए आवेदन करता है और डिस्कॉम के इंजीनियर फील्ड स्तर पर जाकर आवश्यक विद्युत पोल, कंडक्टर, इंसुलेटर, इलेक्ट्रिक स्विच, मीटर और अन्य आवश्यक सामग्रियों के लिए अनुमान प्रदान करते हैं। अनुमान तैयार करने के बाद उपभोक्ता डीडी के रूप में डिस्कॉम को भुगतान करता है। वैसे तो सभी विद्युत उपकरण बाजार में उपलब्ध हैं, लेकिन नियमों के अनुसार उपभोक्ता को इन्हें डिस्कॉम स्टोर से खरीदना होगा। आवेदकों को विद्युत उपकरण (सीरियल नंबर के आधार पर) सर्किल, डिवीजन के अनुसार वितरित किए जाने हैं।

उपभोक्ताओं के सामने समस्या यह है कि ये स्टोर उपकरण उपलब्ध कराने में बहुत समय ले रहे हैं, खासकर महत्वपूर्ण उपकरण। निजी बिजली ठेकेदारों की शिकायत है कि जब भी वे डिस्कॉम स्टोर पर जाते हैं, तो उन्हें बताया जाता है कि विशेष उपकरण या स्विच उपलब्ध नहीं हैं और उन्हें कुछ समय तक इंतजार करने के लिए कहा जाता है, जिससे काम पूरा होने में देरी होती है। सूत्रों का कहना है कि उपभोक्ता द्वारा डीडी जमा कराने के बाद एक सप्ताह या दस दिन के भीतर सामग्री की डिलीवरी होनी थी, लेकिन खरीद और सामग्री आपूर्ति विभाग में कार्यरत अधिकारी इंजीनियरों के साथ मिलीभगत कर रहे थे और व्यक्तिगत लाभ के लिए जानबूझकर कृत्रिम कमी पैदा कर रहे थे।

देरी की वजह से ठेकेदारों को परेशानी हो रही थी क्योंकि उपभोक्ता उन पर काम जल्द से जल्द पूरा करने का दबाव बना रहे थे। ट्रांसफार्मर से जुड़े बिजली के कामों में काफी देरी हो रही है क्योंकि ट्रांसफार्मर की आपूर्ति में काफी समय लगता है। कई मामलों में, ठेकेदार समय पर काम पूरा करने के लिए बाजार से कुछ उपकरण खरीद रहे थे।

एक विद्युत ठेकेदार ने कहा कि कुशल आपूर्ति प्रबंधन सफल विद्युत अनुबंध का मूल है। यदि आपको आवश्यक पुर्जे और सामग्री समय पर नहीं मिल पाती है, तो आपको समय पर और बजट के भीतर काम पूरा करने में संघर्ष करना पड़ेगा। देरी से बाजार में हमारी प्रतिष्ठा पर भी असर पड़ रहा है।

इस बीच, बिजली अधिकारियों का दावा है कि स्टोर में सामग्री की कोई कमी नहीं थी और निजी ठेकेदार बेवजह शोर मचा रहे थे। पता चला है कि कुछ वित्तीय लाभ के लिए फील्ड स्टाफ कृत्रिम कमी पैदा कर रहा था और उपभोक्ताओं का शोषण करने की कोशिश कर रहा था। सूत्रों ने बताया कि वे बिजली के उपकरणों की आपूर्ति और मांग के बीच के अंतर का फायदा उठा रहे हैं।

विभागीय परीक्षा के मद्देनजर निषेधाज्ञा जारी

हैदराबाद, 24 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने टीजीपीएससी विभागीय परीक्षा के मद्देनजर 25 नवंबर से 8 दिसंबर के बीच 10 दिनों के लिए निषेधाज्ञा जारी की है। आदेश में परीक्षा केंद्र के 200 मीटर के दायरे में चार या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर रोक लगाई गई है। परीक्षाएं 25 नवंबर, फिर 27 नवंबर से 3 दिसंबर, तथा 7 दिसंबर और 8 दिसंबर को आयोजित की जाएंगी। राचकोंडा पुलिस आयुक्त ने बीएनएसएस अधिनियम की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है। पुलिस ने कहा कि आदेशों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर मुकदमा चलाया जाएगा।

जेल में एनएचआरसी की टीम ने की किसानों से मुलाकात

संगारेड्डी, 24 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के प्रतिनिधियों ने रविवार को संगारेड्डी में केंद्रीय जेल का दौरा कर पुलिस द्वारा जेल में बंद 21 लागाचेरला किसानों से बातचीत की। इंस्पेक्टर रोहित सिंह और यति प्रकाश वर्मा के साथ डिप्टी रजिस्ट्रार ऑफ लॉ मुकेश ने जेल का दौरा किया। वे किसानों से बातचीत करेंगे और बाद में मीडिया को संबोधित करेंगे।

निर्मल के जंगलों में घुसा एक और बाघ

दहशत के साये में जी रहे ग्रामीण

निर्मल, 24 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। लक्ष्मणचंदा मंडल के कनकपुर और परिमंडल गांवों में रविवार को दूसरे दिन भी एक और बाघ की आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत बनी रही। प्रभारी जिला वन अधिकारी नागिनी बानू ने बताया कि परिमंडल गांव के बाहरी इलाके में कपास की फसल में बाघ के पैरों के निशान मिले हैं। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी कैमरे लगाकर और एनिमल ट्रैकर लगाकर बाघ की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि बाघ का लिंग और उम्र अभी पता नहीं चल पाई है।

वन अधिकारियों को संदेह है कि तिरयानी के जंगलों में देखा गया एस-12 नामक नर बाघ, जॉनी नामक नर बाघ को भगाने के लिए निर्मल जिले की ओर चला आया होगा, जो कुछ दिन पहले तक इसी क्षेत्र में घूम रहा था। महाराष्ट्र के नांदेड़ और यवतमाल जिले के पैनगंगा वन्यजीव अभयारण्य से ताल्लुक रखने वाला जॉनी हाल ही में अपने मूल राज्य लौटा है। वह आदिलाबाद और निर्मल जिलों के जंगलों में लगभग एक महीने तक 350 किलोमीटर से अधिक की यात्रा करने के बाद मादा साथी को खोजने का असफल प्रयास कर रहा था।

एस-12 हाल ही में लक्सेटीपेट और कासिपेट मंडलों के जंगलों में घूमता रहा। यह कुछ महीने पहले इलाके की तलाश में ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व से कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के जंगलों में भटक गया था। अधिकारियों ने ग्रामीणों को सतर्क रहने और बाघ से अचानक टकराव से बचने की सलाह दी। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे जंगली जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने से रोकने के लिए बिजली से चलने वाली बाड़ लगाकर बाघ को नुकसान न पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि अगर बाघ द्वारा उनके मवेशियों को मारा जाता है तो किसानों को तुरंत मुआवज़ा दिया जाएगा।

इस बीच, कनकपुर और परिमंडल दोनों गांवों के निवासियों ने दावा किया कि उन्होंने कृषि क्षेत्रों में बाघ को देखा है। उन्होंने अधिकारियों से अनुरोध किया कि बाघ को जंगल के अंदर भेजकर मानव हानि को रोकने के लिए कदम उठाए जाएं। उन्हें इस बात का अफसोस है कि बाघ की आवाजाही के बाद उन्होंने कपास की फसल की कटाई रोक दी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.